CMYK

छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक

SUNDAY

बिलासपुर, रविवार, 27 अगस्त 2023

वर्ष - 33 | अंक - 119 | पृष्ठ - 12 |

मूल्य - 4.00 रु.

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

संपर्क करें :-
bilaspurdeshbandhu@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

सहकारी आंदोलन में भ्रष्टाचार को समाप्त करने की क्षमता : ओम बिरला पृष्ठ 3

मड़ई
- भोजली तिहार बहू बेटी के महापरब

पृष्ठ 4

- नंबर चार के लिए बिल्कुल सही हैं विराट : डिविलियर्स
- पीसीबी के मेहमान बनकर पाकिस्तान जाएंगे बिन्नी, शुक्ला

पृष्ठ 10

देश विदेश
- पाकिस्तान निर्वाचन आयोग के आश्वासन से फरवरी में चुनाव की फिर से जगी उम्मीदें
- मेडागास्कर में भगदड़ 12 लोगों की मौत
- ब्रिक्स संसदीय फोरम के द. अफ्रीका में आयोजन की संभावना

पृष्ठ 9

भाजपा ने देशभर में नफरत का केरोसीन फैला दिया है। इसे मुहब्बत की आग से ही बुझाया जा सकता है: राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

धार्मिक भेदभाव के आधार पर पिटाई का मामला

भाजपा का केरोसिन देश के कोने-कोने में फैला

नई दिल्ली, 26 अगस्त (देशबन्धु)। शनिवार को उत्तर प्रदेश में धार्मिक भेदभाव के आधार पर एक क्लास टीचर द्वारा अन्य बच्चों से एक छात्र की पिटाई कराने की घटना की राहुल गांधी ने निंदा की है। कांग्रेस नेता ने कहा, मासूम बच्चों के मन में भेदभाव का जहर घोलना, स्कूल जैसे पवित्र स्थान को नफरत का बाजार बनाना, एक शिक्षक देश के लिए इससे बुरा कुछ नहीं कर सकता है। यह भाजपा का फैलाया हुआ वही केरोसिन है जिसने भारत के कोने-कोने में आग लगा रखी है। मुजफ्फरनगर के मंसूरपुर थाना क्षेत्र के खुब्बापुर गांव में एक प्राइवेट स्कूल है। स्कूल का एक वीडियो वायरल हो रहा है। स्कूल में क्लास टीचर धार्मिक भेदभाव के आधार एक छात्र को अपने टेबल के पास खड़ा करके दूसरे छात्रों से पिटवा रही हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने एक्स हैंडल से पोस्ट किया और कहा कि 'बच्चे भारत का भविष्य हैं। उनको नफरत नहीं, हम सबको मिल कर मोहब्बत सिखानी है। कांग्रेस नेता ने हाल ही में अपने एक बयान में कहा था कि भाजपा ने देशभर में नफरत का केरोसीन फैला दिया है। इसे मुहब्बत की आग से ही बुझाया जा सकता है।

भारत का भविष्य हैं बच्चे -मासूम बच्चों के मन में भेदभाव का ज़हर घोलना, स्कूल जैसे पवित्र स्थान को नफरत का बाजार बनाना, एक शिक्षक देश के लिए इससे बुरा कुछ नहीं कर सकता। ये भाजपा का फैलाया वही केरोसिन है जिसने भारत के कोने-कोने में आग लगा रखी है। बच्चे भारत का भविष्य हैं, उनको नफरत नहीं, हम सबको मिल कर मोहब्बत सिखानी है।

अध्यापिका के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के एक स्कूल में बच्चे की पिटाई का वीडियो वायरल होने के बाद इसकी आलोचना हो रही है। इस मामले पर पुलिस ने अध्यापिका के खिलाफ ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

भाजपा-आरएसएस की नफरत भरी राजनीति का परिणाम : खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी अन्य बच्चों से एक छात्र की पिटाई कराने की घटना की निंदा करते हुए इसे भाजपा-आरएसएस की नफरत भरी राजनीति का परेशान करने वाला परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं देश की वैश्विक छवि को खराब करती हैं और संविधान के खिलाफ हैं। ऐसी घटनाएं हमारी वैश्विक छवि को धूमिल करती हैं। ये संविधान के खिलाफ है।

नफरती राजनीति, देश को यहां ले आई: अखिलेश

इस मामले में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शनिवार को मुजफ्फरनगर जिले की उस शिक्षिका को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की, जिसने अपने छात्रों को अल्पसंख्यक समुदाय के एक छात्र को कथित तौर पर थप्पड़ मारने के लिए कहा था। सोशल मीडिया पर प्रसारित घटना के कथित वीडियो को सपा ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर साझा करते हुए यह मांग उठाई, जिसे पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने पुनःपोस्ट किया। 'एक्स' पर सपा ने भाजपा और आरएसएस निशाना साधते हुए कहा, भाजपा और आरएसएस की नफरती राजनीति, देश को यहां ले आई!

ओडीएफ के बावजूद छत्तीसगढ़ के 15 लाख परिवार उन्नत शौचालयों से वंचित

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जताई चिंता, जांच की मांग

रायपुर, 26 अगस्त (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर चिंताई जताई है कि पिछली सरकार द्वारा राज्य को ओडीएफ घोषित किए जाने के बावजूद 15 लाख परिवार उन्नत शौचालय सुविधा से वंचित हैं। बघेल ने इन परिवारों को यह सुविधा उपलब्ध कराने की मांग प्रधानमंत्री से की है। साथ ही कहा है कि उन्नत शौचालय निर्माण की प्रोत्साहन राशि 12000 रुपए प्रति परिवार से बढ़ाकर 30000 रुपए की जानी चाहिए। उन्होंने अतिवाद प्रभावित तथा दुर्गम क्षेत्रों में ऐसे शौचालयों का निर्माण ग्राम पंचायतों के माध्यम से स्वीकृत करने का अनुरोध किया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्र में लिखा है कि भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के तत्वावधान में कराये गये राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 6 (2019-21) में यह पाया गया है कि छत्तीसगढ़ के शहरी क्षेत्रों में 88.2 प्रतिशत परिवार एवं ग्रामीण क्षेत्रों के 73.5 प्रतिशत परिवार उन्नत शौचालय सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। इस तरह राज्य के कुल परिवारों में से 76.8 प्रतिशत परिवार उन्नत शौचालय सुविधा का उपयोग कर रहे हैं तथा 23.2 प्रतिशत परिवार इस सुविधा से वंचित हैं। विगत माह राज्य सरकार द्वारा कराये गये सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के दौरान शौचालयों के भौतिक सत्यापन से राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के जारी आंकड़ों की पुष्टि होती है।

मुख्यमंत्री बघेल ने पत्र में आगे कहा है कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में राज्य में 32 लाख से अधिक शौचालय निर्माण कार्य हुए थे तथा जनवरी 2018 में संपूर्ण राज्य को ओ.डी.एफ घोषित किया गया था। शौचालयों के निर्माण में लगभग 4,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि का व्यय हुआ था। इतनी राशि व्यय करने के बाद भी राज्य के लगभग 15 लाख परिवारों को वर्तमान में उन्नत शौचालय की सुविधा न होना चिंता एवं जांच का विषय है।

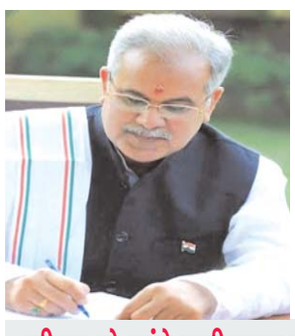

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र के माध्यम से अनुरोध करते हुए लिखा है कि भारत सरकार के प्रशासकीय विभाग द्वारा स्वतंत्र तृतीय पक्ष के माध्यम से वस्तुस्थिति की जांच करायी जाये तथा राज्य की भौगोलिक एवं जनांकिकीय स्थिति को ध्यान में रखते हुये उन्नत शौचालय सुविधा रहित परिवारों के लिए शौचालय निर्माण हेतु प्रति परिवार प्रोत्साहन राशि को 12,000 रू के स्थान पर 30,000 रू करते हुए राशि स्वीकृत की जावे एवं अतिवाद प्रभावित तथा दुर्गम क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों के माध्यम से शौचालय निर्माण की सहमति दी जाये।

सीएम ने मांगे छत्तीसगढ़ के बकाया 6000 करोड़

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर भारत सरकार द्वारा लंबित देनदारियों की ओर ध्यान आकर्षित किया। इस पत्र में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लिखा है कि वर्तमान स्थिति में भारत सरकार/भारतीय खाद्य निगम के स्तर पर राज्य की एजेन्सियों की लम्बित देनदारियां लगभग 6,000 करोड़ रूपये की हो चुकी हैं।

मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा है कि केंद्रीय पूल में राज्य सरकार की ओर से जमा चावल के बाद बचे शेष धान के निराकरण में भी राज्य सरकार को बड़ी हानि उठानी पड़ती है, जिसकी भरपाई भारत सरकार द्वारा नहीं की जाती है। इससे राज्य सरकार को अतिरिक्त आर्थिक भार वहन करना पड़ता है।

मुख्यमंत्री बघेल ने प्रधानमंत्री मोदी से अनुरोध करते हुए इस पत्र में कहा है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुये संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने का कष्ट करें कि वे राज्य की एजेन्सियों की लम्बे समय से लम्बित समस्त देनदारियों की समय-सीमा निर्धारित कर निराकरण करें तथा राज्य के विधिक क्लेम की राशि शीघ्र राज्य सरकार को अन्तरित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें।

सार संक्षेप

फासीवादी प्रवृत्तियों का विरोध करता रहूंगा: पवार

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं फासीवादी प्रवृत्तियों का विरोध करता रहूंगा। उन्होंने एक बार फिर अपनी पार्टी में टूट से इनकार किया और कहा कि यह सच है कि कुछ विधायक पार्टी छोड़कर चले गए हैं, लेकिन केवल विधायकों का मतलब पूरी राजनीतिक पार्टी नहीं है।

मध्य प्रदेश में शिवराज ने किया मंत्रिमंडल विस्तार

भोपाल। मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने शनिवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मंत्रिमंडल में शामिल तीन नए मंत्रियों को पद की शपथ दिलाई। रीवा से विधायक राजेंद्र शुक्ल, बालाघाट से विधायक गौरीशंकर बिसेन और खरगापुर से विधायक राहुल लोधी को मंत्री बनाया गया।

राज्यपाल को सरकार को धमकाने का अधिकार नहीं : मान

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कहा कि एक 'चयनित' राज्यपाल को निर्वाचित प्रतिनिधियों को धमकाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश करने की राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित की 'धमकी' पंजाब के 3.5 करोड़ लोगों का अपमान है। वह ऐसी धमकियों के आगे झुकने वाले नहीं हैं।

ईडी ने गोल्डन बाबा की 1.53 करोड़ की संपत्ति की कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उन्होंने भुवनेश्वर के ज्योति ट्रेडिंग एंड कंपनी के मालिक ज्योति रंजना बेउरा उर्फ गोल्डन बाबा द्वारा अपराध की आय के रूप में अर्जित 1.53 करोड़ की संपत्ति कुर्क की है।

दिग्गज बॉलीवुड गीतकार देव कोहली का निधन

मुंबई। दिग्गज बॉलीवुड गीतकार देव कोहली का लंबी बीमारी के बाद शनिवार को मुंबई में निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। कोहली का जन्म पाकिस्तान के रावलपिंडी के एक सिख परिवार में हुआ था।

कांग्रेस का भाजपा सरकार पर भय मुक्त भ्रष्टाचार का आरोप

अडानी ने गुजरात ऊर्जा निगम को लगाई 3900 करोड़ की चपत

नई दिल्ली, 26 अगस्त (देशबन्धु)। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर भय मुक्त भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने उनके करीबी उद्योगपति मित्र अडानी समूह के हिस्से के 3900 करोड़ रुपए का भुगतान किया है, लेकिन अब इस पैसे को लौटाया नहीं जा रहा है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार ने अडानी पावर मुंद्रा लिमिटेड के साथ

- अडानी पावर मुंद्रा लिमिटेड ने 5 साल तक कोई कागजात नहीं सौंपे

एक ऊर्जा समझौता किया था, जिसकी शर्तों का पालन नहीं किया जा रहा है और इस वजह से 3900 करोड़ रुपए की भारी राशि का घोटाला हुआ है। उन्होंने कहा, सरकार ने अडानी पावर मुंद्रा लिमिटेड के साथ एक बिजली खरीद समझौता यानी पीपीए किया। इसमें एक शर्त थी कि इंडोनेशिया से जो भी कोयला आएगा, उसके तय मूल्य के आधार पर एनर्जी चार्जेज अडानी पावर मुंद्रा लिमिटेड को दिए जाएंगे। पीपीए में लिखा गया था कि अडानी जो भी कोयला खरीदेंगे, उसकी कॉम्पिटिटिव बिड और ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

दिल्ली एयरपोर्ट पर कैंसिल हो सकती है 1000 फ्लाइट

■ जोगेन्द्र सोलंकी

नई दिल्ली, 26 अगस्त (देशबन्धु)। जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन को लेकर दिल्ली में जोर शोर से की जा रही तैयारियों के बीच दिल्ली एयरपोर्ट पर एक हजार से अधिक फ्लाइटों को कैंसिल किए जाने की संभावना है। इसके चलते बाहर से आने व दिल्ली से वाले हवाई यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय वीवीआईपी मेहमानों की आवाजाही को लेकर दिल्ली एयरपोर्ट पर तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है। सम्मेलन के दौरान दिल्ली एयरपोर्ट अच्छी खासी चहल पहल देखने को मिल सकती है। दिल्ली एयरपोर्ट पर वीवीआईपी मेहमानों की आवाजाही के कारण सुरक्षा के मद्देनजर एक हजार से अधिक फ्लाइटों को कैंसिल किए जाने की संभावना है। विमानन मंत्रालय की एक रिपोर्ट में ये जानकारी साझा की गई है। रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली एयरपोर्ट पर पार्किंग की व्यवस्था अच्छी रहे इसलिए जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान 1000 फ्लाइटों को कैंसिल किया जा सकता है।

पार्किंग में भी कटौती करने के निर्देश

जी-20 शिखर सम्मेलन के विमानों की पार्किंग में कोई समस्या ना हो इसलिए ये फैसला किया गया है। एयरलाइनों को निर्देश दिया गया है कि पार्किंग में वो कटौती करें। इस संबंध में एयरलाइंसों से कहा गया है कि वो अपने एयरक्राफ्ट को दिल्ली एयरपोर्ट पर खड़ा करने के बजाय किसी अन्य एयरपोर्ट पर खड़ा कर सकते है। जी-20 शिखर सम्मेलन नौ सितंबर को आयोजित होना है। इस सम्मेलन में 30 देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इसे लेकर ही एयरलाइंस के पूरे शेड्यूल में भी बदलाव किया जा रहा है। इस सम्मेलन के कारण माना जा रहा है कि देश भर में भी एयरलाइंस के नेटवर्क पर असर हो सकता है। यहां तक की कुछ फ्लाइट्स को कैंसिल भी किया जा सकता है। दिल्ली एयरपोर्ट पर इस शिखर सम्मेलन से संबंधित 50 से अधिक एयरक्राफ्ट पार्क होंगे। इन विमानों से शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दुनिया भर से कई वीवीआईपी गेस्ट हिस्सा लेंगे। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज और चीनी प्रधानमंत्री शी जिनपिंग जैसे लोग शामिल होंगे।

गौरतलब है कि दिल्ली एयरपोर्ट पर लगभग 220 पार्किंग स्टैंड है। इन दिनों एयर ट्रैफिक में बढ़ोतरी हो रही है। गो फर्स्ट के दिवालिया होने के कारण यहां पहले से 50 विमान खड़े हुए है, जिससे पार्किंग में परेशानी हो सकती है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने पार्किंग की समस्या को देखते हुए इसका हल भी खोजा है। एयरलाइंस विमानों को दिल्ली एयरपोर्ट के अलावा अन्य एयरपोर्ट पर भी पार्क करा सकती है। इसमें लखनऊ और जयपुर एयरपोर्ट भी शामिल है।

भाजपा चाहे कितने भी घोषणा पत्र लाए, कोई फर्क नहीं पड़ेगा : सैलजा

रायपुर, 26 अगस्त (देशबन्धु) कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने भाजपा के घोषणा पत्र समिति के काम को लेकर बयान दिया है. उन्होंने कहा कि एक बहुत बड़ा फर्क है हमारी पार्टी और भाजपा में। छत्तीसगढ़ की जनता को कांग्रेस पर भरोसा है, जो हमने नहीं कहा उससे ज्यादा कर दिखाया है।

सैलजा ने कहा कि 15 साल इन्हें मौका मिला, अब छत्तीसगढ़ की जनता का इनसे विश्वास उठ चुका है।भाजपा सरकार पर बहुत बड़ा निशान लगा हुआ है, जनता कैसे भरोसा करेगी इनपर। वे चाहे कितने भी घोषणा पत्र लायें, कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

वहीं भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर के सरगुजा दौरे पर कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने कहा कि वह अपना काम करेंगे। जानते हैं यहां कुछ बचा नहीं है ना उनके पास नेता है और न ही नीति है, ये नीति विहीन हो चुके हैं। उन्हें मौका मिला मगर इन्होंने सत्ता खो दी और लोगों का विश्वास इनसे उठ गया। कुमारी सैलजा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने उनकी असलियत को पहचान लिया है। सीनियर नेता हैं, वह अपना काम कर रहे हैं। हम अपनी तरह से उम्मीदवारों का चयन कर रहे हैं। ब्लॉक में इतने आवेदन पत्र आए हैं, यह उत्साह है, क्योंकि हमने काम किया है, काम करना जानते हैं और आगे भी काम करेंगे।

मदुरै में ट्रेन में लगी आग, नौ की मौत

चेन्नई, 26 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मदुरै रेलवे स्टेशन पर शनिवार को एक यात्री में आग लगने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 20 घायल हो गए। रेलवे सूत्रों ने बताया कि यह घटना शनिवार तड़के लखनऊ-रामेश्वरम एक्सप्रेस में हुई। सूत्रों ने बताया कि सभी मृतक उत्तर प्रदेश के थे और रामेश्वरम तीर्थ यात्रा पर जा रहे थे। प्रभावित कोच में 55 यात्री थे, जिसे शुक्रवार को नागरकोइल में जोड़ा गया था। सूत्रों ने बताया कि खाना पकाने के लिए अवैध रूप से कोच के अंदर ले जाए जा रहे गैस सिलेंडर में विस्फोट के कारण आग लगी। इस बीच, घायल हुए 20 लोगों में से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा उस समय हुआ जब ट्रेन मदुरै रेलवे स्टेशन से 1 किमी दूर एक यार्ड में खड़ी थी और यात्री दर्शन के लिए मीनाक्षी मंदिर के लिए निकलने वाले थे। ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

ट्रक में भूसा के नीचे ले जा रहे थे 400 पेटी शराब, दो गिरफ्तार

महासमुंद, 26 अगस्त (देशबन्धु)। सिंघोड़ा व साइबर सेल की टीम ने रेहटीखोल बेरियर के पास एक ट्रक से शराब की तस्करी कर रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। युवकों से पुलिस ने 400 पेटी शराब कीमत लगभग 23 लाख रुपए जब्त की है। शराब झारखंड से ओडीशा होते हुए बीजापुर ले जाई जा रही थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 34;2, 59;क आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार को मुखबिर से सूचना मिली कि उत्तर प्रदेश का एक ट्रक भारी मात्रा में शराब लेकर ओडिशा की ओर से महासमुंद की ओर आ रहा है। सूचना पर सिंघोडा व साइबर सेल टीम ने सभी प्वाइंट पर तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग रेहटीखोल के पास आइसर ट्रक क्रमांक यूपी 77 एटी 4876 को रोका गया। ट्रक में दो युवक सवार थे जिन्होंने अपना नाम.पता मानपुर थाना शिवराजपुर, जिला कानपुर, उत्तर प्रदेश निवासी अजय कुमार 25 चासबोकारो, थाना चासबोकारो, झारखण्ड निवासी बादल मण्डल 25 वर्ष बताया। पुलिस ने जब ट्रक की तलाशी ली तो उसमें भूसा भरा था, भूसा बोरी को हटाने पर ट्रॉली में भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब की पेटियां ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

चंद्रयान-3 मिशन पर प्रधानमंत्री मोदी ने की घोषणा

लैंडिंग प्वाइंट को 'शिव शक्ति प्वाइंट नाम मिला

बेंगलुरु, 26 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यहां घोषणा की कि चंद्रयान-3 मिशन के लैंडिंग प्वाइंट को 'शिव शक्ति प्वाइंट' के नाम से जाना जाएगा। इसरो आए पीएम ने कहा कि चंद्रयान-2 की लैंडिंग वाले स्थान को तिरंगा बिंदु कहा जाएगा, जबकि चंद्रमा पर विक्रम लैंडर के उतरने का दिन (23 अगस्त) देश में 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के इसरो कमांड सेंटर में वैज्ञानिकों की सभा को संबोधित करते हुए ये घोषणाएं कीं। पीम ने कहा, भारत ने उस टचडाउन प्वाइंट का नाम 'शिव शक्ति प्वाइंट' रखने का फैसला किया है, जहां विक्रम लैंडर ने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की थी। चंद्रमा का शिव शक्ति प्वाइंट हिमालय से कन्याकुमारी तक एकता का प्रतीक होगा। उन्होंने रेखांकित किया कि शिव शक्ति प्वाइंट भावी पीढ़ियों को मानवता के कल्याण के लिए विज्ञान के उपयोग की दिशा में प्रेरित करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि चंद्रमा पर वह प्वाइंट जहां चंद्रयान मिशन-2 न ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

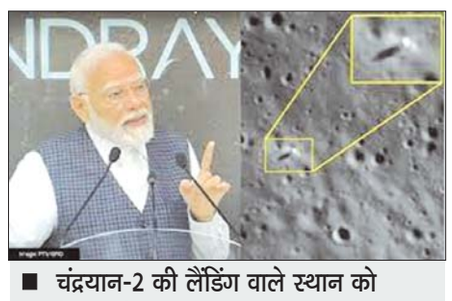

■ चंद्रयान-2 की लैंडिंग वाले स्थान को तिरंगा बिंदु कहा जाएगा

लोस चुनाव 2024 — तीसरी बैठक में और बढ़ेगा इंडिया गठबंधन का कद

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुंबई बैठक के लिए तैयार

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' की 31 अगस्त और 1 सितंबर को मुंबई में होने वाली तीसरी महत्वपूर्ण बैठक के बाद मजबूत होने के लिए तैयार है। इंडिया (आईएनडीआईए) सदस्य दलों के सूत्रों के मुताबिक, बैठक में महाराष्ट्र शेतकारी दल की भागीदारी होगी। 23 जून को पटना में हुई पहली बैठक में 16 पार्टियों ने हिस्सा लिया था।

एक महीने से भी कम समय में, 17 और 18 जुलाई को बेंगलुरु में दूसरे दौर की बैठक के दौरान गठबंधन 26 दलों तक पहुंच गया था। तीसरी बैठक में एक और दल को जोड़ने के अलावा राज्य स्तर पर गठबंधन के लिए उप समिति और सामूहिक बैठक पर भी निर्णय लिया जायेगा। पार्टी सूत्रों ने कहा कि उप-समिति के गठन से 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से मुकाबला करने के लिए गठबंधन के कामकाज में मदद मिलेगी।

मुंबई की बैठक में गठबंधन के राष्ट्रीय संयोजक को लेकर फैसला लिया जाएगा। हालांकि, कई नेताओं का मानना है कि राष्ट्रीय संयोजक का पद सृजित करने के बजाय कई दलों की उप समिति इस पद को संभाल सकती है, जो कार्यक्रमों को तय करने का काम भी करेगी और पार्टियों के बीच समन्वय की अहम भूमिका भी निभाएगी। सूत्रों ने आगे कहा कि तीसरी बैठक में न्यूनतम साझा कार्यक्रम के मसौदे और इंडिया पार्टियों के लोगो पर भी चर्चा की जाएगी, जो मुंबई में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिव सेना (यूबीटी) के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी द्वारा आयोजित की जा रही है।

80 नेताओं के शामिल होने की उम्मीद

बैठक में कम से कम 80 नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है, जिसमें राजनीतिक मुद्दों पर भी चर्चा होगी और महंगाई, बेरोजगारी जैसे राष्ट्रीय मुद्दों पर भाजपा को घेरने पर चर्चा होगी। यह पूछे जाने पर कि क्या प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों पर कोई चर्चा होगी, इस पर सूत्रों ने आगे कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा होने की संभावना नहीं है क्योंकि पार्टियों को पहले मुद्दों और सामान्य न्यूनतम कार्यक्रम को अंतिम रूप देने की जरूरत है। प्रधानमंत्री पद के चेहरे और सीट बंटवारे का फैसला बाद में किया जाएगा, क्योंकि ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

- राष्ट्रीय संयोजक को लेकर लिया जाएगा फैसला
- उप समिति के गठन पर भी हो सकती है चर्चा

लखन घाट सहित पौराणिक स्थलों को श्री राम वन गमन पर्यटन परिपथ में शामिल करें- साध्वी भाग्यश्री

छत्तीसगढ़ के राम वन गमन पर्यटन परिपथ का भ्रमण करने निकली है साध्वी भाग्यश्री

गौरेला पेंड्रा। मरवाही 26 अगस्त (देशबन्धु)। मर्यादा पुरुषोत्तम राम माता सीता एवं लक्ष्मण जी ने वनवास के दौरान सबसे ज्यादा समय छत्तीसगढ़ में गुजारा था। इस पुण्य स्मृति को चिरस्थाई स्थाई बनाने के लिए छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार श्री राम वन गमन पर्यटन परिपथ का निर्माण करके सराहनीय कार्य कर रही है परंतु श्री राम वन गमन पर्यटन परिपथ में गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में बहने वाले सोन नदी तट पर स्थित तीर्थ स्थान लखन घाट सहित अन्य पौराणिक स्थलों को शामिल नहीं किया गया है जबकि यहां उनके यहां से गुजरने और रुकने के प्रमाण मौजूद हैं। छत्तीसगढ़ सरकार को लखन घाट सहित अन्य चिन्हित स्थलों को श्री राम वन गमन पर्यटन परिपथ में शामिल किया जाना चाहिए।

उक्त बातें श्री राम चरित्र मानस कथा मर्मज्ञ पूज्य साध्वी भाग्यश्री देवी जी ने पेंड्रा आगमन के दौरान व्यक्त किये। साध्वी भाग्यश्री देवी झांसी उत्तर प्रदेश से छत्तीसगढ़ में श्री राम वन गमन मार्ग का भ्रमण करते पेंड्रा पहुंची थी। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने सोन नदी के लखन घाट, रामघाट एवं सीता घाट सहित अन्य पौराणिक स्थान का भ्रमण एवं दर्शन किया। साध्वी भाग्य श्री ने बताया कि वे छत्तीसगढ़ के हरिचौका से अपनी यात्रा प्रारंभ की है तथा छत्तीसगढ़ के हिस्से में स्थित राम वांगमन मार्ग का भ्रमण एवं दर्शन करने निकली है। उन्होंने कहा कि यह जान कर बड़ी खुशी हुई कि

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में वनवासी राम जिन जिन स्थानों से होकर गुजरे हैं तथा जहां रुके हैं उन स्थानों को चिन्हित कर उन्हें विकसित कर रही है। भगवान श्री राम से जुड़ी स्मृतियों को चिरस्थाई बनाने का यह काम अत्यंत सराहनीय है।

साध्वी भाग्यश्री देवी ने कहा कि श्री राम वन गमन मार्ग भ्रमण एवं दर्शन करते-करते जब मैं गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के उत्तर में स्थित लखन घाट जो सोन नदी का प्रमुख घाट है। उन्होंने सरकार को सुझाव दिया कि श्री राम वन गमन पर्यटन परिपथ में लखन घाट सहित गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के उन पौराणिक स्थान को भी जोड़ा जाना चाहिए जहां से वनवासी भगवान श्री राम माता सीता एवं लक्ष्मण गुजरे हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान श्री राम का ननिहाल है ऐसे में भगवान श्री राम की स्मृतियों को चिरस्थाई बनाने का जो पुण्य कार्य छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार कर रही है वह अत्यंत ही सराहनीय है।इसके पूर्व साध्वी भाग्यश्री देवी ने पेंड्रा में नर्मदा कुंज पहुंचकर श्री राम कथा पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर विभिन्न श्रद्धालु एवं प्रबुद्ध जन उपस्थित थे। पेंड्रा में प्रवचन एवं पत्रकारों से चर्चा के बाद साध्वी भाग्यश्री देवी तीर्थ स्थल अमरकंटक मां नर्मदा के दर्शन हेतु रवाना हुई।

कर्मवीरों ने मार्च पास्ट कर निकाली मतदाता जागरूकता रैली

कोरबा, 26 अगस्त (देशबन्धु)। भारत निर्वाचन आयोग व मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रायपुर के निर्देशन में जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर सौरभ कुमार के मार्गदर्शन में जिला नोडल स्वीप अधिकारी व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री विश्वदीप के आतिथ्य में जिले के एनएसएस, एनसीसी व स्काउट गाइड के बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक और मार्च पास्ट के साथ जिले के मतदाताओं को जागरूकता का संदेश दिए। एनसीसी, एनएसएस और स्काउट गाइड के जिला अधिकारी भी मौजूद रहे। टीपी नगर चौक से मार्च पास्ट करते हुए रैली निकालकर नगर के पावर हाउस रोड होते हुए कोरबा फाटक से वापस टीपी नगर चौक में समापन हुआ। महाविद्यालयों से स्वीप प्रभारी के साथ उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती सीमा पात्रे व सहायक स्वीप नोडल अधिकारी अनिल रात्रे द्वारा संचालन किया गया।

चोरी में शातिर युवक कोरबा में पकड़ाया

तखतपुर में दो दुकानों व एक घर से मोबाइल चोरी कर भागा था

तखतपुर। 26 अगस्त (देशबन्धु)। दो दुकानों से चोरी कर भाग रहे युवक को जब गोरखा ने पकड़ा तो वह उसके साथ मारपीट कर मौके से भागते हुए वार्ड 4 पार्षद के घर के सामने एक व्यक्ति के घर में घुस गया। सुबह 5 बजे उसके घर से भी मोबाइल चोरी कर भाग निकला। पुलिस को क्राईम ब्रांच की मदद से पुलिस ने कोरबा में हिरासत में ले लिया।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात को तखतपुर क्षेत्र में अज्ञात चोर ने आंतक मचाय सबेरे पिता चला कि रात में राजेश तोलानी पिता झम्मुमल तोलानी के किराना दुकान में ताला तोड़ा पर शटर में सेंटर लाक होने के कारण चोरी नही कर पाया और शटर ऊपर नही होने के कारण ठीक बगल में ही वार्ड 4 में ही सूर्या डेलीनिड्स के संचालक विकास देवांगन पिता विक्रम देवांगन के दुकान में ताला तोड़कर दुकान से पान मसाला और गैस सिलेण्डर को साईकिल में बांध कर ले जा रहा था तभी गोरखा राजू नेपाली ने उसे देखा तो उससे पुछताछ की तब चोर ने उसे अपना सिलेण्डर बताया जिस पर वह गोरखा से विवाद करने लगा और दोनों के बीच में बीच सड़क में रात लगभग 2.30 बजे मारपीट होती रही। वहां से वह चोर भाग खड़ा हुआ इस मारपीट में चोर के कपड़े फट गए थे। वह शरन नगर के पास बडू मसीह के घर में सूखने के लिए टंगे कपड़ों को उतारकर अपने फट हुए कपड़ों को वहीं छोड़ दिया और बडू मसीह के कपड़ें को पहनकर शरन नगर से वार्ड 4 पार्षद टेकचंद कारड़ा के घर के पास पहुंचा जहां सीसीटीवी कैमरे में दिखा कि वह संतोष यादव के घर में घुस गया। संतोष यादव उस समय मार्निंगवाक से लौट रहा था तभी चोर संतोष यादव के घर में सोए उसके बेटे नीरज यादव का मोबाईल चोरी कर बाहर निकला।

संतोष यादव ने चोर से पूछा की घर अंदर कैसे गए थे, चोर का जवाब था कि उसका ही घर में पानी पीने गया था। उसके हाथ में मोबाइल देख उसके जब पूछा की मोबाइल कहां से लाए तक वह वहां से आजादपारा की ओर भाग खड़ा हुआ। संतोष ने तखतपुर थाना प्रभारी एसआर साहू को इसकी सूचना दी। साइबर सेल के माध्यम से चेक किया गया तो मोबाइल बिलासपुर में होना पाया गया। जब साइबर और क्राइम ब्रांच के अधिकारी रेल्वे स्टेशन पहुंचे तब चोर ट्रेन में चढ़ चुका था। क्राइम ब्रांच ने युवक का पीछा करते हुए उसे कोरबा में धर दबोचा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

भाजपा का केरोसिन देश के ...

प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुजफ्फरनगर पुलिस की ओर से जारी एक बयान में बताया गया है कि खुब्बापुर गांव स्थित स्कूल की अध्यापिका द्वारा एक छात्र के होमवर्क न करने पर उसे कक्षा के अन्य छात्रों से पिटवाने और उसके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में छात्र के पिता ने तहरीर दी है। मंसूरपुर पुलिस द्वारा 323, 504 धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में विधिक कार्यवाही की जा रही है। वहीं, शिक्षिका तृप्ता त्यागी ने अपना वीडियो बयान जारी करते हुए सफाई दी है। उन्होंने कहा, मेरा इरादा किसी की धार्मिक और सामाजिक भावना को ठेस पहुंचाना नहीं था। वीडियो छेड़छाड़ के बाद प्रसारित किया गया है। वह दिव्यांग हैं, बच्चों को कंट्रोल करने के लिए यह कदम उठाया था।

अडानी ने गुजरात ऊर्जा निगम को ...

बिल के कागजात सरकार को देंगे, जिनकी तुलना सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मूल्य तय करने वाले सर्किट से करेगी, लेकिन अडानी पावर मुंद्रा लिमिटेड ने पांच साल तक कोई कागजात नहीं सौंपे और सरकार एनर्जी चार्जेज के नाम पर करोड़ों रुपया देती रही।

गुजरात के नागरिकों पर पड़ता है भार

कांग्रेस नेता ने कहा, गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड की ओर से अडानी पॉवर मुंद्रा लिमिटेड को एक चिट्ठी लिखी गई। इसमें कहा गया कि आप हमें दस्तावेज नहीं सौंप रहे हैं, लेकिन हमने पांच साल में आपको 13,802 करोड़ दिए हैं, जबकि हमें आपको केवल 9,902 करोड़ देने थे। चिट्ठी में आग्रह किया गया कि हमने आपको 3,900 करोड़ रुपए ज्यादा दे दिए हैं, उसे आप समय पर लौटा दीजिए। उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद उच्चतम न्यायालय की कमेटी बनी। इसके बाद कुछ लोगों ने आरटीआई लगाई जिसके कारण गुजरात सरकार ने अडानी पावर लिमिटेड को चिट्ठी लिखी। अगर ऐसा न होता तो गुजरात सरकार के 3,900 करोड़ रुपए अडानी को चले जाते। ये पैसा पीपीए का था इसलिए इसका भार गुजरात के नागरिकों पर पड़ता। श्री गोहिल ने सरकार से सवाल किया कि यह मनी लॉन्ड्रिंग है तो क्या इसकी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच नहीं कराई जानी चाहिए। सेबी को भी इसकी जांच करनी चाहिए और पांच साल तक 13,802 करोड़ रुपए किसके कहने पर दिए जाते रहे इसकी पड़ताल होनी चाहिए।

मदुरै में ट्रेन में लगी आग...

अग्निशमन एवं बचाव सेवा विभाग मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाया। ट्रेन जब मदुरै रेलवे स्टेशन पहुंची तो कई लोग उतर चुके थे। मदुरै जिला कलेक्टर संगीता ने मीडियाकर्मियों को बताया कि घायलों को अस्पतालों में भेज दिया गया है और इलाज चल रहा है।

ट्रक में भूसा के नीचे ...

मिली। पेटियों में 180.180 मिली गोवा स्पेशल व्हीस्की प्रत्येक कार्टून में 48.48 नग कुल 400 नग सफेद कार्टून में 19200 नग पौवा जिसमें प्रत्येक शीशी में एसएन 879375932 छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग का लिखा स्टीकर चिपका हुआ तथा जेएएन 23बी313 का पर्ची लगी मिली। लेकिन शराब परिवहन संबंधी कोई कागजात आरोपियों के पास नहीं मिला। पुलिस ने आरोपियों से कुल 19200 नग गोवा स्पेशल व्हीस्की कुल 3456 लीटर कीमती 23.4 लाख रुपए एवं तस्करी में प्रयुक्त आयशर ट्रक जब्त किया। कार्रवाई में सिंघोड़ा थाना प्रभारी उप निरीक्षक उमेश वर्मा, साइबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक नसीमुद्दीन खान, प्रधान आरक्षक प्रशांत सागर, आरक्षक हेमंत नायक, संदीप भोई, सुशांत बेहरा, जैकी प्रधान, बिरेन्द्र कर, विरेन्द्र बाघ, यश ठाकुर, मनोहर साहू, डिग्री मेहर, जिवर्धन बरिहा, रोहित सिदार शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जनवरी से अब तक पुलिस ने कुल 822 प्रकरणों में 857 आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए 47.53 लाख रुपए के 10434 लीटर शराब जब्त की है। शुक्रवार को पकड़ी गई शराब के संबंध में जब आरोपियों से पूछताछ की गई तो पता चला कि वे झारखण्ड से महासमुंद होते हुए जिला बीजापुर में शराब खपाने ले जा रहे थे।

लैंडिंग प्वाइंट को ...

` निशान छोड़े हैं उसे 'तिरंगा' कहा जाएगा।

प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों की पीठ थपथपाई

शनिवार सुबह इसरो पहुंचने पर प्रधानमंत्री का इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ, इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) के निदेशक बी.एन. रामकृष्ण और यू.आर. राव सैटेलाइट सेंटर के निदेशक एस. शंकरन ने स्वागत किया। पीएम मोदी ने तीनों वैज्ञानिकों को गले लगाकर स्वागत किया और उनकी पीठ थपथपाई। बाद में, उन्होंने उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं।

शिवशक्ति पॉइंट के चारों ओर घूम रहा रोवर

अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने शनिवार को एक और नया वीडियो साझा किया है, जिसमें प्रज्ञान दक्षिण ध्रुव पर रहस्यों की खोज में शिव शक्ति बिंदु के चारों और घूमता हुआ नजर आ रहा है। विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर दोनों ही सौर उर्जा से संचालित हैं। इन्हें चांद की रोशनी वाली जगह पर ठीक से पहुंचाया गया है।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ...

पहली प्राथमिकता केंद्र में भाजपा सरकार से मुकाबला करने के लिए एक रोडमैप तैयार करना है। सूत्रों ने यह भी कहा कि इस स्तर पर प्रधानमंत्री पद पर चर्चा के मुद्दों में पड़ने के बजाय 2024 के लोकसभा अभियान के लिए माहौल तैयार करना अधिक महत्वपूर्ण है।

केंद्र सरकार बिलासा बाई केंवट एयरपोर्ट के विकास के लिए उदासीन

रक्षा मंत्रालय नेअभी तक एयरपोर्ट को जमीन नहीं सौंपी

सेना की सहमति से 90 करोड़ जमा हुए 15 दिन से अधिक बीते

बिलासपुर ,26 अगस्त (देशबन्धु) । हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने बयान जारी करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बिलासा बाई केंवट एयरपोर्ट के विकास के लिए उदासीन है समिति ने कहा कि सेना की सहमति से कलेक्टर बिलासपुर द्वारा 90 करोड़ जमा हुए 15 दिन से अधिक समय बीता परन्तु अभी तक रक्षा मंत्रालय द्वारा अभी तक एयरपोर्ट को जमीन वापसी का पत्र नहीं भेजा है समिति ने मांग की कि जब इस मसले पर सहमति हो चुकी है तो फिर अब भूमि हस्तांतरण में देरी क्यों की जा रही है

केंद्र सरकार द्वारा बिलासपुर एयरपोर्ट की उपेक्षा का यह ताजातरीन मामला है इसके पहले नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के तहत आने वाली एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया ए ए आई ने बिलासपुर और छत्तीसगढ़ के साथ छलावा करते हुए उड़ान 5.0 योजना से लाभान्वित एयरपोर्ट की सूची से बिलासपुर और जगदलपुर का नाम हटा दिया है जबकि इन दोनों जगह केवल एक एक उड़ान ही संचालित है और दोनों एयरपोर्ट अंडरसर्वेड की श्रेणी में आते है. अन्य राज्यों के ऐसे कई एयरपोर्ट इस सूची में शामिल है।हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने भेद भाव का आरोप लगाते हुए कहा कि ए ए आई हमेशा से बिलासपुर एयरपोर्ट के विकास में बाधक बन रही है पहले भी उसके द्वारा बिलासपुर भोपाल उड़ान को उड़ान योजना के तहत स्वीकृत होने से 3 साल के पहले बंद करने पर अलायन्स एयर कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई है. समिति ने विस्तार से बताते हुए कहा कि ए ए आई ने उड़ान योजना के मापदंडो में फेर बदल कर एक एयरपोर्ट पर सप्ताह में 7 से अधिक लैंडिंग टेकऑफ होने पर एयरपोर्ट को अंडर सेर्वेड श्रेणी से बाहर कर दिया है। बिलासपुर एयरपोर्ट में केवल 8 लैंडिंग टेकऑफ है और व्यावहारिक रूप से एक ही फ्लाइट है वैसे हीजगदलपुर में भी केवल एक फ्लाइट संचालित है रायपुर- जगदलपुर- हैदरबाद जिसे दो फ्लाइट गान कर जगदलपुर को भी उड़ान योजना से बाहर कर दिया गया है।हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह को ज्ञापन भेज नागरिक उड्डयन मंत्री से मिलवाने की मांग की है और साथ ही स्थानीय सांसद से भी अपील की है कि इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करते हुए बिलासपुर के साथ किये जा रहे भेदभाव को समाप्त कराये।हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति का महाधरना आज भी जारी रहा और आगमन के क्रम से सर्व श्री बद्री यादव, देवेंद्र सिंह, समीर अहमद, महेश दुबे, मनोज श्रीवास, राकेश शर्मा, रवि बनर्जी, राघवेंद्र सिंह बोगो, कमल सिंह ठाकुर, विजय वर्मा, अनिल गुलहरे, केशव गोरख, दीपक कश्यप, अशोक भंडारी, रशीद बखस, संतोष पीपलवा, मोहसीन अली, नरेश यादव, गोपाल दुबे, चंद्रप्रकाश जायसवाल, अक़ील अली शाहबाज़ अली, और सुदीप श्रीवास्तव शामिल थे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

रखरखाव अनुबंध हेतु निविदा सूचना

निविदा सूचना कामांक: एम-आर-ईटी-23-24-07.

कार्य का नामः रायपुर मंडल यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत विभिन्न डिपो के विद्युत चालित एयर कंप्रेसर का व्यापक अनुरक्षण अनुबंध (सीएमसी) खुली निविदा के माध्यम से 03 वर्ष के लिए। **निविदा लागत(अनुमानित) : ₹ 87,73,377.77. निविदा बंद होने की तिथि: 18.09.2023** के **15.00** बजे।

इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जायेंगे और यदि मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त हुआ तो उसे खारिज कर दिया जाएगा। उपरोक्त कार्य के लिए और अधिक जानकारी, पात्रता मापदंड तथा पूर्ण विवरण के लिए कृपया **वरिष्ठ मंडल यांत्रिकी इंजीनियर (समन्वय)/दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे/रायपुर** के कार्यालय में संपर्क करें या डाउनलोड किए गए निविदा कागजात का संदर्भ लें, जो हमारी वेबसाइटः **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

सहायक मंडल यांत्रिक इंजीनियर(समन्वय)/

पीआर/आर/सीनि.डीएमई/आईपी/119 **रायपुर**

South East Central Railway @secrail

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम हरीश महेंद्र पिता कन्हैया लाल महेंद्र अपना पुराना नाम को बदल कर नया नाम हरीश कुमार महेंद्र पिता कन्हैया लाल महेंद्र निवासी पंचकुटी, मैत्रीकुंज रिसाली, प्रगति नगर, भिलाई, दुर्ग (छ.ग.) 490006 रख लिया हूं। अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम हरीश कुमार महेंद्र पिता कन्हैया लाल महेंद्र से जाना एवं पहचाना जाय।

हरीश कुमार महेंद्र
पंचकुटी, मैत्रीकुंज रिसाली,
प्रगति नगर, भिलाई, दुर्ग
(छ.ग.) 490006

कार्यालय सिटी मिशन प्रबंधन ईकाई नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)
(दीन दयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन)
प्रथम तल, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र भवन, कलेक्ट्रेट परिसर, कोरबा (छ.ग.)
ई–मेलः **cmmu.korba@gmail.com**
क्रमांक/ 2632/ श.वि.अ./ यूआइपीए / दिनांक 24/08/2023

// रूचि की अभिव्यक्ति की सूचना //

महात्मा गांधी अर्बन इंडिस्ट्रीयल पार्क (यू.आई.पी.ए.) अर्थात अर्बन आजीविका पार्क हेतु गोबर पेंट यूनिट संचालन के संबंध में स्वसहायता समूह का चयन किया जाना है।

उक्त कार्य हेतु महिला स्वसहायता समूहों से दिनांक 05/09/2023 तक ई.ओ.आई.स्पीड पोस्ट/ रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जावेगा। ई.ओ.आई. खोलने की तिथि 06/09/2023 समय शाम 5:00 बजे है।

टीपः– विस्तृत नियम एवं शर्तें कार्यालयीन अवधि में कार्यालय के सूचना पटल एवं विभागीय वेबसाईट **www. korbamunicipal.in** में देखी जा सकती है।

आयुक्त,
नगर पालिक निगम,
कोरबा (छ.ग.)

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, KORBA
No. 100/ Prop./ 2023 **Korba, Dated 25.08.2023**

RFP NOTICE

नगर पालिक निगम, कोरबा द्वारा कार्य से संबंधित साफ्टवेयर निर्माताओं / प्रदायकर्ताओं से मेन्युअल आधार पर आर.एफ.पी. आमंत्रित की जाती है :–

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.लाख में)
1.	Software Design, Development & Maintenance of Property Tax Management System.	16.00

RFP No. - 100/ Prop/ 2023 Dated 25.08.2023 (1st Call)
Last Date of Submission - 20.09.2023, up to 3.00 PM
RFP Opening Date - 20.09.2023, 4.00 PM

Add. Commissioner
Municipal Corporation
Korba (C.G.)

छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कार्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर
द्वितीय निविदा ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना (निर्माण प्रकोष्ठ)
Website - www.cgmsc.gov.in

छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम क्षेत्रों में रू. 40.00 लाख तक के भवनों का निर्माण, उन्नयन, मरम्मत एवं विविध कार्य हेतु जोनल दर अनुबंध निविदा– प्रत्येक नगर पालिक निगम हेतु कार्य की निविदा राशि रू. 300 लाख
Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in क्र./1705/ निर्माण/ 2023, दिनांक 25/08/2023

स.क्र.	नि.आ.सू.क्र.	नगर निगम क्षेत्र का नाम	स.क्र.	नि.आ.सू.क्र.	नगर निगम क्षेत्र का नाम
1	8826	दुर्ग	3	8828	भिलाई
2	8827	रिसाली			

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर दिनांक 25/08/2023 से देखी जा सकती है। उपरोक्त कार्यों की निविदा लो.नि.वि. (2015) की दर से आमंत्रण की जा रही है, जिसकी अंतिम तिथि दिनांक 08/09/2023 तक है। निविदा में भाग लेने हेतु अमानत राशि, निविदा प्रक्रिया शुल्क एवं निविदा संबंधित सभी दस्तावेज आनलाईन स्वीकार की जावेगी।

संवाद – 38226/2 **अधीक्षण अभियंता**

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, बिलासपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक/ Q /अ.तह./ वा./ 20..
बिलासपुर, दिनांक 07/08/2023

एतद् द्वारा ग्राम बिरकोना प.ह.नं. 47 रा.नि.मं. बिलासपुर तहसील व जिला बिलासपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक बसंत साहू पिता कन्हैया साहू निवासी ग्राम बिरकोना के द्वारा मौजा बिरकोना तहसील बिलासपुर स्थित शामिल खाते की भूमि खसरा नंबर 725 रकबा 1.06 एकड़ भूमि को बॅटवारा हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज प्रस्तुत करने पर सुनवाई उपरांत हल्का पटवारी से उपरोक्त खाते का भूमि का बॅटवारा फर्द लिया गया।

फर्द बॅटवारा

म.नं.	ख.नं.	रकबा	मूल भूमिस्वामियां का नाम
1	725	1.06	पहारू, तिहारू
		0.429 हे.	पिता स्व.कन्हैया, संतोष, नरेन्द्र, जयंत पिता कन्हैया, लक्ष्मीन, शैलकुमारी, विमलेश पिता कन्हैया, कौशिल्या पिता कन्हैया सा.देह भूमि स्वामी
	ख.नं.	रकबा	पक्षकार का नाम अन्य हस्ता.
	725	1.06	बसंत कुमार साहू
		0.429 हे.	पिता कन्हैया लाल साहू सा. बिरकोना

टीपः- आवेदक- बसंत कुमार साहू का त्रुटिवश नाम जयंत दर्ज है, आवेदक बसंत साहू की मां कौशिल्या का 2009 में मृत्यु होना बताया गया, अतः राजस्व अभिलेख अद्यतन किया जाकर बॅटवारा आदेश पारित किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः प्रतिवेदन अग्रिम कार्यवाही हेतु सादर प्रस्तुत है।

धीरेन्द्र सिंह
प.ह.नं. 47
रा.नि.मं. कोनी

उक्त बॅटवारा में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे स्वतः या अपने अधिवक्ता को न्यायालय में सुनवाई तारीख 13/09/2023 को समय प्रातः 02.00 बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। सुनवाई तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किये जावेंगे।

आज दिनांक 07/08/2023 को मेरे पदमुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी।

सील **अतिरिक्त तहसीलदार बिलासपुर (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर (छ.ग.)

फर्द बंटवारा प्रकाशन

इस न्यायालय के पक्षकार सुशील यादव वगै. विरूद्ध हीराकली यादव ग्राम मंगला तहसील व जिला बिलासपुर में नीचे दिये गये/ संलग्न अनुसार फर्द बंटवारा सूची प्राप्त हुआ है। जिस पर सुनवाई दिनांक 31/08/2023 नियत है। इस संबंध में जिस किसी को आपत्ति/ दावा/ उजर हो वह सुनवाई दिनांक को अधोहस्ताक्षरकर्ता न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि पश्चात प्राप्त आपत्ति उजर मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 14/08/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी की गई।

संलग्न सूची
फर्द बंटवारा

ग्राम- मंगला प.ह.नं. 35 रा.नि.मं. सरकण्डा तहसील एवं जिला बिलासपुर

पक्षकार-1 सुशील पिता स्व. भरतलाल

ख.नं.	रकबा	लगान
433/2 में से	0.2 1/2	--
612/4 में से	0.04 1/2	--
योग- 2	0.07	

पक्षकार- 2 सुशील पिता स्व. भरत लाल

ख.नं.	रकबा	लगान
433/2 में से	0.2 1/2	--
612/4 में से	0.03 1/2	--
योग- 2	0.06	

पक्षकार - 3 अनिल पिता स्व. भरतलाल

ख.नं.	रकबा	लगान
433/2 में से	0.2 1/2	--
612/4 में से	0.02	--
योग- 2	0.04 1/2	--

पक्षकार - 4 राकेश पिता स्व. भरत लाल

ख.नं.	रकबा	लगान
433/2 में से	02 1/2	--
612/4 में से	0.02	--
योग- 2	0.04 1/2	--

पक्षकार- 5 हीराकली पति स्व.भरत लाल

ख.नं.	रकबा	लगान
433/2 में से	0.02	--
योग-1	0.02	

पक्षकार - 6 मोनिका उर्फ रानी पिता- स्व.भरत लाल

ख.नं.	रकबा	लगान
433/2 में से	0.02	--
योग- 1	0.02	--

सील **तहसीलदार बिलासपुर छ.ग.**

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै पुराना नाम पुष्पदन्त पिता मुरारी लाल शर्मा अपना पुराना नाम को बदल कर नया नाम पुष्पदन्त शर्मा पिता मुरारी लाल शर्मा निवासी ई–34, विजयापुरम कॉलोनी, बिलासपुर (छ.ग.) 495001 रख लिया हूं। अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम पुष्पदन्त शर्मा पिता मुरारी लाल शर्मा से जाना एवं पहचाना जाय।

पुष्पदन्त शर्मा
ई–34, विजयापुरम कॉलोनी,
बिलासपुर (छ.ग.) 495001

न्यायालय नायब तहसीलदार (परि.भूमि) सक्ती, जिला–सक्ती (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक/ 2771/ ना.तह./ वाचक/ 2023
सक्ती, दिनांक 24.08.2023
रा.प्र.क्र. अ–2 / 2022–2023
ग्राम कनेटी, तहसील–सक्ती

एतद् द्वारा आम जनता साकिन कनेटी, प.ह.नं. 25, तहसील सक्ती, जिला–सक्ती (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री शिव कुमार साहू पिता मगेश्वर प्रसाद साहू निवासी सक्ती, तहसील व जिला सक्ती (छ.ग.) के द्वारा ग्राम कनेटी, तहसील व जिला सक्ती (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 97/1, 97/3, 104/7 रकबा क्रमशः 0.020, 0.146, 0.113 हेक्टे. भूमि कुल रकबा 0.279 हेक्ट. भूमि को व्यावसायिक (गोदाम बीज उत्पादन) प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने बाबत अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सक्ती के न्यायालय से इस न्यायालय को जॉच प्रतिवेदन हेतु प्रकरण प्राप्त हुआ है।

अतः आवेदक के उक्त भूमि का व्यावसायिक (गोदाम बीज उत्पादन) प्रयोजन व्यपवर्तन किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो वे अपनी आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 08.09.2023 को स्वयं या जरिये अधिवक्ता के द्वारा उपस्थित होकर विधि अनुसार लिखित रूप में पेश कर सकते हैं पेशी दिनांक के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24.08.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

सील **नायब तहसीलदार (परि.भू.) सक्ती**

न्यायालय नायब तहसीलदार (परि.भूमि) सक्ती, जिला–सक्ती (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक/ 2781/ ना.तह./ वाचक/2023
सक्ती, दिनांक 25.08.2023
रा.प्र.क्र. अ–2 / 2022–2023
ग्राम सोंठी, तहसील–सक्ती

एतद् द्वारा आम जनता साकिन सोंठी, प.ह.नं. 16, तहसील सक्ती, जिला–सक्ती (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती सोनिया डनसेना पति घनश्याम डनसेना निवासी ग्राम स्कूल पारा वार्ड नंबर 03 सिंघीतराई, तहसील डभरा, जिला सक्ती (छ.ग.) द्वारा ग्राम सोंठी, तहसील व जिला सक्ती (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 264/18 रकबा 0.04 भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने बाबत अनुविभागीय अधिकारी (रा.)सक्ती के न्यायालय से इस न्यायालय को जांच प्रतिवेदन हेतु प्रकरण प्राप्त हुआ है।

अतः आवेदिका के उक्त भूमि का आवासीय प्रयोजन व्यपवर्तन किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो वे अपनी आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 08.09.2023 को स्वयं या जरिये अधिवक्ता के द्वारा उपस्थित होकर विधि अनुसार लिखित रूप में पेश कर सकते हैं पेशी दिनांक के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25.08.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

सील **नायब तहसीलदार (परि.भू.) सक्ती**

न्यायालय नायब तहसीलदार (परि.भूमि) सक्ती, जिला–सक्ती (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक/ 2785/ ना.तह./ वाचक/ 2023
सक्ती, दिनांक 25.08.2023
रा.प्र.क्र. अ–2 / 2022–2023
ग्राम सोंठी, तहसील–सक्ती

एतद् द्वारा आम जनता साकिन सोंठी, प.ह.नं. 16, तहसील सक्ती, जिला–सक्ती (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सोनिया डनसेना पति घनश्याम डनसेना निवासी ग्राम सिंघरा, तहसील मालखरौदा, जिला सक्ती (छ.ग.) के द्वारा ग्राम सोंठी, तहसील व जिला सक्ती (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 264/19 रकबा 0.04 भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने बाबत अनुविभागीय अधिकारी (रा.)सक्ती के न्यायालय से इस न्यायालय को जांच प्रतिवेदन हेतु प्रकरण प्राप्त हुआ है।

अतः आवेदक के उक्त भूमि का आवासीय प्रयोजन व्यपवर्तन किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो वे अपनी आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 08.09.2023 को स्वयं या जरिये अधिवक्ता के द्वारा उपस्थित होकर विधि अनुसार लिखित रूप में पेश कर सकते हैं पेशी दिनांक के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25.08.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

सील **नायब तहसीलदार (परि.भू.) सक्ती**

न्यायालय नायब तहसीलदार (परि.भूमि) सक्ती, जिला–सक्ती (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक/ 2788/ ना.तह./ वाचक/ 2023
सक्ती, दिनांक 25.08.2023
रा.प्र.क्र. अ–2 / 2022–2023
ग्राम सोंठी, तहसील–सक्ती

एतद् द्वारा आम जनता साकिन सोंठी, प.ह.नं. 16, तहसील सक्ती, जिला–सक्ती (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सुनीता जायसवाल पति मेघनाथ जायसवाल निवासी दर्रीकोरबा, तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.) द्वारा ग्राम सोंठी, तहसील व जिला सक्ती (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 412/8 रकबा 0.04 1/2 भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने बाबत अनुविभागीय अधिकारी (रा.)सक्ती के न्यायालय से इस न्यायालय को जांच प्रतिवेदन हेतु प्रकरण प्राप्त हुआ है।

अतः आवेदक के उक्त भूमि का आवासीय प्रयोजन व्यपवर्तन किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो वे अपनी आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 08.09.2023 को स्वयं या जरिये अधिवक्ता के द्वारा उपस्थित होकर विधि अनुसार लिखित रूप में पेश कर सकते हैं पेशी दिनांक के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25.08.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

सील **नायब तहसीलदार (परि.भू.) सक्ती**

न्यायालय नायब तहसीलदार (परि.भूमि) सक्ती, जिला–सक्ती (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक/ 2767/ ना.तह./ वाचक/ 2023
सक्ती, दिनांक 25.08.2023
रा.प्र.क्र. अ–2 / 2022–2023
ग्राम सोंठी, तहसील–सक्ती

एतद् द्वारा आम जनता साकिन सोंठी, प.ह.नं. 16, तहसील सक्ती, जिला–सक्ती (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री शिव कुमार साहू पिता मगेश्वर प्रसाद साहू निवासी सक्ती, तहसील व जिला सक्ती (छ.ग.) के द्वारा ग्राम सोंठी, तहसील व जिला सक्ती (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 366/6 रकबा 0.02 3/4 एकड़ भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने बाबत अनुविभागीय अधिकारी (रा.)सक्ती के न्यायालय से इस न्यायालय को जांच प्रतिवेदन हेतु प्रकरण प्राप्त हुआ है।

अतः आवेदक के उक्त भूमि का आवासीय प्रयोजन व्यपवर्तन किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो वे अपनी आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 08.09.2023 को स्वयं या जरिये अधिवक्ता के द्वारा उपस्थित होकर विधि अनुसार लिखित रूप में पेश कर सकते हैं पेशी दिनांक के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24.08.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

सील **नायब तहसीलदार (परि.भू.) सक्ती**

न्यायालय नायब तहसीलदार (परि.भूमि) सक्ती, जिला–सक्ती (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक/ 2763/ ना.तह./ वाचक/ 2023
सक्ती, दिनांक 24.08.2023
रा.प्र.क्र. अ–2 / 2022–2023
ग्राम सोंठी, तहसील–सक्ती

एतद् द्वारा आम जनता साकिन सोंठी, प.ह.नं. 16, तहसील सक्ती, जिला–सक्ती (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती ललिता पति भुनेश्वर कुमार साहू निवासी झूलकदम सक्ती, तहसील व जिला सक्ती (छ.ग.) के द्वारा ग्राम सोंठी, तहसील व जिला सक्ती (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 386/13 रकबा 0.04 एकड़ भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने बाबत अनुविभागीय अधिकारी (रा.)सक्ती के न्यायालय से इस न्यायालय को जांच प्रतिवेदन हेतु प्रकरण प्राप्त हुआ है।

अतः आवेदक के उक्त भूमि का आवासीय प्रयोजन व्यपवर्तन किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो वे अपनी आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 08.09.2023 को स्वयं या जरिये अधिवक्ता के द्वारा उपस्थित होकर विधि अनुसार लिखित रूप में पेश कर सकते हैं पेशी दिनांक के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24.08.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

सील **नायब तहसीलदार (परि.भू.) सक्ती**

देश

उवाच

अगर यहां शहरी स्थानीय निकाय, पंचायत व संसद के चुनाव हो सकते हैं, तो जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव क्यों नहीं हो सकते। भाजपा विधानसभा चुनाव कराने से क्यों भाग रही है।

-उमर अब्दुल्ला,नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	35°	27°
मुंबई	28°	27°
कोलकाता	30°	28°
चेन्नई	31°	28°

सहकारी आंदोलन में भ्रष्टाचार को समाप्त करने की क्षमता : ओम बिरला

नई दिल्ली,26 अगस्त (देशबन्धु)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को राजस्थान की गंगापुर सिटी में सहकार किसान

- **लोस अध्यक्ष ने सहकार किसान सम्मेलन को किया संबोधित**
- **लोस अध्यक्ष ने लोगों को ग्राम सहकारी समितियों में भाग लेने के लिए किया प्रोत्साहित**

सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने लोगों से इस विजन को वास्तविकता में बदलने के लिए सहकारी आंदोलन का समर्थन करने का आग्रह किया। बिरला ने कहा कि सहकारी आंदोलन अब वास्तव में जमीनी स्तर का आंदोलन बन चुका है जिसमें भ्रष्टाचार को समाप्त करने, पारदर्शिता बढ़ाने और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने की क्षमता है। उन्होंने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को समारोह में उनकी उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया। यह कार्यक्रम उर्वरक सहकारी संस्था इफको द्वारा आयोजित किया गया था और इस सम्मेलन में केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह तथा अन्य विशिष्टजनों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बिरला ने कृषक समुदाय, विशेषकर महिलाओं को धन्यवाद दिया जो बड़ी संख्या में समारोह में शामिल होने के लिए आए थे। बिरला ने कहा कि सम्मेलन में भाग लेने के लिए आए लोगों के उत्साह से भारत में सहकारी आंदोलन की लोकप्रियता का पता

सहकारी आंदोलन का लक्ष्य बड़े पैमाने पर समाज का विकास : ओम बिरला

चलता है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सहकारी आंदोलन में केवल किसान ही शामिल नहीं हैं, बल्कि इसमें मजदूर, कर्मचारी, महिलाएं आदि भी शामिल हैं जो एक समान लक्ष्य के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। बिरला ने बताया कि सहकारी आंदोलन का लक्ष्य न केवल किसानों का विकास है, बल्कि बड़े पैमाने पर समाज का विकास भी है। इस आंदोलन से बिना ब्याज के ऋण तथा नैनो उर्वरकों के उपयोग और विकास जैसे विभिन्न प्रयासों के माध्यम से बड़े वित्तीय संस्थानों पर निर्भरता कम होने के साथ ही हमारी आयात देनदारियां कम हुई हैं और ग्रामीण भारत में आर्थिक पुनरुत्थान हुआ है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोगों को ग्राम सहकारी समितियों में पूरे उत्साह के साथ भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि यह कृषि पद्धतियों, बीजों, उर्वरकों के साथ-साथ वित्तीय

नई नीतिगत पहलों से सहकारी क्षेत्र पुनर्जीवित हुआ : लोस अध्यक्ष

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सहकारिता के लिए एक अलग मंत्रालय की स्थापना और मंत्रालय द्वारा हाल ही में की गई नीतिगत पहलों से भारत में सहकारी क्षेत्र पुनर्जीवित और मजबूत हुआ है। बिरला ने यह भी कहा कि सहकारी आंदोलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित आत्मनिर्भर भारत का सच्चा रूप है। उन्होंने ऑपरेशन फ्लड की सफलता का उदाहरण देते हुए कहा कि इस अभियान से भारत में अमूल जैसे सबसे सफल सहकारी संस्था की स्थापना हुई। उन्होंने यह भी कहा कि हमें ऐसी पहलों से प्रेरणा लेनी चाहिए और उन्हें हर गांव में दोहराना चाहिए। उनका मानना था कि सहकारी आंदोलन की सफलता सबसे दूर स्थानों के अंतिम किसान को लाभ पहुंचाने में निहित है।

सहायता आदि के बारे में जानकारी के प्रसार का एक उत्कृष्ट माध्यम है। बिरला ने एक ऐसे नए भारत के विजन की बात की जिसमें प्रत्येक गांव की अपनी खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां होंगी ताकि दूर के इलाकों में उगाए जाने वाले खाद्यान्नों को उसी दिन बड़े शहरों या शहरी क्षेत्रों में पहुंचाया जा सके। इस अवसर पर कई संसद सदस्य, इफको के पदाधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बंगाल के जलपाईगुड़ी में बाढ़ जैसे हालात

कोलकाता, 26 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी में मूसलाधार बारिश के बाद तीस्ता और कराला नदियों का जलस्तर बढ़ने के बाद बाढ़ जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, जिससे शहर में घरों और अन्य जगहों में पानी भर गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सबसे ज्यादा प्रभावित वार्ड नंबर 25 के अंतर्गत पारस मित्रा कॉलोनी के निचले इलाके हैं, जहां कई लोग विस्थापित हो गए हैं क्योंकि उनके घरों में नदी का पानी भर गया है। जलपाईगुड़ी नगर पालिका के अध्यक्ष स्वरूप मंडल के नेतृत्व में एक बचाव दल ने बचाव अभियान शुरू कर दिया है और प्रभावित लोगों को सूखे इलाकों में ले जाया है।

शहर में घुसने लगा नदी का पानी

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों के दौरान भारी और लगातार बारिश के कारण दोनों नदियों में जल स्तर बढ़ गया है। वार्ड नंबर 25 की पार्षद पौषाली दास ने पुष्टि की, कि करीब 350 परिवार प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को बाढ़ आश्रय स्थलों या अन्य क्षेत्रों में दोस्तों या रिश्तेदारों के घरों में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके अलावा कई मवेशी भी प्रभावित हुए हैं। हम यथासंभव अस्थायी आश्रय और भोजन प्रदान करके उन्हें बचाने और उनकी मदद करने का प्रयास कर रहे हैं। इस बीच, नदी का पानी बढ़ने से वार्ड नंबर 1 और 3 के कुछ हिस्सों में भी बाढ़ आ गई है। प्रशासनिक बिल्डिंग और जलपाईगुड़ी जिला अस्पताल के सामने के इलाकों में भी भारी जलजमाव देखा जा रहा है, जिससे मरीजों और उनके परिवार के सदस्यों को भारी परेशानी हो रही है।

जम्मू-कश्मीर में भूमिहीन योजना पूर तरह रहस्य में डूबी : पीडीपी

जम्मू कश्मीर,26 अगस्त (देशबन्धु)। कश्मीर में विपक्षी पार्टियों ने प्रशासन की भूमिहीन योजना के पात्र लाभार्थियों पर स्पष्टता की मांग करते हुए कहा कि अधिवास का अधिकार केवल प्रदेश के स्थायी निवासियों को दिया जाना चाहिए। जम्मू और कश्मीर प्रशासन ने भूमिहीन लोगों को पट्टे के आधार पर भूमि के आबंटन को मंजूरी दे दी है। केवल केंद्र शासित प्रदेश के निवासी ही इस योजना के लिए पात्र हैं। राजस्व विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के एक सेट में, प्रशासन ने भूमिहीन पीएमएवाई (जी)/ आवास प्लस लाभार्थियों के पक्ष में पट्टे के आधार पर पांच मरला राज्य भूमि के आवंटन को मंजूरी दे दी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के मुख्य प्रवक्ता सुहैल बुखारी ने योजना के इरादों और निहितार्थों के संबंध में प्रशासन से अधिक पारदर्शिता का आह्वान किया। उन्होंने कहा, यह पूरी नीति रहस्य में डूबी हुई है। जो आवश्यक जानकारी आनी चाहिए थी, वह लोगों से दूर है। प्रारंभ में प्रशासन ने बताया कि दो लाख भूमिहीन परिवार थे। बाद में उन्होंने स्वीकार किया कि संख्या कम थी। अब दिशा निर्देश जारी किए तो कहा कि इस योजना की पात्रता जम्मू और कश्मीर का अधिवास होगा। हम जानते हैं कि प्रशासन ने कई ऐसे लोगों को अधिवास प्रमाण पत्र जारी किए हैं, जो मूलरूप से जम्मू और कश्मीर के निवासी नहीं हैं। प्रशासन बताएं कि अब तक कितने अधिवास प्रमाण पत्र

- **भूमिहीनों को जमीन मामले पर विपक्षी पार्टियों ने लाभार्थियों पर सरकार से मांगी स्पष्टता**
- **योजना के इरादों के संबंध में प्रशासन से अधिक पारदर्शिता का किया आह्वान**

जारी किए गए हैं, उनमें से कितने जम्मू-कश्मीर के हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक ने कहा कि यह योजना खराब नहीं है, लेकिन निर्णय निर्वाचित सरकार पर छोड़ देना चाहिए था।

ऐसे निर्णय निर्वाचित सरकार द्वारा लिए जाते हैं। सबसे महत्वपूर्ण सवाल जो लोग पूछ रहे हैं वह यह है कि क्या ये लाभार्थी अगस्त 2019 (जब अनुच्छेद 370 को निरस्त किया गया) से पहले के निवासी हैं या उसके बाद के। अगर यह बाद की बात है, तो यह पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठाता है। सीपीआई (एम) नेता एमवाई तारिगामी ने कहा कि कई राजनीतिक दलों ने मांग की है कि अधिवास का अधिकार केवल स्थायी निवासियों को दिया जाना चाहिए।

सार संक्षेप

बारामूला में आरएंडबी इंजीनियर लापता

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार के सड़क एवं भवन (आर-बी) विभाग का एक इंजीनियर गत शुक्रवार दोपहर बारामूला जिले से लापता हो गया है। सूत्रों ने बताया कि आरएंडबी विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर गुरुमीत सिंह शुक्रवार को बारामूला शहर में कुछ आधिकारिक बैठक में भाग लेने गए थे, लेकिन शाम को अपने घर वापस रिपोर्ट करने में विफल रहे। लापता इंजीनियर के परिवार ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई और उसके बाद, पुलिस द्वारा इंजीनियर का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया।

ममता ने तमिलनाडु ट्रेन दुर्घटना पर जताया शोक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को तमिलनाडु के मदुरै में ट्रेन में आग लगने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने भारतीय रेलवे से मानव जीवन के प्रति अधिक सतर्क और कम कठोर रहने का आग्रह किया। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर कहा, इस बार शनिवार को मदुरै (तमिलनाडु) में रेलवे की एक और विनाशकारी घटना हुई, जिसमें ट्रेन के एक कोच में भीषण आग लग गई और कम से कम नौ लोगों की मौत हो गयी। इस हादसे में कम से कम 2 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने कहा कि मैं मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के लिए प्रार्थना करती हूं, मुझे उम्मीद है कि जांच के बाद जल्द ही जिम्मेदार व्यक्ति का पता चल जाएगा।

बिहार में अदालत परिसर में चली गोली, दो कैदी घायल

समस्तीपुर। बिहार के समस्तीपुर न्यायालय परिसर में शनिवार को अज्ञात अपराधियों ने गोलीबारी कर दी। इस घटना में दो अपराधी घायल हो गए और एक पुलिसकर्मी को भी हल्की चोट लगने की सूचना है। अदालत परिसर में फायरिंग से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस के अनुसार, चार अपराधी पैदल ही अदालत परिसर में आए और शराब माफिया रहे प्रभात चौधरी को निशाना बनाकर गोली चला दी।

मप्र में मिनी ट्रक पलटने से चार लोगों की मौत

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के नरवर थाना क्षेत्र में शनिवार तड़के एक मिनी ट्रक के अनियंत्रित होकर पलट जाने से उसमें सवार चार लोगों की मृत्यु हो गई। मिनी ट्रक में सवार लोग भैंस खरीदकर ले जा रहे थे। दुर्घटना में मिनी ट्रक में सवार चार भैंसों की भी मृत्यु हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार तड़के धौलपुर पुरानी क्षेत्र के कुछ लोग शिवपुरी जिले के नरवर क्षेत्र से भैंस खरीद कर मिनी ट्रक से धौलपुर ले जा रहे थे।

बिहार सरकार ने मंत्रियों के निजी सचिवों के पर कतरे

पटना, 26 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने मंत्रियों के निजी सचिवों के रूप में काम कर रहे लोगों को सलाह दी है कि वे विभागों के कामकाज से संवाद करने से बचे तथा कहा गया है कि स्वयं को मंत्री के गैर-सरकारी कार्यों तक ही सीमित रखें। बिहार के मुख्य सचिव आमिर सुबहानी ने सभी विभागों के मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव और सचिव को पत्र भेजकर यह कहा है कि मंत्रियों के आप्त सचिव (सरकारी) एवं आप्त सचिव (वाह्य) के कार्यों के आवंटन से संबंधित स्पष्ट आदेश निर्गत नहीं हैं, जिससे इनके कर्तव्यों के निर्धारण से संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। पत्र में कहा गया है कि सरकारी आप्त सचिव प्रशासनिक सेवाओं के पदाधिकारी होते हैं। उन्हें सरकारी नियमों, प्रक्रियाओं आदि की विस्तृत जानकारी एवं कार्यानुभव होता है। ऐसे में यह निर्णय लिया गया है कि मंत्रियों के आप्त सचिव (सरकारी) के द्वारा सरकारी संचिकाओं से संबंधी कार्य, मंत्री के आदेशानुसार सरकार के पदाधिकारियों से पत्राचार संबंधी कार्य एवं मंत्री द्वारा सौंपे गये अन्य सरकारी कार्य किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त आप्त सचिव (वाह्य) का पूर्वानुभव एवं ज्ञान सरकारी आप्त सचिव से भिन्न होने के कारण वे मंत्री के यात्रा, भ्रमण कार्यक्रम से संबंधित कार्य, गैर-सरकारी एवं सामान्य जन से साक्षात्कार के समय निर्धारण सहित अन्य कार्य एवं मंत्री द्वारा सौंपे गए अन्य गैर-सरकारी कार्य करेंगे।

- **अधिकारियों से लिखित-मौखिक संवाद करने से बचने के निर्देश**

एलएसी विवाद पर कांग्रेस का मोदी सरकार पर आरोप

भारत-चीन के बीच पीछे हटने का कोई जिक्र नहीं

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने शनिवार को कहा कि चीन की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिंगपिंग की बैठक को लेकर जारी बयान में डिसइंगेजमेंट का कोई जिक्र नहीं है। उन्होंने यह भी पूछा कि अगर कोई डिसइंगेजमेंट हो रहा है तो वह किसकी शर्तों पर हो रहा है। लोकसभा सांसद मनीष तिवारी ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि यह दिलचस्प होता कि चीनी पक्ष कहता कि पीएमओ और राष्ट्रपति शी जिंगपिंग की बैठक हुई, जिसमें सैनिकों की वापसी का कोई जिक्र नहीं हुआ। इसके बदले यह कहा गया कि भारत के अनुरोध पर आयोजित बैठक में दोनों पक्षों को अपने द्विपक्षीय संबंधों के समग्र हितों को ध्यान में रखने और सीमा मुद्दे को ठीक से संभालने पर चर्चा हुई, ताकि सीमा क्षेत्र में शांति की रक्षा की जा सके। उन्होंने कहा कि भारत की स्थिति मोदी और शी अपने संबंधित अधिकारियों को सैनिकों की शीघ्र वापसी और तनाव कम करने

दो विवरण उतने ही अलग हैं, जितनी की चॉक और चीज : मनीष तिवारी

के प्रयासों को तेज करने का निर्देश देने पर सहमत हुए। पूर्व केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री मनीष तिवारी ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, दो विवरण उतने ही अलग हैं, जितनी कि चॉक और चीज। यदि कुछ हो रहा है तो किसकी शर्तों पर हो रहा है। क्या भारत अब 1959 की चीनी दावा रेखा को स्वीकार करने को तैयार है। संबंधों को सामान्य बनाने के लिए अप्रैल 2020 से पहले की यथास्थिति बहाल करने की भारत की स्थिति का क्या हुआ? अप्रैल 2020 से चीनी कब्जे के तहत 2,000 वर्ग किमी

पूर्वी लद्दाख में कुछ जगहों पर गतिरोध बरकरार

बता दें 14 अगस्त को भारतीय सेना और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के बीच कोर कमांडर स्तर की 19वें दौर की वार्ता हुई। बातचीत के दौरान पूर्वी लद्दाख में तनाव वाले इलाके में सैनिकों को पीछे हटाने और तनाव कम करने पर चर्चा हुई। भारत की ओर से देपसांग और डेमचोक इलाके पर चर्चा की गई। पूर्वी लद्दाख में कुछ जगहों पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच गतिरोध बना हुआ है। पिछले तीन साल से भारत और चीन की सेनाओं के बीच टकराव चल रहा है। हालांकि, इस दौरान दोनों पक्षों ने व्यापक कूटनीतिक और सैन्य वार्ता के बाद कई क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी सुनिश्चित की है। इसके बावजूद देपसांग और डेमचोक में तनाव है।

भारतीय क्षेत्र का क्या होगा। उन्होंने पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के विदेश मंत्रालय के रीड आउट के लिंक को भी अटैच करते हुए अपनी टिप्पणी की। दरअसल, 24 अगस्त को जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर मीडिया को जानकारी देने के दौरान जब विदेश सचिव विनय क्वात्रा से मोदी-शी के बीच बातचीत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि दोनों नेता संबंधित अधिकारियों को शीघ्र विघटन और तनाव कम करने के प्रयासों को तेज करने के निर्देश देने पर सहमत हुए। विनय क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने रेखांकित किया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखना और एलएसी का सम्मान करना भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए जरूरी है। विदेश सचिव ने आगे बताया कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने एलएसी पर अनसुलझे मुद्दों पर भारत की चिंताओं पर प्रकाश डाला। विनय क्वात्रा ने संवाददाताओं से कहा कि यह ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर हुई बातचीत थी, जहां पीएम मोदी ने एलएसी तनाव के बारे में बात की।

अल्लू अर्जुन ने उच्च स्तरीय अभिनय से जीता देश-विदेश का दिल : केसीआर

हैदराबाद,26 अगस्त (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने देश में निर्मित सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वाली फिल्मों के लिए केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में घोषित 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में तेलुगु फिल्मों द्वारा कई पुरस्कार जीतने पर प्रसन्नता व्यक्त की। केसीआर ने टॉलीवुड के आइकन स्टार अल्लू अर्जुन को बधाई दी, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। यह गर्व का क्षण है कि किसी तेलुगु नायक ने पिछले 60 वर्षों में पहली बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता। अल्लू अर्जुन अपनी ब्लॉकबस्टर एक्शन फिल्म पुष्पा के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता की श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाले पहले तेलुगु अभिनेता बन गए। अल्लू अर्जुन ने कई फिल्मों में नायक के रूप में अपने उच्च स्तरीय अभिनय से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सीएम ने कहा कि अल्लू अर्जुन ने अपने दादा और महान अभिनेता अल्लू रामलिंगैया की विरासत को जारी रखा और प्रसिद्ध तेलुगु अभिनेता चिरंजीवी की प्रेरणा से अपने दम पर एक महान अभिनेता के रूप में उभरे। इसी मौके पर सीएम केसीआर ने अपने रचनात्मक लेखन से तेलुगु फिल्म गीत के बोलों को वैश्विक पहचान दिलाने वाले ऑस्कर पुरस्कार विजेता चंद्र बोस को सर्वश्रेष्ठ फिल्म गीत का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर खुशी व्यक्त की। सीएम केसीआर ने चंद्र बोस को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक देवी प्रसाद, सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक कालभैरव, सर्वश्रेष्ठ फिल्म समीक्षक पुरुषोत्तमाचार्य और कई फिल्मों के निर्माताओं, निर्देशकों, अभिनेताओं और तकनीकी कर्मचारियों को भी बधाई दी, जिन्होंने अपनी-अपनी श्रेणियों में राष्ट्रीय पुरस्कार जीते।

- **तेलुगु फिल्मों द्वारा कई पुरस्कार जीतने पर जताई खुशी**

जेयू ने आंतरिक रिपोर्ट में माना, रैगिंग से हुई फ्रेशर की मौत

कोलकाता, 26 अगस्त (एजेंसियां)। रैगिंग के कारण 10 अगस्त को कोलकाता के प्रतिष्ठित जादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) के एक नए छात्र की मौत हो गई। यह बात विश्वविद्यालय की आंतरिक जांच समिति ने अपनी जांच रिपोर्ट में कही है। हालाकि, आंतरिक जांच समिति द्वारा शुक्रवार शाम को जेयू के अंतरिम उपाध्यक्ष के कार्यालय को सौंपी गई रिपोर्ट में उन परिस्थितियों के बारे में कोई उल्लेख नहीं किया गया जो घटना का कारण बनीं। आंतरिक जांच रिपोर्ट में केवल यह बताया गया है कि घटना के पहले छात्र मानसिक दबाव में था। इसने यह भी स्वीकार किया है कि विवि परिसर में इसके पहले भी रैगिंग की घटनाएं हुई थीं, लेकिन ऐसी घटना नहीं हुई थी। आंतरिक रिपोर्ट इस बात पर भी चुप है कि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र महीनों बाद भी छात्रावास पर कब्जा क्यों किए रहते हैं। मामले में जेयू के गणित में स्नातकोत्तर के पूर्व छात्र, सौरव चौधरी को सबसे पहले गिरफ्तार किया गया था। जेयू के अंदरूनी सूत्रों का एक वर्ग स्वीकार करता है कि विश्वविद्यालय की अपनी जांच समिति की आंतरिक रिपोर्ट प्रशासनिक अक्षमता को स्वीकार करता है, जिसके कारण अप्रिय घटनाएं हो जाती हैं।

- **चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर शाह ने इसरो वैज्ञानिकों को दी बधाई**

इसरो वैज्ञानिकों ने समय की रेत पर छोड़ी एक अमिट छाप : शाह

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर भारतीय अंतरिक्ष एवं अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने समय की रेत पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

अमित शाह ने शनिवार को अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, भारत के चंद्र मिशन की ऐतिहासिक सफलता के साथ, हमारे वैज्ञानिकों ने समय की रेत पर एक अमिट छाप छोड़ी है। इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान -3 के लैंडिंग स्थल को शिवशक्ति और जिस स्थान पर चंद्रयान-2 गिरा था, उसे तिरंगा नाम दिया, ताकि हमें याद दिलाया जा सके कि कोई भी विफलता स्थायी नहीं होती। दूसरी तरफ प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के लिए किए गए प्रयासों का

वर्णन करते हुए शनिवार को कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों ने प्रयोग के लिए कार्यस्थल पर एक आर्टिफिशियल (कृत्रिम) चंद्रमा बनाया था। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग को लेकर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह चाहते थे कि लोग जानें कि वैज्ञानिकों ने सफलता हासिल करने के लिए क्या प्रयास किए हैं। लोगों को यह पता होना चाहिए।

चिंता *कर्नाटक व केरल के कावेरी घाटी क्षेत्र में खराब दक्षिण-पश्चिम मानसून ने बढ़ाई मुश्किलें*

बेंगलुरु में पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना बड़ी चुनौती

बेंगलुरु, 26 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के लिए कावेरी विवाद को संभालना एक झटका साबित हो सकता है। एक के बाद एक अपनी गारंटी योजनाओं के कार्यान्वयन के बाद पार्टी सातवें आसमान पर है। लेकिन, उन्हें दक्षिण कर्नाटक क्षेत्र में कावेरी जलग्रहण क्षेत्र में विरोध का सामना करना पड़ रहा है। जहां कर्नाटक और केरल।

के कावेरी घाटी क्षेत्र में दक्षिण पश्चिम मानसून की विफलता के कारण जल वर्ष 2023-24 एक कठिन साल साबित हुआ, वहीं आने वाले दिनों में राज्य सरकार के सामने एक कठिन काम है। जलाशयों में जल भंडारण की कमी के कारण, आने वाले दिनों में आईटी राजधानी बेंगलुरु शहर में पीने के पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती होने जा रही है। वहीं, कांग्रेस सरकार द्वारा इस संबंध

- **जलाशयों में जल भंडारण की कमी बनी बड़ी समस्या**

में आयोजित सर्वदलीय बैठक में आम आदमी पार्टी (आप) को आमंत्रित करने की जहमत नहीं उठाने से इंडियन नेशनल डेवेलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) पर असर पड़ने की संभावना है, क्योंकि आप का केंद्रीय नेतृत्व इस मामले को गंभीरता से ले रहा है। दक्षिण कर्नाटक क्षेत्र, विशेष रूप से मांड्या, मैसूरु, चामराजनगर और हसन जिले, जिन्हें वोक्कालिगा गढ़ के रूप में भी जाना जाता है, ने जद (एस) के मुकाबले कांग्रेस के उम्मीदवारों को चुना क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने 30 वर्षों के बाद उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को पार्टी के चेहरे के रूप में पेश किया था। जल विवाद पर कांग्रेस सरकार के नरम रुख और देरी से प्रतिक्रिया ने लोगों को नाराज कर दिया है।

शिवकुमार, जो जल संसाधन मंत्रालय भी संभालते हैं और आक्रामकता के लिए जाने जाते हैं, ने रक्षात्मक रुख अपनाया। कावेरी जलग्रहण क्षेत्र में मानसून की विफलता के बाद भी, कर्नाटक सरकार सोती रही और तमिलनाडु द्वारा अपनी खड़ी कुरुवाई फसल के लिए पानी जारी करने के लिए कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण (सीडब्ल्यूडीटी) से संपर्क करने के बाद ही जागी। यहां तक कि जब तमिलनाडु के प्रतिनिधि आदेश को मानने से इनकार करते हुए बैठक से बाहर चले गए और सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिका दायर करने और तीन-न्यायाधीशों की पीठ का गठन करने में सफल रहे, तो कर्नाटक ने बाद में जल्दबाजी में एक सर्वदलीय बैठक बुलाई और एक याचिका दायर की। विशेषज्ञों का मानना है कि कर्नाटक, जिसने अब तक पानी छोड़ा है, सुप्रीम कोर्ट की पीठ के आदेश देने के बाद संभवत: उसे और अधिक पानी छोड़ना होगा। आप की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष मुख्यमंत्री चंद्रू के सरकार को कानूनी सहायता की पेशकश करने वाले पत्र का जवाब नहीं देने और सर्वदलीय बैठक के लिए आप को आमंत्रित नहीं करना, कांग्रेस सरकार को महंगा पड़ने की संभावना है।

हाना

दूध अउ दुहनी दुनो गय।
दू ठन नुकसान होय ले ये हाना ल केहे जाथे। दुहनी दूध रखने के मटकी अउ दूध दूनों के नुकसान होगे। वस्तु अउ धन दूनो गय।

शब्द अरथ

1. चिपचिपहा- पसीना, धूल धुआं या आंखी के मैल के कारण दृष्टि के धुंधलाने जैसा, चिपचिपा युक्त, लसदार।
2. चिपचिपाना- अधिक जागरण या थकावट के कारण नींद आने के कारण चिपचिपा लगना
3. चिपचिपाल- पसीना, धूल, धुआं या आंख के मैल के कारण दृष्टि धुंधलाया हुआ। चिपचिपाहटपन लिया हुआ
4. चिपचिपासी- अधिक जागरण या थकावट के कारण नींद लगने की क्रिया या भाव। पसीना, धूल, धुआं या आंख के मैल के कारण दृष्टि मिचमिचाने की क्रिया या भाव।
5. चिपटइया- पुड़िया बनाने वाला, संचित करने वाला।
6. चिपटई- पुड़िया बनाने या संचित करने की क्रिया या भाव
7. चिपटउनी- पुड़िया बनाने यांचित करने अथवा करवाने का खर्च या पारिश्रमिक
8. चिपटना-पुड़िया बनाना, संचित करना।
9. चिपटल- पुड़िया बना हुआ, संचित किया हुआ
10. चिपटहा- चिपटल।

आस्था ऊपर चोट आदिपुरुष

बालीवुड म कोई न कोई फिल्म ऊपर बवाल होते रहिथे। कभू गाना ल ले के त कभू पहनावा या कपड़ा ल ले के कुछ न कुछ चलत रहिथे।

अभी एक फिल्म आये रहिसे 'आदिपुरुष'। ये ह रामायण ऊपर बनाये गे हावय। गुलशन कुमार के प्रोडक्शन म बने फिल्म आश्चर्य ले भरे हावय। ओ गुलशन कुमार जेखर धार्मिक भजन आवय विडियो बनय। येखर बैनर म एक कार्टून तरह के फिल्म बना के पूरा रामायण ल मजाक बनाना बहुत ही आश्चर्य म डार दे हावय।

सब दृश्य मन ल कम्प्यूटर ले बनाये गे हावय। 'प्रभास' दक्षिण के हीरो आये। ये ह बाहुबली के हीरो रहिस हे। ये फिल्म में राम के रुप म बाहुबली के ही आभास देवाथे। कभू लगथे के ये दक्षिण भारत के फिल्म आये। ये ह कोनो मेर ले रामकथा नइ लगय। फिल्मीकरण भी सही तरिका ले नइ होय हावय।

राम लड़ाई राक्षस मन ले होथे तब बहुत अकन आत्मा मन आकाश म आ जथे, आत्मा मन घलो लड़थें। ये कल्पना के कहानी आये। सैफ अली रावण के रुप म ठीक हावय। फेर ओखर राम के लड़ाई राक्षस मन ले होथे तब बहुत अकन आत्मा मन आ जथें। ओमन भी लड़ाई करथें। रावन के लंका तो कोयला के या फेर मैग्नीज के खदान असन लागथे। पूरा करिया हावय। सोना के पीला रंग तो दिखबे नइ करय। ये फिल्म ह न तो लइकामन बर आये अउ न बड़े मन बर आये, येला तो कार्टून बना देतिस त ज्यादा अच्छा होतिस ।

रावण जब सीता हरण करथे तब सीता ह रावण के पाछू-पाछू उड़त जाथे। पुष्पक विमान के पता नइये। ये विमान आज भी हमर विज्ञान के विकास के कहिनी बताथे। बाद म रावण ह चमगादड़ ऊपर म बइठे रहिथे अउ सीता ल बांध के ओखर पीठ म सुताये रहिथे। वानर के साथ म चिंपाजी भी दिखाये गे हावय।

राघव अउ जानकी नाम रख के रामायण के राम-सीता के स्वरुप ल बदल दे गे हावय। कहिनी तो उही हावय फेर जगह, पहनावा, दृश्य मन ल बदल दे गे हावय। हनुमान ले जब मिलथे तब गणित के सवाल पूछथे। ये जगह पूरा कार्टून लगथे। एक जगह लकड़ी के लिफ्ट घलो दिखाये गे हावय। बारुद के उपयोग दिखाये गे हावय तोप के गोला छोड़े जाथे। राम-रावण के लड़ाई म मुखौटा लगा के लड़थें। हवा म मनखे मन उड़त रहिथें।

धर्म या धार्मिक कथा के मजाक बनावत सिनेमा

धर्म या धार्मिक कथा के मजाक बनावत सिनेमा ल सेंसर बोर्ड पास कइसे कर दिस। का उंहा राम कथा ल जानने वाला कोई नइ रहिस हे। आज जब राम मंदिर बनत हे। राम के स्वरूप के फोटो कम्प्यूटर ले निकाले गे हावय। पुष्पक विमान के सत्यता के बात उठत हावय। राम सेतु के सत्यता ऊपर मोहर लगगे हावय। ओ समय म राम कथा के विरुद्ध बहुत ही गंदा तरीका ले राम कथा ल प्रस्तुत करेगे हावय। येखर विरोध होना चाही। आगे से धार्मिक कथा ऊपर फिल्म बनाये ऊपर बैन लगा देना चाही।

ये फिल्म सबके दिमाग म काये असर करही। धर्म या फेर धार्मिक कथा के मजाक बनाना ही ये फिल्म के उद्देश्य आये। पूरा के पूरा रामायण के कथा ल बदल देना का उचित हे? आज के युवा पीढ़ी येला देख के काय धारणा बनाही। रामायण के कहिनी ले अलग एक कहिनी ल देख के काये सोचही। सही गलत के फैसला कइसे करही। आम मनखे बर तो बहुत ही झटका लगने वाला सिनेमा आये जेन ल तुरंत बंद कर देना चाही।

सुधा वर्मा

रक्षा बंधन

समारू के देश के राजा हा निसंतान रहय। ओहा समारू अऊ ओकर बहिनी के वीरता ले प्रभावित रिहिस। समारू ल राजपाठ सौंप के सन्यास ले लिस। राजा समारू ह बहिनी के सुरता म .. हरेक बछर सावन के आखरी दिन गांव के बहिनी माई के हाथ ले धागा बंधवाय। धीरे-धीरे हरेक भाई मन के कलाई म बहिनी के हाथ ले उही दिन ले धागा बंधवाय के परम्परा बनगे। धागा हा भाई-बहिनी के प्रेम के बीच रक्षा के प्रतीक बन गिस।

मंगलू नाव के एक झन मनखे हा मंडल घर नौकर लगय। बात तइहा तइहा के आय। ओकर दू झन औलाद रिहिस। एक झन बेटा अऊ एके झन बेटी। घर म जमा पूंजी भले नइ रहय फेर एको बेर खाय बर लाला थापा करे बर नइ लागय। बेटा समारू अऊ बेटी रमौतिन हा देखते देखत बाढ़े लगिस। बेटा हा ददा कस बलकरहा रिहिस। ओहा सियान होवत ददा ला बुता करे बर छेंके लगिस अऊ खुद मंडल के घर म नौकर लगे के मन बना डरिस। एती नोनी रमौतिन हा घला सग्यान होवत रहय ओकरो बर बिहाव बर सगा सोदर उतरे लगिस। मंगलू हा दुनों के बिहाव निपटाय के पाछू बुता काम ला तिरोहित करके मंगली संग तीरथ बरथ के योजना बनावत रहय। ओकर तिर चार काठा के धनहा अऊ नानुक बारी बखरी के अलावा अपन झोपड़ी से लगे बियारा भर रहय। नौकर तिर अऊ कतेक रइहि गा तेमा? अइसन म बने घर के छोकरी कइसे मिलही? घर म पूंजी के नाव म मंगली तिर सांटी करधन अऊ सूता रहय बपरी हा बेटी ला बिहाव म देना हे सोंच-सोंच के संदूक ले बाहिर केवल देखे बर निकालय। बने घर ले बहू पाय बर अपन बेटा समारू ला राज सैनिक बन जाय के इच्छा जाहिर करिस।

उंकर देश राज ह बहुत समृद्ध रहय तेकर सेती परोसी देश केआँखी म गड़य । परोसी हा इँकर देश राज ला अपन म मिलाय बर हमला के तैयारी करे लगिस। इंहा के राजा ला पता चलि। ओ समे काकरो तिर स्थायी सेना के संख्या बल बहुत कम रहय उंकर संख्या बल म काकरो हमला के सामना सम्भव नइ रहय। तेकर सेती जब अइसन स्थिति आवय तब अपन राज के एक घर के एक जवान छोकरा ला लकर-धकर भर्ती कर डरय अऊ आठ दस दिन के प्रशिक्षण म लड़े लइक अस्थायी सेना के निर्माण कर डरय। परोसी के विरोधी गतिविधि जान समझ राजा हा देश के जवान मन ला बलइस। मारो-मारो खेती किसानी के दिन रहय। बतर बियासी के समे रहय। कोन आही? तब राजा हा हरेक घर ले एक जवान ला सेना म भरती होय खातिर फरमान जारी कर दिस।

कहिनी

मंगलू के चाह पूरा होवत दिखे लगिस। बेटा समारू ला घला देश के सेवा करे बर खंधो डरे रिहिस। समारू के इच्छा तो देश सेवा के जरूर रिहिस फेर ओकर मन म बात ये रिहिस के अपन घर के ओहा अकेल्ला बेटा आय। लड़ई म मर जाहि त दाई-ददा के सेवा कोन करही अऊ सग्यान होवत बहिनी के बिहाव घला कइसे होही? बपरा हा असमंजस म परे रिहिस। राज फरमान ह ददा के इच्छा ला मजबूती दिस। एती रमौतिन हा भाई ला ओकर लहुटत ले दाई-ददा के सेवा करे के विश्वास देवावत भाई ल देश सेवा म जाय बर खुशी-खुशी राजी कर डरिस।

बिहिनियां ले समारू ह राजकीय सेना म भर्ती होय बर तैयार होय लगिस। बेटा ह सैनिक बनके सेवा करय ये इच्छा हा दाई-ददा के मन म जरूर रिहिस फेर रहि-रहि के मन के कोना म अज्ञात भय घला पदोवत रिहिस। केऊ बेर लगय को जनि बेटा लहुट के आही या निहि? बेटी घला समझदार हो चुके रिहिस। दाई-ददा के मन ल पढ़ डरिस। दाई-ददा ला प्रेम से समझावत किहिस के बिदाई के बेर रोना गाना नइहे। हमर भाई हा उद्दे जाहि उद्दे लहुटही। जम्मो झन मन ला कठोर करके बिदा के आरती उतारे लगिन। सावन महिना के आखरी दिन झोर-झोर के पानी गिरत रहय। जाय के बेर भाई किथे- तुमन फिकर झन करहू में बहुत जल्दी सकुशल वापिस लहुटहूं। रमौतिन ह भाई के जेवनी हाथ म धागा बांधे लगिस। भाई पूछिस- ये काय या रमौतिन? बहिनी किथे- तोर रक्षा के गारंटी बर मोर बंधन आय भइया। भाई हाँसत किथे- धागा हा मोर काय रक्षा करही पगली? बहिनी किथे- करही भाई। तोरो रक्षा करही अऊ हमरो लाज बचाही। तोला घर वापिस आय के सुरता घला इही धागा हा देवाही। गला भरभरागे कुछ कहि नइ सकिस। भाई चल दिस।

लघियात लड़ई शुरू होगे। समारू हा ताकतवार तो रहिस हे। ऊपर से होनहार घला। हथियार चलाय के दू दिन के प्रशिक्षण म निपुणता हासिल होगे। सेना के नवजवान टुकड़ी के जुम्मेवारी घला ओकरे खांध म आगे। लड़त-लड़त को जनि कहां निकलगे। दुश्मन के मुकाबला म इंकर तैयारी पिछवागे रिहिस। समारू के शहीद होय के समाचार मिलिस। रमौतिन मन भूख म तलफत मरत रहय। विक्षिप्त अऊ विकलांग मनके बस्ती होगे रहय ओकर देश के हरेक गांव ह। बेटी बहिनी तो दिखबेच नि करत रिहिस। ओकर मन म भारी क्षोभ उभरगे। गांव म पता लगिस ओकर दाई ददा ला मौत के घाट उतार दे रिहिन। गांव के बेटी बहिनी मन के साथ बहुत बुरा बेवहार होय रिहिस अऊ रमौतिन के कोई पता नइ रिहिस। ओकर एड़ी के रिस तरवा म चढ़गे। ओहा दुश्मन देश के राजा ल मारे बर अपन मुठा भर संगवारी संग म उल्टा पांव लहुटगे ।

लड़ई सिरा चुके रिहिस अब चारों मुड़ा म शांति बगरत रहय। दुश्मन राजपुत्र ह रमौतिन संग शिकार खेले बर जंगल म डेरा डारे रहय। समारू के सैनिक टुकड़ी ह राजपुत्र अऊ बहूरानी ला कैद कर लिन। इनला मारना हे अऊ ओकर बहूरानी के उही हस्र करना हे जे उंकर दाई बहिनी बेटी संग होय हे तिही चर्चा चलत रहय। समारू ह अपन तलवार धरके दुनों के तिर म पहुंचगे। समारू के संगवारी हा जोर-जोर से कहत रहय तुंहर सैनिक मन हमर गैरहाजरी म हमर बेटी बहिनी के इज्जत उतारिन आज तोर आगू म तोर रानी के आबरू लूटबो तोला कइसे लागही? हमू देखथन। एती घुस्सा के मारे रमौतिन के मुठा बंधात रहय तब तक समारू के हाथ ओकर टोंटातिर पहुंचे लगिस। हाथ म उही धागा बंधाय रहय जेला रमौतिन ह समारू के विदाई के बेर ओकर कलाई म बांधे रहय। धागा म नजर परते साठ भइया-भइया शब्द निकलिस। समारू के कान खड़े होगे। कोन तनि ले आवाज अइस समझ नि अइस। तब तक रमौतिन ह अपन भाई के कलाई ल अपन हाथ म धर के भइया-भइया कहत चूम डरिस। मोठ-मोठ तात-तात आंसू के धार म समारू के कलाई धोआगे। समारू ल रमौतिन के रूप अऊ श्रृंगार देख विशवास नि होवत रिहिस के इही ओकर बहिनी रमौतिन आय। भाई-बहिनी के मिलन होगे। धागा ह बहिनी भाई के पवित्र रिश्ता ल बदनाम होय ले बचा लिस। बहिनी के लाज के रक्षा होगे। सबके हाथ ले हथियार छुटगे। तब तक दुश्मन राजा के सिपाही मन पहुंचगे। बिगन बात जाने समारू ऊपर भाला फेंक दिस। सनसनावत आवत भाला म रमौतिन के नजर परगे भाई ला धकिया के अपन छाती म भाला के वार ला झेलगे। तरतर-तरतर लहू के धार फूटगे। बहिनी रमौतिन उही तिर ढेर होगे। भाई बांचगे। रोवत कलपत समारू वापिस अपन गांव लहुंटगे।

समारू के देश के राजा हा निसंतान रहय। ओहा समारू अऊ ओकर बहिनी के वीरता ले प्रभावित रिहिस। समारू ल राजपाठ सौंप के सन्यास ले लिस। राजा समारू ह बहिनी के सुरता म .. हरेक बछर सावन के आखरी दिन गांव के बहिनी माई के हाथ ले धागा बंधवाय। धीरे-धीरे हरेक भाई मन के कलाई म बहिनी के हाथ ले उही दिन ले धागा बंधवाय के परम्परा बनगे। धागा हा भाई-बहिनी के प्रेम के बीच रक्षा के प्रतीक बन गिस।

हरिशंकर गजानंद प्रसाद देवांगन, छुरा

दीया बाती अउ तेल

एक दिन दिया बाती अउ तेल के बीच झगड़ा मच गे। दीया कथे मेहा तुंहर दोनों कोई ले बड़े आवं।

पूरा घर मोर ले अंजोर होथे। मोर बिना तुंहर मन के कोई कीमत नइ हे। तुमन दोनों कोई ला मोर सेती सम्मान मिलथे। दीया के बात ला सुनिस ताहन बाती के एड़ी के रिस तरवा मा चढ़गे, अउ कहे लगिस जब अइसन बात हे तब मोर बिना तेहा बर के बता।मोर बिना तेल घलो काय कर लिही। मेहा बरथों तब घर अंजोर होथे कोनो मेहा बरे बर छोड़ दुहुँ ते तुमन कइसे अंजोर करथो तेला देखथों। दीया अउ बाती के बात ला तेल हा चुप्पे सुनत रहय। फेर वहू हा कतका बेर ले चुप रही। सुनत भर ले सुनिस ताहन वहू बोले ल लग गे।मोर बिना तुम दोनों कइसे बरहु तेला महू देखथों कहिके तेल हा अनशन में बइठ गे।संझा बेरा होइस ताहन कुम्हारिन दीया ला लाय बर गिस त वोहा रिसाय बइठे रहय। वोखर रूप रंग ला देख के कुम्हारिन कथे का होगे दीया, त दीया कथे मोर बिना बाती अउ तेल दोनों के दाल नइ गलय। मेहा दोनों कोई ला अपन कोरा मा राखथों तब घर अंजोर होथे। जा बाती अउ तेल कर उही दोनों कोई बरही मोर जरूरत नइहे। कुम्हारिन बिचारि बाती के तीर जाथे , त बाती घलो हर्रस ले गोठियाथे। जा मेहा नइ बरवँ उही मन बरही।अब काय करय कुम्हारिन हा तेल के तीर मा जाथे त तेल घलो अंटियाय असन गोठियाथे अउ कथे मोर बिना तो उंखर काम चल जाही का । जाय बरे दीया अउ बाती हा। मोला नइ बरना हे। उंखर तीनो के गोठ ला सुनके कुम्हारिन चुपचाप अंधियार मा बइठे राहय। कुम्हार हंडिया तौली बेंच के बजार ले अइस अउ अंधियार मा कुम्हारिन ला बइठे देख के अकचका के पूछिस, का बात होगे नोनी के दाइ चुपचाप अंधियार मा बइठे हस।दीया बाती घलो नइ जलाय हस।भात साग घलो नइ चूरे हे। कुम्हारिन कथे काला बतावँसंझा बेरा दीया कर गेवँ त वो अपन मुहू फुलाय हे, बाती कर गेवँ त वो अपन मुहु फुलाय हे, अउ तेल तीर मा गेवँ त वहू वइसने बइठे हे। अउ महू बइठे हों अंधियार मा भात साग घलो नइ रांधे हों। वोखर बात ला सुन के तीनों कोई ल बुलाइस अउ पूछिस।वोमन अपन अपन बात ला बताइस। कुम्हार ल उंखर बात समझत देरी नइ लगिस।अउ समझाय ल लगिस, देखो नोनी बाबू हो ये दुनिया मा कोनो कखरो ले बड़े नइ होवय। अपन अपन जगा मा सब दूसर ले बड़े होथे।सब एक दूसर ले सहयोग लेथे तब दुनिया के काम चलथे।तुमन अपन अपन ले अंटियाहु त कहाँ ले काम बनही। एक के काम ला दूसर कोनो नइ कर सकय। सबला मिलजुल के करना पड़थे।कुम्हार के बात ल सुनके उंखर मन के रिस उतर गे। ताहन कुम्हारिन हा दीया जलाके साग भात रांधिस अउ खा के सूत गे। मोर कहानी पुर गे।

-कुलदीप सिन्हा 'दीप', कुकरेल सलोनी, धमतरी

नान्हे कहिनी

चरचा मा पताल

सुनलव संगी सुनव मितान।देवव थोरिक येती ध्यान।।
चरचा मा हे आज पताल।देख सबो के बिगड़य हाल।।
बड़े ङ्कबड़े अउ गोल मटोल।अब्बड़ बाढ़य येखर मोल।।
बंगाला हा चढ़े अगास।नइ आवय ये कखरो पास।।

महँगाई के मारा मार।दू सौ रुपिया के हे पार।।
भाव बढ़े मा कोन बिसाय। चटनी बर तो मन ललचाय।।
बिन पताल नइ साग मिठाय। लइका मन गोहार लगाय।।
घुरुवा के हा दिन बहुराय।बखत परे मा पारी आय।।

बड़ इतरावत हवय पताल।येला का होगे ए साल।।
तरकारी ले करे सवाल।हटरी मा जी होय बवाल।।
घेरी ङ्कबेरी बदलय रंग। रहि के जम्मों मनखे संग।।
संगति हा झट असर दिखाय। ये पताल सब ला रोवाय।।

—प्रिया देवांगन प्रियू राजिम
जिला - गरियाबंद

भोजली तिहार बहू बेटी के महापरब

छत्तीसगढ़ के मूल संस्कृति हा प्रकृति अऊ देवता धामी ले जुड़े है। ऐखरे सेती अध्यात्म के संग प्रकृति दूनो के मिंझरा देखें बर हर तिहार म देखें बर मिलथे। भोजली तिहार ह सुहागिन आए कुंवारी बेटी मन एक बांस के टोकनी में माटी ल भर के ओमा धान,जौ बो देथे। ओखर बोआई सावन के आजोरी पाख के नाग पंचमी ले सावन के आठे तक अपने सहूलियत के हिसाब ले बोथे अइसे देखे जाथे। ऐला घर भीतरी छांव म रखे जाथे। के, ऐखर पूजा तीनों पहट महतारी मन करथें। येला हरदी पानी के छिड़काव करथे। भोजली गीत गाकर सेवा करथे। दिया हुम हवन करथे। येला भोजली माहि परब कहिथे-

देवी गंगा...देवी गंगा लहर तुरंगा।
हमरो भोजली दाई के भीजे आठों अंगा।
माड़ी भर जोंधरी, पोरिसे भर कुसियारे
जल्दी जल्दी बाढ़व भोजली हो...वो हुसियारे।।

भोजली जब जरई जाम जाथे। माटी ले बाहिर आ जाथे त भोजली के बाढ़े के गति बहुत धीरे-धीरे रहिये। त गीत गाये जाथे।

गन्ना हां... बहुत उच्च होगे हे
के जोओन्धरआ हां... मांड़ी भर ऊंचा होंगे हे।

भोजली दाई जल्दी-जल्दी बाढहव के गन्ना के बराबर आ जावव।

आई गई पूरा।
सोहाई गई मालगी।
सोने सोने के कलगी।।
लिपि डारेन पोती डारेन
छोड़ी डारेन कोनहा।
सबो पहिरे सोना।
आई गई पूरा,
बोहाई गई जिसका।
हमरो भोजली देवी लाल।
चन्दन के छिटका।

भोजली ल बाढ़त रोज देखथे के ओखर सुन्दरता के बखान करथे-

कनिहा म कमर पट्टा
सारे उरमा ले।
थोड़ा नारियल धरके भोजली
जाबो कुदुरमाले।।
नानमुन टेपरी म सोरेन जीरा धाने।
खड़े रिहा भोजली...।
खवाबो वीरा पान।
अन्ते अन्ते आनी बानी के गीत गाये जाथे।
आठे के चाउर
नवमी के बोवाईन।
दसमी के भोजली
दुदी पान चढ़िन।
रहसि बिहस जाईन।
चौदह के भोजली
पूजा पाइन।

पुन्नी के भोजली ठंडा होये जाइन।

ये गीत म कब-कब का-का करना है तेन ल बताये गेहे। दुआस के दिन भोजली के रुप ह चुकचुक ले दिखथे। तेरस के भोजली लहस जथे। ऐखर मतलब हे कि भोजली ह पूरा बाढ़गे। चौदस के दिन पूजा करथें। पुन्नी के दिन में पहुंना हे अपन घर फेर वापिस हो जाथे। भोजली ल विसर्जन करथे अऊ ओखर बिदाई म गीत गाथे-

हमरो भोजली दाई के निकलते हे आंसू

जब विसर्जित करें के बाद भोजली ल निकालथे त रहे भोजली के ह पानी आंसू बरोबर दिखते। छत्तीसगढ़ में मीत, मितानी, भोजली बदे के सुग्घर बेरा रहिये। दस दिन भोजली के पूजा करे के बाद बहू बेटी मन अपन-अपन मुड़ी म रख के गांव के पारा ले गली म होवत तरिया के पचरी ल धो के साफ करथें। भोजली ल पार में रख के पूजा करथें। ओखर बाद विसर्जन करथें।

कुटी डारेन धान।
पछिन डारेन भूसा
लइके लइका हवन भोजली
झनि करिहो गुस्सा।

भोजली दाई सबो के अंतस मन म बस जथे। कोनो मन भोजली ल धो के टोकनी म रखते। अपन ले बड़े के कान मा खोंच के पैलगी करके आशीर्वाद लेथें।

इही दिन नारियल एक दूसर ल दे के नारियल बदथे। के भोजली ल कान में रख के भोजली बदथे। ये ह कई पीढ़ी तक चलथे। ये नया त सीएलए बढ़के हे। ये तना बदइया मन जीयत भर एक दूसर के नाम नइ लेवय। दोनापान, जंवारा, महाप्रसाद, तुलसीदल बदे के म परब हर आय।

शान्ता शर्मा 'छत्तीसगढ़िया' रूपाली
महतारी गुड़ी बहुउद्देशीय संस्था भिलाई।

सावन के गीत-फिल्मी गीत मन मा

दया-मया,नीति-रीति, सुख-दुख, मिलन-बिछोह के संगे संग गीत संगीत मा कोनो न कोनो मौसम के झलकी दिखबेच करथे। तभो सबले ज्यादा गीत बरसात/सावन उपर देखे सुने बर मिलथे। अइसन मा जुन्ना गीत संगीत होय या फेर नवा, बिन सावन के कइसे बन सकथे। जब बिजुरी चमकथे, बादल गरजथे अउ रिमझिम फुहार झरथे ता एक एक करके सावन के गीत मन, अंतस मा उछाह अउ उमंग के बरसा करथे। सावन को आने दो कहिके सावन के अगोरा होय बर लगथे, फेर ये दरी बछर 2023 मा सावन झूम के तो आएच हे, पर जाय के नाम तको नइ लेवत हे काबर कि सावन दू ठन हे, अइसन मा सावन के मजा तो दुगुना होबे करही। पानी जिनगानी आय ता मौत घलो। फेर बिन पानी सब सून हे, ता सावन के एक ले दू होवई कइसे कोनो ला बियापही। किसान-मजदूर,पेड़- प्रकृति,जीव-जंतु संग जम्मो जड़ चेतन बरसा/सावन ले जिनगी पाथे, अउ मगन मन गीत गाथे, ता आवन हमू मन गुनगुनावन सावन के कुछ गीत मन ला-

सावन का महीना पवन करे शोर... फिल्म- मिलन
बदरा छाय कि झूले पड़ गए हाय...आया सावन झूम के- फिल्म: आया सावन झूम के
बरसात में जब आएगा सावन का महीना फिल्म-माँ
वो मेरे सजन बरसात में आ, सावन की अँधेरी रात में आ
फिल्म-पेंटर बाबू
झिलमिल सितारों का आँगन होगा, रिमझिम बरसता सावन होगा फिल्म-जीवन मृत्यु
सावन के झूले पड़े,तुम चले आओ फ़िल्म- जुर्माना
कुछ कहता है यह सावन फिल्म- मेरा गांव मेरा देश
आहा ये रिमझिम प्रिय प्यारे प्यारे गीत लिये फिल्म-उसने कहा था
सावन आया बादल आये,मेरे पिया नही आये फिल्म-जान हाजिर है
अब के बरस सावन में, आग लगेगी बदन में फिल्म- चुपके चुपके
लगी आज सावन की फिर वो झड़ी है फिल्म-चांदनी
कितने मौसम कितने सावन बीत गए फिल्म-कहानी घर घर की
सावन का महीना आ गया,जीना नही आता है जिन लोगो को,उन्हें जीना आ गया फिल्म- नहले वे दहला
घटा छा गई है बहार आ गई है फिल्म-वारिस
रिमझिम गिरे सावन सुलग सुलग जाए मन फ़िल्म- मंजिल
मेघा रे मेघा रे,मत परदेश जा रे फिल्म- प्यासा सावन
तुम्हें गीतों में ढालूंगा सावन को आने दो फिल्म- सावन को आने दो
हाय हाय ये मजबूरी, ये सावन फिल्म- रोटी कपड़ा और मकान
मैं प्यासा तुम सावन, मैं दिल तुम धड़कन फिल्म-फरार
रिमझिम के गीत सावन गाए फिल्म- अंजाना
मेघा छाये आधी रात,बैरन बन गई निन्दिया फिल्म- शर्मीली
सावन बरसे तरसे दिल फिल्म- दहक
अब के सावन में जी डरे, रिमझिम तन पे पानी झरे फिल्म-जैसा को तैसा
मेरे मेरे नैना सावन भादो,फिर भी मेरा मन प्यासा फिल्म- महबूबा
पतझड़ सावन बसंत बहार, हर एक के रूत में मौसम चार फिल्म-सिंदूर
सावन का महीना आया फिल्म- आई मिलन की रात
सावन बीतो जाय पिहरवा
सावन बरसता है, तुमसे मिलने को ये दिल तरसता है फिल्म शानदार
बरसे रे सावन,काँपे मेरा मन फिल्म-दरिया दिल
मेघा रे मेघा तेरा मन तरसा रे फिल्म-लम्हें
मेघा ओ रे मेघा तू तो जाए देश-विदेश फिल्म-सुनयना
सावन के झूलों ने मुझको बुलाया फिल्म-निगाहें
भीगी भीगी रातों में फिल्म अजनबी
कहाँ से आये बदरा फिल्म-चश्मे बद्दूर
एक लड़की भीगी भागी सी फिल्म-
बरसो रे मेघा मेघा फ़िल्म-गुरु
सावन के बादलो! फिल्म-रतन
रुमझुम बरसे बदरवा फिल्म- रतन
परदेशी बालमा बादल आया फिल्म-रतन
चिंगारी कोई भड़के तो सावन उसे बुझाये फिल्म- अमर प्रेम
बादल यूँ गरजता है, डर कुछ ऐसा लगता है,चमक चमक के, लपक के ये बिजली हम पे गिर जायेगी फिल्म-बेताब
सावन आया बादल छाए अल्बम- साजन का घर
कुछ कहता है यह सावन फिल्म- यह जमीन गा रही है
हो गया रे यह सावन बैरी फिल्म- सावन के गीत
पड़ गए झूले,सावन रुत आई रे फिल्म- बहू बेगम
सावन के महीने में,एक आग सी लगी सीने में फिल्म-शराबी
बरसात के दिन आए,मुलाकात के दिन आए फिल्म बरसात
आज मौसम बड़ा बेईमान है बड़ा फिल्म- लोफर
रिमझिम छाए घटाए, ओय का बात हो गई फिल्म-दो रास्ते
बदरा रे,बरसो रे,बिन सावन फिल्म- फस्ट लव लेटर
बरसात में हमसे मिले तुम वो सजन तुमसे मिले फिल्म- बरसात
डम डम डिगा डिगा मौसम भीगा भीगा फिल्म- छलिया
ये मौसम भी गया फिल्म- बलमा
साजन रे साजन कहता है सावन फिल्म- दुलारा
मौसम है भीगा भीगा रे फिल्म- मेरे मुकद्दर
भीगी हुई है रात मगर जल रहे है हम फिल्म-संग्राम
बरसात के मौसम में तन्हाई के आलम में फिल्म- नाजायज
रिमझिम रिमझिम,रूंझूम रूंझूम,भीगी भीगी रुत में,तुम हम हम तुन फिल्म-1942 अ लव स्टोरी
आखिर तुम्हें आना है जरा देर लगेगी बारिश का बहाना है फिल्म-यलगार
कितने सावन बरस गए, मेरे प्यासी नैना तरस गए- फिल्म- 20 साल बाद
मुझको बरसात बना लो,एक लम्बी रात बना लो,अपने जज़्बात बना लो- फिल्म-,जुनूनियत।
कोई लड़की है, जब वो गाती है, बारिश आती है- फिल्म- दिल तो पागल है
ये मौसम ये बारिश, ये बारिश का पानी फिल्म-हाफ गर्लफ्रेंड

कतको प्रकार के भाव ले भराय सावन के ये सब गीत जे बेर सुनव ते बेर मनभावन लगथे। ये तो रिहिस बदरा पानी ला समेटे गीत। कतको अइसनो गीत हें जेला रिमझिम फुहार मा तको फिल्माए गे हे, जेला देखबे तभे सावन दिखथे,फेर उक्त संकलित गीत मन सहज सावन के दर्शन करावत मन मा उमंग के झड़ी लगा देथे। आज के नवा गीत मा तको सावन हे, तभो जुन्ना सावनी सदाबहार गीत के पार नइ पा सके। ऊपर संघरे गीत मन कस अउ कतको गीत हे, आपो मन के सुरता मा होही ता बताहू।

-जीतेन्द्र वर्मा खैरझिटिया, बाल्को कोरबा

देशबन्धु
संस्कारधानी
5 बिलासपुर

रविवार 27 अगस्त 2023

उल्टा पुल्टा

चिंटू- तू पागल है क्या?
मिंटू- क्यों, क्या हुआ?
चिंटू- ये तूने मेरी कैसी फोटो खींच दी। लड़की वालों को भेजनी थी। इसमें पीछे कुत्ता आ गया।
मिंटू- हां तो भाई बता देना उन्हें की तू आगे वाला है।

घुटकू और खरगहना में आवास चौपाल

बिलासपुर, 26 अगस्त (देशबन्धु) । प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत जिला पंचायत सीईओ अजय अग्रवाल के निर्देशन व जनपद पंचायत तखतपुर सीईओ सत्यव्रत तिवारी के मार्गदर्शन में योजना के हितग्राहियों के लिए आवास चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत तखतपुर के ग्राम पंचायत घुटकू व खरगहना में आवास चौपाल के माध्यम से हितग्राहियों को आवास निर्माण संबंधी जानकारियां दी गई। कार्यक्रम में आवास के विकासखंड समन्वयक मयंक गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में आवास की राशि सीधे हितग्राहियों के खातों में हस्तांतरित हो रही है। इस पैसे से आवास निर्माण का कार्य प्रारंभ करके अगले किस्त एवं अंतिम किस्त की राशि ले सकते है।

एक ही रात में 6 दुकानों सहित मंदिर में चोरी, 11 लाख का माल पार

पुलिस की रात्रि गश्त की खुली पोल

सिविल लाइन थाने से कुछ ही दूर दो दुकानों में छत के रास्ते से घुसे चोर

बिलासपुर, 26 अगस्त (देशबन्धु)। शहर में एक साथ कई दुकानों में चोरो ने एक ही रात में धावा बोलकर लाखों के माल सहित नकदी रकम पार कर दिए है। जिससे पुलिस की गश्त व्यवस्था पर भी सवालिया निशान लग रहे है। वही रात्रि गश्त की पोल एक बार फिर खुल गई है। शहर में इन दिनों लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ गई है। जिससे आमजन और पुलिस भी परेशान है। शहर के सिविल लाइन थाने से कुछ ही दूर मेंन रोड स्थित वर्ल्ड आफ टाइटन और कमलेश ट्रेडर्स में शुक्रवार की रात लंबी चोरी होने की जानकारी मिल रही है। पता चला है कि इन दोनों ही दुकानों से कुल 11 लाख रुपए से अधिक रकम चोरों ने पार कर दी है। जैसी की जानकारी मिली है दोनों ही दुकानों में चोर ऊपर छत से भीतर घुसे और गले में रखी लाखों रुपए की नगद रकम लेकर पर हो गए। सूत्रों के अनुसार वर्ल्ड ऑफ टाइटन से गल्ले में रखे 8 लाख रुपए से अधिक नगद रकम चोरों ने पार कर दी। इसी तरह कमलेश ट्रेडर्स में भी गल्ले में रखे तीन लाख रुपए से अधिक रकम पार कर दी। बहरहाल, मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है और पुलिस के अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचकर पूरे प्रकरण की गंभीरता पूर्वक जांच कर रहे हैं।

मंदिर से 10 तोला चांदी का मुकुट पार

ग्राम पंचायत परसदा में 2 चोटों ने हनुमान जी की मूर्ति से मुकुट पार कर दिया। चांदी का मुकुट 10 तोला वजनी था जिसे आर्मी के जवान ने मंदिर में चढ़ाया था। करगी रोड कोटा के मुख्य मार्ग में स्थित ग्राम पंचायत परसदा में 2 चोटों ने दिनदहाड़े श्री हनुमानजी व शिव जी के मंदिर से हनुमानजी के सिर पर लगी 10 तोले के चाँदी का मुकुट पार कर दिया। मुकुट मंदिर के निर्माता पवन कुमार गुप्ता द्वारा चढ़ाया गया था जो माड़ीपुर में आर्मी में पदस्थ है और देख भाल के लिए सीसीटीवी भी लगाए हुए है, जिससे वह मंदिर को देखते रहते है, पुजारी द्वारा जानकारी दिया गया कि हनुमानजी का मुकुट चोरी हो गया तब सामने लगे सीसीटीवी कैमरा देखा गया। जिसमे 2 अज्ञात चोरों द्वारा मुकुट को चोरी करना दिखाई दे रहा है, घटना की जानकारी जगत साहू, कैलाश वस्त्रकार, शिव वस्त्रकार, मुकेश साहू, सोनी निर्मलकर, परमेश्वर कौशिक, अमित व ग्राम वासियो ने सकरी पुलिस को दी। सकरी पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

मसाला दुकान में 15 दिन में दूसरी चोरी

कोतवाली थाना क्षेत्र के शनिचरी बाजार स्थित मसाला दुकान में 15 दिन में दो बार हुई चोरी का पता लगाने पुलिस नाकाम साबित हो रही है। मसाला दुकान संचालक ने सीसीटीवी फुटेज पुलिस को दिए, चोर की पहचान होने के बाद भी आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। आपको बता दें कि शनिचरी बाजार में श्रीधर वाधवानी का मसाला दुकान है। 15 दिन पहले चोरों ने दुकान में चोरी की थी जिसकी एफआईआर रिपोर्ट दुकान संचालक श्रीधर वाधवानी द्वारा दर्ज कराई गई थी। साथ ही पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी दिया था। पुलिस ने चोर की पहचान भी कर ली और चोर के घर पहुंचे लेकिन वह घर पर नहीं मिला। पुलिस द्वारा उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। जिसका खामियाजा 15 दिन बाद दोबारा उसी मसाला दुकान में 6 हजार रुपए नगद के साथ 5 हजार का सामान चोर ने पार कर दिया। इस बार चोर ने दुकान में रखे सीसीटीवी कैमरे और टीवी को भी तोड़ दिया। बहरहाल कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सार-संक्षेप

कसौधन वैश्य गुप्ता समाज ने मनाया सावन उत्सव

बिलासपुर,26 अगस्त (देशबन्धु) । श्री चंद्रपुरिहा कसौधन वैश्य समाज गुप्ता महिला मंडल के द्वारा 23 अगस्त बुधवार को सामाजिक भवन करबला रोड में सावन उत्सव का कार्यक्रम किया गया ।इस कार्यक्रम का आयोजन महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती प्रभा गुप्ता सचिव श्रीमती शुभ्रा गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष बबली गुप्ता के द्वारा किया गया। महिला मंडल के सभी सदस्यों ने इसमें बढ़ चढ़कर भाग लिया इस कार्यक्रम के होस्ट श्रीमती नेहा गुप्ता, नीलिमा गुप्ता ,ममता गुप्ता, मुक्ति गुप्ता ,सरस्वती गुप्ता व चंदा गुप्ता है महिला मंडल के द्वारा श्रीमती स्नेहा गुप्ता को सावन सुंदरी बनाया गया। समयबद्धता का पुरस्कार मधु गुप्ता को दिया गया ओके का पुरस्कार मंजू गुप्ता को दिया गया सभी सदस्यों ने मिलकर सावन पर आधारित गीत संगीत का आयोजन किया गया महिला मंडल के सभी सदस्यों के द्वारा चंद्रयान-3 की चांद पर सफल लैंडिंग का जश्न मनाया और एक दूसरे को बधाइयां दी ।

श्रुति जनकल्याण फाउंडेशन आदिवासी इलाकों में बांटेगी राखी

बिलासपुर,26 अगस्त (देशबन्धु) । श्रुति जनकल्याण फाउंडेशन द्वारा हमेशा जरूरतमंदो की सेवा की जा रही है,इसी कड़ी में गुरुकृपा ट्रेडर्स के मनीष कुमार गुरुबानी और अमित गुरुबानी द्वारा उन जरूरत मन्दो के लिए राखी प्रदान किया गया । जो गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करते है ,गरुकृपा ट्रेडर्स,तेलीपारा द्वारा हमेशा हर त्योहारों पर जरूरत मन्दो को सामान उपलब्ध कराया जाता है,संस्थापिका चुन्नी मौर्य ने बताया कि संस्था हमेशा हर जरूरत मन्दो के लिए यथासंभव प्रयत्नशील रहती है,इन रखियो को आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में वितरित किया जाएगा, आने वाले समय में हर संभव सेवा कार्य करके जरूरतमन्दों के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास जारी है।

चोरी की बाइक बेचते युवक गिरफ्तार

बिलासपुर,26 अगस्त (देशबन्धु) । चोरी की बाइक बेचने ग्राहक की तलाश कर रहे चोर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। चकरभाटा पुलिस ने बताया कि प्रार्थी टी कोटेश्वर राव पिता स्व टी.एस. नारायणना उम्र 66 साल निवासी मंगलम भवन के पास सिरगिटटी निवासी थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 3 जुलाई को प्रार्थी का लडका मोटर सायकल टी.व्ही.एस. अपाचे क्रमांक एम.पी. 18 एम.के. 5552 को अपने आफिस महिन्द्रा शो रुम रामावैली के पास लेकर गया था जिसे शो रुम के सामने खडा किया था। शाम करीबन 6:45 बजे देखा तो मोटर सायकल नही था कोई अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया था। जिस पर थाना चकरभाठा मे अपराध क्रमांक 348/2023 धारा 379 भादवि कायम किया गया। मोटर सायकल के संबध मे मुखबिर लगाई गई तथा लगातार पता तलाश की जा रही थी इसी मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि एक व्यक्ति मोटर सायकल अपाचे बिक्री करने के फिराक मे ग्राहक की तलाश कर रहा है मुखबिर के सूचना पर राममंदिर यादव नगर तिफरा निवासी संदेही विकास कौशिक पिता शिव कौशिक उम्र 22 साल निवासी राम मंदिर यादव नगर तिफरा को हिरासत मे लेकर पुछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया तथा चोरी किये मोटर सायकल को अपने घर मे छिपाकर रखना बताया।

गिरदावरी देखने खेत में उतरे कलेक्टर संजीव झा

समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश

बिलासपुर, 26 अगस्त (देशबन्धु) । राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देशानुसार ग्रामीण इलाकों में इन दिनों गिरदावरी की जा रही है। पटवारी के नेतृत्व में मैदानी अधिकारियों की टीम खेतों में लगे फसलों का सर्वे कर रही है। कलेक्टर संजीव कुमार झा ने इस सिलसिले में आज बिलासपुर शहर से लगे ग्राम बिरकोना और खमतराई का दौरा किया। उन्होंने स्वयं कुछ खेतों में उतरकर गिरदावरी करते हुए फसल संबंधी जानकारी दर्ज की ,वहीं टीम द्वारा किए जा रहे गिरदावरी कार्य का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया। गिरदावरी अभियान इस साल 1 अगस्त से शुरू हुआ है जो की 30 सितंबर को संपन्न होगा।

कलेक्टर संजीव झा ने शहर के आसपास के ग्रामों में अत्यधिक सजगता के साथ गिरदावरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग खेतों को बिना डायवर्ट कराए मकान बनवा लेते हैं। मकान होने के बाद भी राजस्व रिकार्ड में ये खेत के रूप में दर्ज होते हैं। ऐसे रकबे में धान की खेती बताकर गड़बड़ी करने की आशंका ज्यादा होती है।

ऐसे निहित स्वार्थ के लोगों को अभी से लगाम लगा दी जाए तो वास्तविक किसानों को धान बेचने में सहूलियत होगी।कलेक्टर ने दोनों ग्रामों में करीब आधा दर्जन खसरों में लगी फसलों का मुआयना किया।

उन्होंने अफसरों को शत प्रतिशत और त्रुटिविहीन गिरदावरी एंट्री के साथ खसरा अनुरूप नक्शे बटांकन के निर्देश दिए। साथ ही खसरा अनुसार शासकीय भूमि एवं अन्य मदों में दर्ज भूमि का गोशवारा रखने को कहा है। नक्शे में दर्ज चांदा मुनारा को संरक्षित रखते हुए भूमि के चिन्हांकन हेतु फिक्स्ड पॉइंट्स के निर्धारण हेतु निर्देशित किया गया। खसरे में स्थित वृक्ष, नलकूप की एंट्री फील्ड निरीक्षण कर किये जाने सहित ऑनलाइन प्रविष्टि में सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए। उन्होंने मौके पर मौजूद कुछ किसानों से चर्चा कर फसलों की स्थिति, कीट प्रकोप, खाद की उपलब्धता आदि की भी जानकारी ली। इस अवसर पर उप संचालक कृषि पी डी हथेश्वर, अतिरिक्त तहसीलदार शशिभूषण सोनी राजस्व एवं कृषि विभाग के अमले तथा किसान उपस्थित थे।

अजमेर-पूरी का शेगाँव,हावड़ा-मुंबइ मेल का जलंब व गोंदिया-कोल्हापुर तारागांव में ठहराव

बिलासपुर,26 अगस्त(देशबन्धु) । रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलाने वाली तीन ट्रनों का अस्थायी प्रायोगिक ठहराव की सुविधा प्रदान की जा रही है ।20823/20824 अजमेर-पूरी-अजमेर एक्सप्रेस का शेगाँव रेलवे स्टेशन, 12809/12810 हावड़ा-मुंबई-हावड़ा मेल का जलंब एवं 11039/11040 कोल्हापुर-गोंदिया-कोल्हापुर एक्सप्रेस का तारगाव रेलवे स्टेशन में ठहराव की सुविधा दी जा रही है । अस्थायी प्रायोगिक ठहराव की सुविधा 06 माह तक जारी रहेगी । 28 अगस्त, को पूरी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 20823 पूरी-अजमेर-पूरी एक्सप्रेस का शेगाँव रेलवे स्टेशन में 22.09 बजे पहुंचेगी तथा 22.10 बजे रवाना होगी तथा 28 अगस्त, 2023 को अजमेर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 20824 अजमेर-पूरी एक्सप्रेस का शेगाँव रेलवे स्टेशन में 15.34 बजे पहुंचेगी तथा 15.35 बजे रवाना होगी । 26 अगस्त को मुंबई से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 12809 मुंबई-हावड़ा मेल एक्सप्रेस का जलंब रेलवे स्टेशन में 05.43 बजे पहुंचेगी तथा 05.44 बजे रवाना होगी तथा 26 अगस्त को हावड़ा से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 12810 हावड़ा-मुंबई मेल एक्सप्रेस का जलंब रेलवे स्टेशन में 19.13 बजे पहुंचेगी तथा 19.14 बजे रवाना होगी । कोल्हापुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 11039 कोल्हापुर-गोंदिया एक्सप्रेस का तारगाव रेलवे स्टेशन में 17.54 बजे पहुंचेगी तथा 17.55 बजे रवाना होगी तथा गोंदिया से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 11040 गोंदिया-कोल्हापुर एक्सप्रेस का तारगाव रेलवे स्टेशन में 08.04 बजे पहुंचेगी तथा 08.05 बजे रवाना होगी ।

हैदराबाद-रक्सौल-सिकंदराबाद के मध्य चल रही साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के परिचालन में विस्तार

रेल यात्रियों की सुविधाओं एवं मांग को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर जाने वाली 07051/07052 हैदराबाद -रक्सौल-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की सुविधा 29 अगस्त, 2023 तक चल रही है । इस गाड़ी के परिचालन में विस्तार कर 03 अक्टूबर तक किया गया है । यह गाड़ी 07051 हैदराबाद - रक्सौल साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन प्रत्येक शनिवार को हैदराबाद से 02, 09, 16, 23 एवं 30 सितम्बर, 2023 को चलेगी । इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी 07052 रक्सौल-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को रक्सौल से 05, 12, 19 एवं 26 सितम्बर को तथा 03 अक्तूबर, 2023 को चलेगी । इस गाड़ी में 05 एसी थ्री, 02 एसी टू टायर, 12 स्लीपर, 03 सामान्य एवं 02 एसएलआर सहित कुल 24 कोच रहेंगे ।

पुलिस चेकिंग में 201 वाहनों पर कार्रवाई

बिलासपुर,26 अगस्त (देशबन्धु) । पुलिस अधीक्षक बिलासपुर संतोष कुमार सिंह के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर राजेंद्र जायसवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण राहुल देव शर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाइन संदीप कुमार पटेल (भापुसे), नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली श्रीमती पूजा कुमार (भापुसे), उप पुलिस अधीक्षक यातायात संजय साहू के मार्गदर्शन में बिलासपुर के प्रमुख चौराहों में, सभी ग्रामीण थाना में सरप्राइज चेकिंग लगाकर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान ड्रिंक एंड ड्राइव, ब्लैक फिल्म लगाने वाले कार, बिना नंबर गाड़ी, तीन सवारी आदि यातायात नियमों को नहीं मानने वाले की जांच कर कार्यवाही की गई है। शराब पीकर वाहन चलाने वालों का मौके पर ही ब्रेथ एनालाइजर मशीन से चेक किया गया व नियत सीमा से अधिक शराब पी कर गाड़ी चलाने वालों की गाड़ियों को जप्त किया गया है, 185 एम वी एक्ट के अंतर्गत कुल 28 वाहनों को जप्त किया गया है, जिसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। ब्लैक फिल्म तीन सवारी बिना नंबर की वाहनों पर कार्यवाही करते हुए कुल 173 वाहन स्वामी से एमवी एक्ट के तहत 61700 हजार का शमन शुल्क लिया गया । इस प्रकार कुल 201 वाहनों पर एमवी एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही की गई है। वाहनों की सरप्राईज चेकिंग का उद्देश्य अपराधिक गतिविधि वाले व्यक्तियों पर अंकुश लगाना तथा ड्रिंक एंड ड्राइव से होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगाना है।

घूटकू में मिले चार नए डायरिया के मरीज

बिलासपुर, 26 अगस्त (देशबन्धु)। गांव में हर दिन घर-घर सर्वे कराया जा रहा है। साथ ही पानी को साफ करने के लिए क्लोरिन टेबलेट बांटा जा रहा है। सीएमएचओ डा राजेश शुक्ला के मुताबिक जल्द ही क्षेत्र में डायरिया को नियंत्रण कर लिया जाएगा।

एक के बाद एक शहर के साथ ही अलग-अलग ग्रामीण क्षेत्र में डायरिया के मरीज मिल रहे है। ज्यादातर मामलों में दूषित पानी पीने से ही बीमार हो रहे है। घूटकू में शुक्रवार को चार नए मरीज मिले हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में कैंप लगाकर मरीज खोजने व उनके उपचार का काम कर रही है। गांव में हर दिन घर-घर सर्वे कराया जा रहा है। साथ ही पानी को साफ करने के लिए क्लोरिन टेबलेट बांटा जा रहा है। सीएमएचओ डा राजेश शुक्ला के मुताबिक जल्द ही क्षेत्र में डायरिया को नियंत्रण कर लिया जाएगा। जानकारी के मुताबिक गांव के सार्वजनिक हैंडपंप का पानी पीने से ही ग्रामीण बीमार होने की आशंका है। ऐसे में पानी का सैंपल लिया गया है। बीएमओ तखतपुर डा सुनील हंसराज ने बताया कि सभी स्वास्थ्य निरीक्षण दल द्वारा दस्त प्रभावित क्षेत्र में जाकर सभी प्रभावित मरीजों को चेकअप किया गया है।

न्यायधानी को अपराधियों, माफियाओं से कब मिलेगी निजात?

200 करोड़ केंद्र से मिलने के बाद भी क्यो नही बन पाया देश का दूसरा बड़ा एमएसएमई उद्योग केंद- अमर

बिलासपुर , 26 अगस्त (देशबन्धु)। फेसबुक लाइव अपनो से अपनी बात कार्यक्रम में ऑनलाइन मित्रों से चर्चा करते हुए पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल ने बिलासपुर में बिगड़ती कानून व्यवस्था के हालात पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार को दोषी ठहराया है। उन्होंने कहा बहानेबाज जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता और सत्ता संरक्षण में दबी हुई ब्यूरोक्रेसी से प्रदेश के दूसरे बड़े शहर न्यायधानी बिलासपुर में कानून व्यवस्था कटघरे में है। अपराधियों पर नकल करने पुलिस की मुहिम धरातल पर नही है। बिलासपुर में रोजाना हो रही हत्याएं और लूटखसोट जालसाजी,सट्टाबाजी से नागरिक जीवन भयाक्रांत हो गया है। शहरी क्षेत्र में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं से भी जीवन संकट में बने रहता है, करोड़ों रुपए के इंट्रीगेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के बावजूद हर दूसरे दिन बीच शहर में सड़क दुर्घटना में मौत की दिल दहला देने वाली तस्वीरे खबरों में रहती है, इसके लिए शासन और प्रशासन सीधे तौर पर जिम्मेदार है, सत्ता दल की आड़ संरक्षण में नाना प्रकार की माफिया हावी है। देर रात बीच शहर की सुनी सड़को में रंगरेलियां मनाने वाले और अपसंस्कृति फैलाने वालों पर पुलिस का कोई कंट्रोल नहीं है।रिवर साइड, लिंक रोड, पुराना बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन इलाके, रिंग रोड,हाईवेज़ में देर रात मस्ती खोरो, नशाखोरी करने वाले बैखोफ घूमते अपराधिक घटनाओ को अंजाम देनिक को काम कर रहे है।शहर की जनता यह जानना चाहती है आखिर बिलासपुर को बढ़ते अपराधो से निजात कब मिलेगी?

अमर अग्रवाल में दोहराया में भू माफियाओं के साथ अफ़सरो और नेताओं की मिलीभगत से 2018 में केंद्र सरकार से भुवनेश्वर के बाद देश के दूसरे बड़े सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग केंद्र की स्थापना के लिए दो सौ करोड रुपए की स्वीकृति के बाद भी पांच वर्षों में महज बीस एकड़ जमीन आवंटन का कार्य भी पूरा नहीं हो सका। मालूम हो उद्योग केंद्र के खुलने से एमएसएमई इंडस्ट्री के संबंध में प्रतिवर्ष 4 से 5 हजार युवाओं को उद्यमिता के संबंध में आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण देने की योजना थी, इसी प्रकार सीएसआईडीसी द्वारा डी ब्लॉक को इंडस्ट्रियल एरिया के रूप में विकसित करने का काम पूरा नहीं होने से सैकड़ो संख्या में लोगों को स्वरोजगार एवं उद्यमिता विकास के अवसर से वंचित कर दिया गया। अमर अग्रवाल ने कहा प्रदेश की सरकार की विकास विरोधी सोच के कारण जनता त्रस्त है, विकास कार्य ठप्प पड़े हुए।अमर अग्रवाल ने कहा की घोषणा पत्र बनाने के लिए छत्तीसगढ़ की पब्लिक फीडबैक जानने जानने प्रत्येक विधानसभा में समिति के सदस्य पहुंच रहे हैं। घोषणापत्र मिल रहे सुझावों से संकेत है कि जनता प्रदेश की सरकार से त्रस्त हो चुकी है एवं केंद्र के साथ राज्य में भी दूरगामी समेकित विकास की सोच रखने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिए विशेष स्नेह रखती है। उन्होंने कहा विश्वकर्मा जयंती पर केंद्र सरकार द्वारा शुरू की जा रही 15 हजार करोड़ की विश्वकर्मा योजना स्थानीय कारीगरों, कुशल श्रमिकों के आर्थिक विकास में क्रांतिकारी साबित होगी। अमर अग्रवाल ने कहा हमारे प्रधानमंत्री जी का मानना है,भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए पारदर्शिता और पवित्रता के साथ, हमें तीन बाधाओं, भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण से पार पाना होगा।

सार-संक्षेप

एक साथ खिले ब्रह्मकमल के 14 पुष्प

कोरबा, 26 अगस्त (देशबन्धु)। एसईसीएल सुभाष ब्लॉक निवासी आरपी खांडे के घर के ब्रम्हकमल खिला है। श्री खांडे के आंगन में आज ब्रम्हकमल के 14 फूल एक साथ खिले हैं। इसके पूर्व भी 4 फूल खिले थे। कहा जाता है कि ब्रम्हकमल 12 वर्षों में खिलता है। इसका वैज्ञानिक नाम सोसोरिया ओबेवेलाटा है जो एक बिना कांटे के केक्टस प्रजाति का पौधा है जिसकी ऊंचाई 2 से तीन मीटर तक होती है। इसके पत्ते मोटे, मांसल और गूदेदार होते हैं जो तने के साथ पौधे की शाखाओं जैसे होते हैं। इसके पत्तों के खण्डों के किनारे से कमल की लम्बी नाल के साथ कमल की आकृति में खिलते हैं ,इसीलिए इसे ब्रम्ह कमल कहा जाता है। इसकी खासियत यह है कि इसमें कलियां एक साथ सभी पत्तों में निकलती है और एक साथ बड़े होकर एक साथ ही सुंदर मादक खुशबू के साथ महकते हुए खिलती है। एक-दो दिन के आगे पीछे कलियों की परिपक्वता के अनुसार खिलती है। इसके फूल रात में खिलते हैं और सुबह होने के पूर्व सिकुड़ जाती है। केक्टस प्रजाति के सभी पौधे इसी तरीके से खिलते हैं।

स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने साइक्लोथॉन आज

कोरबा, 26 अगस्त (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के द्वारा सभी जिलों में साइक्लोथॉन-3.0 फिटनेस की डोज 1 घंटे रोज का आयोजन 27 अगस्त को आयोजन किया जा रहा है। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच भारतवर्ष में 800 शाखों का नेतृत्व करती है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए फिटनेस की डोज एक घंटा रोज साइक्लोथॉन-3.0 का आयोजन दिल्ली से दिल्ली तक यानी भारत के सभी मुख्य शहर में आयोजन कराया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, निवृतमान प्रांतीय अध्यक्ष अमर सुल्तानिया, कार्यकारी प्रांतीय अध्यक्ष प्रशांत गांधी, प्रांतीय महामंत्री राज अग्रवाल, प्रांतीय कार्यालय उपाध्यक्ष विक्रांत अग्रवाल, प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्रवण अग्रवाल, प्रांतीय संयोजक युवा विकास एवं खेलकूद कविता सोनी, प्रांतीय चेयरमैन प्रीति पोद्दार, प्रांतीय सहसंयोजक विकास अग्रवाल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के 50 शाखाओं में इनका आयोजन किया जा रहा है जिसमें बच्चे, महिलाएं, बड़े सभी साइकिल पर अपने स्वास्थ्य को स्वस्थ रखते हुए फिटनेस की डोज एक घंटा रोज स्वस्थ जागरूकता अभियान के तहत नजर आएंगे। राजस्व मंत्री के मुख्य आतिथ्य में एनटीपीसी के टाउनशिप में आयोजन किया जाएगा।

कोरबा के शतरंज खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर करेंगे छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व

कोरबा, 26 अगस्त (देशबन्धु)। जिला शतरंज संघ कोरबा द्वारा जिला स्तरीय शतरंज चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बालक और बालिका वर्ग से 2-2 खिलाडियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित किया गया। राज्य स्तरीय शतरंज चैंपियनशिप भिलाई सेक्टर -6 में 21 अगस्त से 24 अगस्त तक सम्पंन हुआ जिसमें प्रदेश के कुल 200 से अधिक खिलाड़ी शामिल हुए। यह प्रतियोगिता 13 वर्ष से कम आयु वर्ग के लिए आयोजित थी। आयु वर्ग 7 बालिका वर्ग में इधिका राजनांदगाँव 4.5 अंकों के साथ प्रथम,द्वितीय स्थान पर कोरबा की अंशिका पटेल ने 4 अंक हासिल किया। 3.5 अंक के साथ तृतीय स्थान पर कोरबा की सिद्धि सराफ रही। अंडर-9 बालिका वर्ग में राजनांदगाँव से राशि 4.5 अंक से प्रथम, शिवांगी सोनी 4 अंक से द्वितीय तथा रायगढ़ के अनिरुद्धी अनंत 4 अंक से तृतीय स्थान पर रहे। इन्हें ट्रॉफी और प्रमाण पत्र से नवाजा गया और नैशनल टीम के लिए चयनित हुई प्रत्येक वर्ग में 2-2 खिलाडियों का चयन नेशनल चैम्पियनशिप के लिए हुआ। कोरबा से दो खिलाड़ी चयनित हुए जो अक्टूबर-नवंबर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। संघ के सचिव आर एल विश्वकर्मा सहित जिला शतरंज संघ ने सभी खिलाडियों को शुभकामनाएं दी।

आदिवासी विकास परिषद के कार्यालय से सामान गायब, शिकायत

कोरबा, 26 अगस्त (देशबन्धु)। आदिवासी विकास परिषद कार्यालय में केआर राज द्वारा मेंटेनेंस के नाम किराया दिया गया था लेकिन किराएदार संतोष मरकाम के द्वारा कार्यालय में उपस्थित समान गायब कर दिया गया। इसकी लिखित शिकायत भूस्वामी छत्तीसगढ़ आदिवासी विकास परिषद, संगठन की जिला अध्यक्ष श्रीमती जेबी करपे एवं आदिवासी शक्तिपीठ के अध्यक्ष डॉ. एम कुशरो ने लिखित शिकायत पुलिस अधीक्षक, आजाक थाना, मानिकपुर चौकी से किया है। शिकायत में मिलीभगत की आशंका जताते हुए बताया कि 12 कुर्सी, 1 टेबल, 1अलमारी, 2 दरी, 2 कूलर गायब है। आदिवासी शक्ति पीठ पर नियम विरुद्ध निर्माण कार्य में मेन रोड पर बने भवन को तोडक़र दुकान बना दिया गया और कुछ लोगों के द्वारा आपस में व्यक्तिगत बांट लिया गया। इसकी शिकायत कलेक्टर से पूर्व में 29/08/2022 व 11/04/2023 को किया जा चुका है लेकिन अभी तक कार्यवाही नहीं किया गया।

जितेंद्र वासन का निधन

कोरबा, 26 अगस्त (देशबन्धु)। गौरीशंकर मंदिर मुख्य मार्ग के पीछे निवासरत नगर के प्रतिष्ठित नागरिक जितेंद्र वासन का 77 वर्ष की आयु में शनिवार को सुबह निधन हो गया। वे कांग्रेस नेता सत्येंद्र वासन, अनिल व गुलशन के बड़े भाई तथा आशा वासन के पति, वरुण व मालविका के पिता थे। जितेन्द्र वासन के निधन की खबर से स्थानीय लोगों सहित शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ पड़ी। उनकी अंतिम यात्रा निवास स्थान से मोतीसागर पारा मुक्तिधाम के लिए रविवार 27 अगस्त को सुबह 10 बजे प्रारंभ होगी।

खड़े ट्रेलर से भिड़ा ट्रक, चालक की मौके पर मौत

कोरबा, 26 अगस्त (देशबन्धु)। दीपका-हरदी बाजार बाईपास मार्ग पर कोयला लोड ट्रक की खड़े ट्रेलर के साथ भिड़ंत हो गई। घटना में ट्रक ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया।

जानकारी के अनुसार मामला दीपका थाना क्षेत्र का है। शनिवार को ट्रक चालक सुखसागर कश्यप अपनी ट्रक में कोयला लेकर जांजगीर-चाम्पा जिले के ग्राम बलौदा की तरफ जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही गाड़ी को बचाने के चक्कर में वह सडक़ पर खड़े ट्रेलर से जा टकराया। ब्रेकडाउन के कारण ट्रेलर सडक़ पर खड़ा था, जिसके डाले से ट्रक की टक्कर हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि ट्रक का केबिन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक सुखसागर कश्यप ग्राम कसियाडीह का निवासी था। दुर्घटना के वक्त ट्रेलर में ड्राइवर मौजूद नहीं था। इधर हादसे के बाद मौके पर लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में लोगों ने चक्काजाम कर दिया। इससे दीपका-हरदी बाजार मार्ग पर गाडियों की लंबी कतार लग गई। लोगों ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग की।

घटना की जानकारी पर दीपका पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। ट्रेलर की कंपनी की तरफ से मृतक के परिजन को तत्काल 1 लाख रुपए की सहायता राशि दी गई। प्रशासन की ओर से 25 हजार रुपए की सहायता राशि पीड़ित परिजन को प्रदाय किया गया जिसके उपरांत चक्काजाम समाप्त हुआ। पुलिस द्वारा दुर्घटनाकारित क्षतिग्रस्त वाहनों को जप्त कर लापरवाह ट्रेलर चालक के विरूद्ध धारा 304 ए भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना जारी रखी है। आज शव को पोस्टमार्टम बाद परिजनों के सुपुर्द करने की कार्यवाही की गई।

चिमनी के जरिए बाहर उड़ाई जा रही राख

कोरबा, 26 अगस्त (देशबन्धु)। ठेका श्रमिकों की प्रदेशव्यापी हड़ताल से अब संयंत्रों पर असर पडऩे लगा है। सफाई नहीं होने से एचटीपीएस संयंत्र का साइलो राख से भर चुका है, प्रबंधन द्वारा चिमनी के जरिए राखड़ को वायु मार्ग से उड़ाकर निस्तार किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण मंडल का इस ओर ध्यान नहीं होने से अब जिले की जनता को प्रदूषण की दोहरी मार झेलनी पड़ेगी।

गौरतलब है कि विद्युत ठेका श्रमिक संघ के बैनर तले छत्तीसगढ़ की ठेका प्रथा के खिलाफ तथा विभागीय वेतन प्रदाय किए जाने की मांग को लेकर पूरे प्रदेश में ठेका कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर 25 अगस्त से चले गए हैं। हड़ताल में शामिल ठेका श्रमिकों ने बताया कि हड़ताल के पहले दिन ही संयंत्रों में असर देखने को मिल रहा है। ठेका श्रमिकों के काम बंद हड़ताल पर जाते ही साइलो टैंक की सफाई बंद हो गई और साइलो राखड़ से भर गया। अब प्रबंधन राखड़ को वाहनों के माध्यम से बाहर नहीं निकाल पा रहा है और राखड़ को बाहर निकालना भी जरूरी है। प्रबंधन के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं होने से चिमनी के द्वारा राख को हवा में घोलकर बाहर निकाला जा रहा है और प्रदूषण फैलाया जा रहा है।

आश्वासन के अनुरूप वैकल्पिक मार्ग पर कार्यवाही नहीं होने से नाराजगी

धरना प्रदर्शन आंदोलन का निर्णय

कोरबा-दीपका, 26 अगस्त (देशबन्धु)। नगर पालिका परिषद दीपका अंतर्गत गौरव पथ मार्ग से कोल परिवहन बंद करने और मार्ग की आजादी के लिए पिछले 14 दिनों से धरना प्रदर्शन आंदोलन समाजसेवी उमा गोपाल, बंशी दास महंत और क्षेत्रवासियों द्वारा किया जा रहा है। इनका कहना है कि नगर पालिका परिषद दीपका क्षेत्र का इस मार्ग के कारण विकास रुक गया है। मार्ग में कोयला खदानों से गाडियों का आए दिन हजारों के तादाद में इस मार्ग से होकर गुजरने के कारण पूरा रास्ता कोयले के कीचड़ से युक्त हो गया है जिसके कारण आम नागरिकों को चलना भी मुश्किल हो गया है। कई मर्तबा छोटे वाहन फिसल कर गिर गए है और सवारों को गंभीर चोटें आई है। इस मामले में कटघोरा एसडीएम द्वारा आंदोलन स्थल पहुंचकर टीम गठित कर एक हफ्ते के भीतर वैकल्पिक मार्ग का निरीक्षण करने आश्वस्त किया गया था और तब जाकर अनशन को समाप्त किया गया लेकिन अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन जारी रखा गया है। आश्वासन को एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी कोई ठोस पहल नहीं होने से नागरिकों में नाराजगी व्याप्त है।

पालिका अध्यक्ष और सीएमओ गंभीर नहीं, सोमवार को घेराव

उक्त आंदोलन को अब चरणबद्ध तेज करने का निर्णय लिया गया है। पांच चरणों में आंदोलन करने की घोषणा की गई। क्षेत्रवासियों की मांग रही कि सामान्य सभा बुलाकर नगर पालिका दीपका से गौरव पथ मार्ग के लिए जारी एनओसी को रद्द किया जाए जिस पर एक दर्जन से अधिक पार्षदों ने अपनी सहमति प्रदान करते हुए सामान्य सभा बुलाने का प्रस्ताव किया है लेकिन पालिकाध्यक्ष और नगर पालिका सीएमओ गौरव पथ के मामले पर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। इस कारण से पालिका का घेराव सोमवार को करने का निर्णय लिया गया है। दूसरे चरण में गौरव पथ मार्ग पर कोल वाहनों को ठप्प किया जाएगा। तीसरे चरण में थाना चौक पर कोयले से लदे गाडियों को बंद किया जाएगा। चौथे चरण में श्रमिक चौक को जाम किया जाएगा और अंतिम पांचवें चरण में दीपका खदान को पूर्ण बंद करने के निर्णय की घोषणा की गई।

जिला स्तरीय समस्या निवारण शिविर का 9 पंचायतों के ग्रामीणों ने किया विरोध

कोरबा-मोरगा, 26 अगस्त (देशबन्धु)। शासन की योजनानुरूप व्यक्तिगत एवं सामुदायिक संसाधन अधिकार पत्र की उम्मीद में लंबा समय व्यतीत कर चुके ग्रामवासियों में अब आक्रोश व्याप्त है। इन्होंने अपना विरोध और आक्रोश जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का बहिष्कार कर प्रकट किया है।

पोड़ी-उपरोड़ा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले दूरस्थ ग्राम पंचायत मोरगा, मदनपुर, पतुरियाडांड, गिद्धमुड़ी, खिरटी, अरसिया, केंदई, साखो और धजाक में व्यक्तिगत वन अधिकार दावा फार्म अनुमोदन पश्चात खंड स्तरीय समिति के पास ग्रामवासियों द्वारा विधिवत जमा किया गया है। इन दावा आवेदनों का आज दिनांक तक निराकरण न करते हुए व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र वितरण नहीं किया गया है। ग्राम पंचायतों के 16 ग्रामों द्वारा वन अधिकार समिति के माध्यम से सामुदायिक वन संसाधन अधिकार हेतु प्रक्रिया पूर्ण कर खंड स्तर पर जमा करने के बाद भी अधिकार पत्र प्रदाय करने में विलंब होने से समस्त ग्रामवासियों व जनप्रतिनिधियों में भारी असंतुष्टि एवं आक्रोश है। इन ग्रामवासियों की ओर से ग्राम पंचायत मोरगा, केंदई, साखो, गिद्धमुड़ी, खिरटी, मदनपुर, पतुरियाडांड, परला, अरसिया के सरपंच सहित वन अधिकार समिति मदनपुर, उच्चलेंगा, मोरगा के अध्यक्ष तथा जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 25 मदनपुर बजरंग सिंह पैकरा ने जिलाधीश के नाम ज्ञापन आवेदन मोरगा चौकी में देते हुए कहा है कि 19 अगस्त को ग्राम पंचायत मोरगा में प्रशासन द्वारा आयोजित किए जाने वाले जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का वन अधिकार पत्र नहीं मिलने तक पूर्ण रूप से विरोध करते हैं। मांग की गई है कि शिविर से पूर्व क्षेत्र में व्यक्तिगत वन अधिकार एवं सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र प्रदान करें।

प्लेसमेंट कैंप का आयोजन कल

कोरबा, 26 अगस्त (देशबन्धु)। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र कोरबा द्वारा 28 अगस्त को प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप में एस.के. इलेक्ट्रिकल्स एण्ड इंजीनियरिंग वर्क बुधवारी कोरबा में सर्विस टेक्निशियन के 05 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। उक्त पद हेतु आवेदकों की आयु सीमा 18 से 27 वर्ष तथा शैक्षणिक योग्यता 12वीं वांछनीय है। इच्छुक आवेदक 28 अगस्त को प्रातः 11 बजे कार्यालय जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र में उपस्थित होकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

सडक़ों पर न रहे अंधेरा, सभी स्ट्रीट लाइट जले-आयुक्त

स्ट्रीट लाइट का कार्य तेज

कोरबा, 26 अगस्त (देशबन्धु)। आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर नगर निगम के विद्युत विभाग के अमले के द्वारा स्ट्रीट लाइट व हाई मास्ट लाइट के सुधार, मरम्मत व आवश्यकतानुसार लाइटों को बदलने, नई लाइट लगाने का कार्य निरंतर जारी है। कोरबा-चाम्पा मुख्य मार्ग पर बरबसपुर से भिलाइखुर्द, वार्ड 61, वार्ड 51 व 33, वीआईपी रोड, रामपुर, नेहरू नगर, लालघाट, पटेलनगर सहित बाकी मोगरा व दर्री जोन में स्ट्रीट लाइटों व हाई मास्ट लाइटों के सुधार मरम्मत के कार्य किए गए।

निगम आयुक्त सुश्री ममगाई ने निगम के विद्युत विभाग के अभियंताओं को कड़े निर्देश दिए हैं कि सडक़ों पर अंधेरा ना रहे, स्थापित स्ट्रीट लाइट व हाई मास्ट लाइट जले, यह अंतिम रूप से सुनिश्चित करें। निगम अमले द्वारा विगत दिनों से इस पर लगातार कार्रवाई कर लाइटों के सुधारने व बदलने का कार्य किया जा रहा है। निगम के सहायक अभियंता राकेश मसीह ने बताया कि वार्ड क्रमांक 33, 51, 61 वीआईपी रोड, रामपुर, नेहरू नगर, लालघाट, ईमली डुग्गू भिलाई खुर्द से बरबसपुर तक मुख्य मार्ग सहित बाकीमोंगरा व दर्री जोन के विभिन्न भागों में स्ट्रीट लाइट का सुधार व मरम्मत कार्य किया गया, साथ ही आवश्यकतानुसार लाइटें बदली गई। उन्होंने बताया कि हाई मास्ट लाइटों का सुधार व मरम्मत का कार्य भी किया गया एवं बंद पड़ी लाइटें जलाई गई।

महापौर ने किया निर्माणाधीन सभा भवन का निरीक्षण

नाला निर्माण की धीमी गति पर अधिकारियों व एजेंसी को खरी खोटी सुनाई

कोरबा, 26 अगस्त (देशबन्धु)। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने वार्ड क्र. 33 अंतर्गत सभा भवन तथा उसके सामने निर्माणाधीन बड़े नाले के कार्यो का निरीक्षण कर निर्माण एजेंसी तथा निगम के अधिकारियों को कहा कि सभा भवन तथा बड़े नाले का काम को जल्द से जल्द पूरा कराये ताकि उसका लोकार्पण कार्य जल्द हो सके।

श्री प्रसाद ने कहा कि कार्य राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मद से स्वीकृत 5 करोड़ रूपये की राशि से भव्य सभागृह का निर्माण कराया जा रहा है। महापौर श्री प्रसाद ने निगम के निर्माणाधीन सभागृह का निरीक्षण किया, भू-तल एवं प्रथम तल का भ्रमण करते हुए उन्होने सभागृह की बैठक व्यवस्था, महापौर कक्ष, सभापति कक्ष, आयुक्त कक्ष, काउंसलर कक्ष, कार्यालय कक्ष, लाबी, गैलेरी सहित अन्य विभिन्न स्थलों का जायजा लेते हुए सभागृह की बेहतर व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। उन्होने सभागृह के बाहरी परिसर के निर्माण, सौदंर्यीकरण एवं गार्डनिंग तथा अन्य कार्यो हेतु तत्काल कार्य कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही महापौर ने वार्डो में चल रहे विकास कार्यो व सफाई व्यवस्था के कार्यो को भी देखा। सभागृह के बगल में लगभग 1 करोड़ की लागत के बन रहे नाले का निरीक्षण भी महापौर श्री प्रसाद ने किया। कार्य की प्रगति पर असंतोष जाहिर करते हुए महापौर ने निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि को खरी खोटी सुनाते हुए अधिकारियों से भी जल्द से जल्द नाला निर्माण एवं सभागृह के विकास कार्य को पूरा कराने के निर्देश दिये। इस दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य पालूराम साहू, आनंद पालीवाल, लीलाधर पटेल, विनोद गोंड़, आकाश अग्रवाल, नयन चौधरी के साथ ही अन्य नागरिकगण उपस्थित थे।

एसडीएम श्रीकांत वर्मा को जिला प्रोटोकॉल अधिकारी का भी दायित्व

कोरबा, 26 अगस्त (देशबन्धु)। कलेक्टर सौरभ कुमार ने प्रशासनिक व्यवस्था की दृष्टिकोण से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा श्रीकांत वर्मा को आगामी आदेश पर्यन्त तक अस्थाई रूप से जिला प्रोटोकॉल अधिकारी का दायित्व सौंपा है। साथ ही अनुविभागीय अधिकारियों के अवकाश अवधि के दौरान जिले में पदस्थ प्रशासनिक अधिकारियों को आगामी आदेश पर्यन्त तक संयोजक अधिकारी का प्रभार सौंपा है। इसके अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीकांत वर्मा की अवकाश अवधि में डिप्टी कलेक्टर सुश्री सीमा पात्रे को संयोजक अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। इसी प्रकार एसडीएम कटघोरा श्रीमती ऋचा सिंह के अवकाश अवधि के दौरान डिप्टी कलेक्टर सरोज कुमार महिलांगे, एसडीएम पोड़ी-उपरोड़ा हरिशंकर पैंकरा के अवकाश अवधि में संयुक्त कलेक्टर सेवा राम दीवान तथा एसडीएम पाली सुश्री रूचि शार्दुल के अवकाश अवधि में डिप्टी कलेक्टर विकास कुमार चौधरी को संयोजक अधिकारी नियुक्त किया गया है।

परिजन नहीं मिले तो पुलिस ने वृद्धा की अर्थी को दिया कंधा

सर्वमंगला पुलिस सहायता केन्द्र प्रभारी की मानवीय पहल, किया अंतिम संस्कार

कोरबा, 26 अगस्त (देशबन्धु)। न जाने कहां से नहर में बहकर सर्वमंगला क्षेत्र में पहुंची एक वृद्ध महिला को अंतिम समय में न तो परिजनों का सहारा मिला और न ही कंधा। 4 दिन से इस अज्ञात वृद्धा का शव जिला अस्पताल की मर्च्युरी में खुद की पहचान होने और परिजनों के इंतजार में पड़ा रहा। आखिरकार जब शव खराब होने की स्थिति में पहुंचने लगा तो अपने उच्च अधिकारियों को अवगत कराते हुए उनके मार्गदर्शन में सर्वमंगला पुलिस सहायता केन्द्र के प्रभारी एएसआई विभव तिवारी ने मानवता के साथ-साथ अज्ञात वृद्धा के लिए एक बेटे की तरह फर्ज निभाया। एएसआई ने सहायक केन्द्र में सहकर्मी एएसआई प्रकाश रजक, आरक्षक उमेश डडसेना और सुखनंदन टंडन के साथ अज्ञात वृद्धा की अर्थी को कांधा दिया। स्थानीय मोहल्लेवासी उसकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए। पुलिस सहायता केन्द्र के निकट स्थानीय मुक्तिधाम में विधि-विधान के साथ वृद्धा का अंतिम संस्कार किया गया। जिला पुलिस के इस मानवीय और सहृदयी कार्य की जहां स्थानीय लोगों ने प्रशंसा की है वहीं एएसआई विभव तिवारी ने कहा है कि उन्हें इस तरह के सामाजिक कार्यों की प्रेरणा अपने उच्च अधिकारियों से मिलती है। विभव तवारी ने बताया कि करीब 60-65 वर्षीय वृद्धा का शव 21 अगस्त की शाम लगभग 4.30 बजे दर्री की ओर से आने वाले गर्म पानी के नहर में बहते हुए आया था। वृद्धा के दाए हाथ और पैर में गोदना गोदाया हुआ है। उसकी पहचान कराने की काफी कोशिश की गई लेकिन आज पर्यन्त न तो शिनाख्त हो सकी थी और न ही किसी लापता वृद्धा की तलाश करते हुए कोई परिजन थाना या चौकी पहुंचे थे।

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने जिला न्यायालय का किया निरीक्षण

■ केंद्रीय जेल व बाल संप्रेषण गृह सहित नारी निकेतन की व्यवस्था भी देखी

अंबिकापुर 24 अगस्त (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने जिला सरगुजा प्रवास के दौरान जिला न्यायालय का निरीक्षण किया । उन्होंने जिला कोर्ट के प्रत्येक शाखा जैसे नकल रूम, रिकॉर्ड रूम एवं समस्त न्यायालयो का निरीक्षण करने के बाद जिला अधिवक्ता संघ के साथ बैठक ली। इस दौरान उन्हें शॉल-श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि अम्बिकापुर में जिला न्यायालय में लगभग 46 करोड़ रूपए की लागत से कंपोजिट बिल्डिंग निर्माण कार्य किया जाएगा,स्वीकृति हेतु शासन को पत्र भेज दिया गया है।

इस दौरान श्री सिन्हा ने अम्बिकापुर में मां महामाया मंदिर दर्शन करने के बाद केंद्रीय जेल का भी औचक निरीक्षण किया। उन्होंने पुरुष बंदीगृह के सभी बैरकों और महिला बंदीगृह का निरीक्षण किया। इसके साथ ही जेल के अस्पताल का भी निरीक्षण किया। मुख्य न्यायाधीश ने जेल में स्थायी रूप से चिकित्सक की नियुक्ति और बंदियों को दिए जा रहे दवाई की जानकारी ली।

चीफ जस्टिस श्री सिन्हा ने जेल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम, विधिक प्रकोष्ठ का निरीक्षण कर जानकारी ली। इसके साथ ही जेल की कैंटीन, बंदियों की ओर से संचालित बुनाई कक्ष, शिक्षा केन्द्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने जेल अधीक्षक से महिला बंदियों के रह रहे बच्चों को मिलने वाली सुविधाएं जैसे कि स्वास्थ्य, शिक्षा और उनके सर्वांगीण विकास के लिए व्यवस्था की जानकारी ली और आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने के दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही वे बाल संप्रेषण गृह में औचक निरीक्षण पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बच्चों से बात कर बाल संप्रेक्षण गृह मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान बाल संप्रेषण गृह की कमरों की स्थिति की जांच की। साथ ही बिल्डिंग मेंटनेंस कराने के दिशा-निर्देश दिए। मुख्य न्यायाधीश ने बाल संप्रेषण गृह बालिका एवं नारी निकेतन का निरीक्षण कर वहां मौजूद महिलाओं से बात कर सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायाधीश के साथ रजिस्ट्रार जनरल श्री अरविन्द कुमार वर्मा तथा एडिशनल रजिस्ट्रार कम पीपीएस श्री एम.बी.एल.एन सुब्रहमन्यम भी उपस्थित रहे।

राज्य के न्यायालयों में दिखने का असर

उल्लेखनीय है कि मुख्य न्यायाधीश अपने कुछ माह के कार्यकाल में ही राज्य के अधिकांश जिला न्यायालयों का भौतिक निरीक्षण करते हुए अधोसंरचना व व्यवस्था में सुधार हेतु अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं जिसके परिणामस्वरूप कार्य व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन भी दिखाई देना शुरू हो गया हैं।

सार-संक्षेप

सब्जी बीज विक्रय केन्द्रों का अफसरों ने किया निरीक्षण

अंबिकापुर , 26 अगस्त (देशबन्धु)। उद्यानिकी विभाग के उपसंचालक ने बताया प्राप्त शिकायतों के निराकरण के लिए उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, रायपुर के संचालनालयीन प्रतिनिधि श्री नीरज साह के नेतृत्व में जिला सरगुजा की टीम द्वारा अम्बिकापुर के सब्जी बीज विक्रय करने वाले 03 दुकानों में औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान टीम को गड़बड़ियाँ पकड़ में आयी। जिसमें कुछ बीज ऐसे कम्पनी के भी पाये गये जिसका उनके पास प्रिंसिपल सर्टिफिकेट नहीं था। उन बीजों को जब्त कर बीज विक्रय प्रतिबंधित किया गया। निरीक्षण में जो कमियां पायी गई उसके विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश जिला टीम को दिया गया व विक्रेताओं को पी.सी. जुड़वाने के निर्देश दिये गये एवं नोटिस जारी किया गया साथ ही बीज विक्रेताओं को स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई कि प्रिंसिपल सर्टिफिकेट वाले कम्पनी के अतिरिक्त दूसरे कम्पनी का बीज विक्रय न करें।टीम में बीज अनुज्ञा अधिकारी एवं उप संचालक श्री अजय सिंह कुशवाहा, लखनपुर के बीज निरीक्षक एवं वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी उमेश कुमार पैकरा तथा वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी अम्बिकापुर दिलीप कुमार सिंह शामिल थे।

अवैध शराब, जुआ, सट्टा के खिलाफ कार्रवाई

मनेन्द्रगढ, 26 अगस्त (देशबन्धु)। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रद्युम्न तिवारी थाना झगराखाण्ड के द्वारा टीम के साथ ग्राम लेदरी गिद्धडांड में अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब बिक्री करने हेतु परिवहन करते हुए पाये जाने पर आरोपी श्रवण अगरिया आ0 केमला प्रसाद अगरिया उम्र 35 वर्ष एवं आरोपी विजय कुमार अगरिया आ0 केमला प्रसाद अगरिया उम्र 38 वर्ष सा0 वार्ड नं. 10 गिद्धडांड नई लेदरी थाना झगराखाण्ड को 10-10 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ पकड़ा जाकर धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत विधिवत कार्यवाही किया जाकर न्यायालय पेश किया गया है। इसी प्रकार 25 अगस्त को जमालुद्दीन उर्फ जमालू आ0 अब्दुल वाहिद उम्र 35 वर्ष साह गेल्हा झरिया वार्ड नं. 01 नार्थ झगराखाण्ड थाना झगराखाण्ड जिला एम.सी.बी. छ0ग0 तथा अजय कुमार सेन आ0 स्व0 बाबादीन सेन उम्र 37 वर्ष सा0 गेल्हाझरिया वार्ड नं. 01, थाना झगराखाण्ड जिला एम.सी.बी. के द्वारा अवैध रूप से सट्टा पट्टी काटते हुए पाये जाने पर विधिवत छ0ग0 जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 06 के तहत कार्यवाही किया जा कर न्यायालय पेश किया गया है तथा आरोपी पवन कुमार सेन उर्फ शनि आ0 स्व0 बाबादीन सेन उम्र 33 वर्ष सा0 गेल्हाझरिया वार्ड नं. 01, थाना झगराखाण्ड जिला एम.सी.बी. के द्वारा अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब एवं अंगेजी शराब बिक्री करने हेतु परिवहन करते पाये जाने पर धारा 34(1)आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

दिव्यांग मतदाताओं को मतदान के लिए किया गया जागरूक

मनेंद्रगढ़, 26 अगस्त (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार दुग्गा के मार्गदर्शन में संपूर्ण जिले में स्वीप के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। जिले के सभी मतदाताओं को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से वोट डालने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ में दिव्यांग मतदाताओं को मतदान जागरूकता के तहत मतदान करने हेतु जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में दिव्यांग मतदाताओं को आगामी विधान सभा निर्वाचन 2023 में शत-प्रतिशत मतदान करने एवं अपने आस पास के लोगो को मतदान हेतु प्रेरित करने के संबंध में जानकारी दी गई। उन्हें ईवीएम मशीन के माध्यम से मत रिकॉर्ड करने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

आत्मानन्द अंग्रेजी माध्यम कालेज में प्रवेश तिथि 10 सितंबर तक बढ़ी

अंबिकापुर 26 अगस्त (देशबन्धु)। स्वामी आत्मानन्द शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय अम्बिकापुर के प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय में बी.एस.सी. बॉयोलाजी, माइक्रो बॉयोलाजी, बायोटेक्नोलॉजी, गणित एवं सूचना प्रौद्योगिकी विषय में स्नातक तथा रसायन शास्त्र एवं गणित विषय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालय में बचे हुए सीट पर प्रवेश की तिथि 10 सितम्बर 2023 तक बढ़ाई गई। अंग्रेजी माध्यम में आगे की पढ़ाई के लिए इच्छुक छात्र- छात्रा संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय की वेबसाइट ीजजचरूध्ध्हहबहण्पद में जाकर अपना आवेदन ऑनलाइन भरकर महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

के जी कॉलेज में जिलास्तरीय स्वीप महोत्सव आयोजित

रायगढ़ 26 अगस्त (देशबन्धु)। किरोड़ीमल शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ में स्वीप सतरंगी माह के तहत जिलास्तरीय स्वीप महोत्सव के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए।

कार्यक्रम का प्रारम्भ प्राचार्य डॉ. प्रीति बाला बैस द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। तत्पश्चात मंचस्थ अतिथियों का स्वागत किया गया। इसके पश्चात विभिन्न प्रतियोगिताएं शुरू हुई। इन प्रतियोगिताओं में प्रश्न मंच, रंगोली (एकल-सामूहिक), पोस्टर मेकिंग, स्लोगन एवं भाषण प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। उक्त विधाओं में माह के आरम्भ से ही जिले के सभी शासकीय अशासकीय महाविद्यालयों में महाविद्यलय स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। उन्हीं प्रतियोगियों में से प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागियों के मध्य जिला स्तर पर प्रतियोगिता कराई गई। जिसमे रायगढ़ के के एम टी कॉलेज, पी डी कॉलेज, पुसौर कॉलेज, सरिया कॉलेज, चपले कॉलेज, कुसमुरा कॉलेज, खरसिया कॉलेज, जोबी कॉलेज, धरमजयगढ़ कॉलेज, घरघोड़ा कॉलेज, तमनार कॉलेज, लैलूंगा कॉलेज के अलावा अशासकीय कॉलेज जैसे जेबीजी कॉलेज, रायगढ़ कॉलेज ऑफ एजुकेशन ने भाग लिया। जिसमें प्रश्न मंच में निकुम दास शासकीय महाविद्यालय पुसौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं भाषण प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय तमनार की छात्रा सिमरन साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

उपमुख्यमंत्री सिंहदेव ने कोरोना वारियर्स का किया सम्मान

रेडक्रास ने आयोजित किया लड़े हैं जीते हैं कार्यक्रम

अंबिकापुर 24 अगस्त (देशबन्धु)। आज अंबिकापुर के पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में 'लड़े हैं जीते हैं' कार्यक्रम संपन्न हुआ। रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सरगुजा के कोरोना वारियर्स को सम्मानित किया गया। उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने 'लड़े हैं जीते हैं' के मंच से सरगुजा जिले के कोरोना वारियर्स को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस कार्यक्रम में कोरोना काल में उत्कृष्ट योगदान के लिए 1000 से अधिक कोरोना वारियर्स को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। पुरस्कृतों में कई ऐसे थे जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से ज़रूरतमंदों की सहायता की। साथ ही वो भी थे जिन्होंने एक समूह के रूप कोरोना से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

पुरस्कार पाने वालो में मितानिनें, मरीज़ों की सेवा करने वाले निजी अस्पताल, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और मीडिया कर्मी शामिल हैं। इनके साथ-साथ नर्स, आरएचओ, पुलिस कर्मियों, ऑक्सीजन की आपूर्ति में योगदान देने वाले एनजीओ को सम्मानित किया गया। कई लैब टेक्नीशियन ने इस दौरान संक्रमित लोगों की पहचान हेतु जांच में महत्वपूर्ण योगदान दिया। फील्ड स्टाफ द्वारा सरगुजा जिले में कंटेनमेंट ज़ोन की पहचान और दवा का किट वितरण करने में योगदान दिया गया। लड़े हैं जीते हैं कार्यक्रम में इन्हें भी रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में कोरोना वारियर्स के योगदान को चित्रित करते थीम गीत को लॉन्च किया गया। पैनल डिस्कशन और जन संवाद कार्यक्रम के दौरान शहर के गणमान्य नागरिकों ने कोरोना काल में अपना अनुभव साझा किया। साथ उपस्थित आमजनों ने भी कोरोना वारियर्स के योगदान पर अपनी बात पर कही और शंका के निवारण हेतु सवाल भी किए। इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंहदेव को कोरोना वारियर्स के रूप में सम्मानित किया गया। उन्हें सम्मानित करते हुए जिला स्वास्थ्य और चिकित्सा अधिकारी श्री पी एल सिसोदिया ने कहा कि बतौर स्वास्थ्य मंत्री कोविड काल में उनका योगदान अतुलनीय था। कार्यक्रम के आखिर में ड्यूटी के दौरान संक्रमण से मृत कोरोना वारियर्स को मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

कोविड की विभीषिका का पहले ही अनुमान लगा लिया था- सिंहदेव

उपमुख्यमंत्री टी0एस0सिंहदेव ने कोविड काल की स्मृतियों पर अपनी बात रखी। बतौर स्वास्थ्य मंत्री कोविड काल के अनुभवों पर उन्होंने बडी ही गहराई से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस बडी आफत को पहले ही भांप लिया गया था। उन्होंने जानकारी दी कि 18 मार्च 2020 को जब छत्तीसगढ में कोविड का पहला केस आया था उसके तीन चार माह पूर्व ही उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर इस बिमारी से निपटने के लिये एक आधारभूत चिकित्सीय ढांचे का निर्माण कर लिया था। इसी कारण छत्तीसगढ में कोविड के शुरुआती दौर में जब कम केस आ रहे थे तब रायपुर में कोविड नियंत्रण के लिये बने अस्पताल में लोगों का इलाज किया। इस दौरान विभिन्न जिलों के जिला अस्पतालों में भी तेजी से कोविड चिकित्सा इकाईयों का गठन किया गया। अम्बिकापुर के कोविड वार्ड का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब अम्बिकापुर में कोविड का पहला मामला आया तब स्वास्थ्य विभाग सशंकित था कि मरीज का इलाज अम्बिकापुर में किया जाये या उसे रायपुर लाया जाये। तब अम्बिकापुर की मेडिकल टीम पर भरोसा करते हुए मरीज का इलाज अम्बिकापुर के कोविड सेंटर में कराने का निर्णय लिया गया। सरगुजा के पहले कोविड मरीज का सफलतापूर्वक अम्बिकापुर के कोविड सेंटर में इलाज हुआ और इसके बाद अम्बिकापुर के कोविड सेंटर के साथ ही विभिन्न अस्पतालों में हजारो मरीजों का इलाज किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि जहां कोविड के नकारात्मक पक्ष की बहुतायत है वहीं इसके कई सकारात्मक परिणाम भी सामने आये। कोविड बिमारी के प्रबंधन में समूचे छत्तीसगढ में चिकित्सा क्षेत्र के आधारभूत ढांचे में अभूतपूर्व बढोत्तरी हुई है। सैकडों आई0सी0यू0 बेड तैयार हुए हैं। सभी प्रमुख सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित हुए हैं।

भाभी ने ननद की हत्या करने दी थी एक लाख की सुपारी

रायगढ़ 26 अगस्त (देशबन्धु)। घरघोड़ा के वार्ड क्रमांक 3, उरांवपारा में गत 21 अगस्त की सुबह रमा उरांव पिता स्वर्गीय मयाराम उरांव (उम्र 30 वर्ष) पर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सोते समय हमला करने के मामले में रायगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बीते 21 अगस्त को उरांवपारा निवासी युवती रमा उरांव पर सोते समय अज्ञात युवकों द्वारा सुबह उस वक्त हमला किया गया था जब उसकी मां बाथरूम की ओर गई थी। युवती के बताए अनुसार हमले के लिए घुसे युवकों ने सबसे पहले युवती का मुंह दबा दिया और धारदार हथियार से उस पर हमला किया पर मुंह पर हाथ पड़ते ही युवती जाग गई और उसने दांतों से युवक की उंगलियों को काटा जिससे हमलावर सफल न हो सके और भाग निकले। पुलिस ने संदेह के आधार पर उसकी भाभी से पूछताछ की गई तो सारा मामला सामने आया। भाभी धनकुंवर तिग्गा ने अपने खुलासे में बताया कि उसका पति रामलाल एसईसीएल कर्मचारी है जिसकी तीन बहने हैं उनमें से बाकी दो की शादी हो चुकी है और रमा बस अविवाहित बची है। घर में अक्सर खेत मकान और जमीन के बंटवारे को लेकर झगड़ा विवाद करते रहते हैं जिससे तंग आकर जब उसने अपनी छोटी बहन दिशा भगत से इस बारे में चर्चा की और रायगढ़ निवासी राजू गुप्ता से संपर्क साधा और एक लाख में सौदा तय किया। घटना दिनांक की पूर्व रात्रि 20 अगस्त को राजू गुप्ता अपने दो अन्य साथी विकास चक्रवर्ती उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम हमीरपुर थाना तमनार और मनिकेतन सिदार उम्र 25 वर्ष ग्राम गैरबहरी थाना तमनार के साथ मोटरसाइकिल से घरघोड़ा आकर पीड़िता की भाभी धनकुंवर तिग्गा के पास

रुका और मौका देखकर सामने रह रही राम के कमरे में घुसकर उस पर हमला किया गया हमले के दौरान रमा के पलटवार से हड़बड़ा कर हमलावर भाग निकले। आरोपीया धन कुंवर के बयान के आधार पर हमले के लिए रकम लेने वाले और हमले में शामिल राजू गुप्ता विकास चक्रवर्ती और मिनकेतन सिदार को साइबर सेल के साथ मिलकर अलग-अलग ठिकानों से हिरासत में लेकर घटना में प्रयुक्त हथियार और वाहन भी बरामद कर लिए गए हैं।

वृद्ध महिला की गुहार पर पुलिस का दिल पसीजा!

रायगढ़ 26 अगस्त (देशबन्धु)। शहर में एक वृद्ध महिला की करूण गुहार पर आखिरकार खाकीवर्दी का दिल पसीजा और कोतवाली टीआई शनिप रात्रे ने अपने स्टाफ की मदद से महिला के विक्षिप्त नाती को मनोरोग अस्पताल में भर्ती कराया है। खाकीवर्दीधारियों की इस मानवीय पहल की शहर में चर्चा के साथ प्रशंसा भी हो रही है।

कल थाना कोतवाली में स्थानीय वृद्ध महिला आकर नगर पुलिस अधीक्षक अभिनव उपाध्याय और थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शनिप रात्रे को उसके 25 वर्षीय नाती की मानसिक स्थिति सही नहीं होने की जानकारी देकर ईलाज कराने में सहयोग करने का निवेदन की। नगर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना प्रभारी कोतवाली को अस्वस्थ युवक का चिकित्सकीय परीक्षण कराकर महिला की आवश्यक मदद करने कहा गया। टीआई कोतवाली शनिप रात्रे द्वारा युवक का स्थानीय डॉक्टर से परीक्षण कराकर माननीय सीजेएम कोर्ट रायगढ़ में युवक के मानसिक स्थिति अस्वस्थ होना दर्शाते हुए आवश्यक उपचार के लिए मानसिक उपचार केंद्र सेन्दरी प्रेषित किए जाने हेतु निवेदन किया गया। थाना कोतवाली के प्रतिवेदन पर माननीय न्यायाधीश द्वारा युवक को आवश्यक उपचार के लिए कोतवाली पुलिस के सुपुर्द किया गया जिसे आज थाना कोतवाली के आरक्षक आशीष महंत द्वारा राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी बिलासपुर अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया गया है।

लता खूंटे ने सारंगढ़ से दिया आवेदन

रायगढ़ 26 अगस्त (देशबन्धु)। खूंटे ने सारंगढ़ विधानसभा क्रमांक 17 से विधायक प्रत्याशी के लिये ब्लाक अध्यक्ष ताराचंद पटेल को आवेदन दिया है। इसी क्रम में लंबे समस से कांग्रेस पार्टी से जुड़े रहते हुए एनएसयूआई ब्लाक महासचिव कांग्रेस से जनपद सभापति एवं जनपद सदस्य संघ प्रदेश अध्यक्ष तक का सफर करने वाली वर्तमान घरघोड़ा जनपद पंचायत सभापति, शिक्षा विभाग सदस्य, संचार एवं सकर्म विभाग अध्यक्ष जनभागीदारी समिति शा.महा. विघालय घरघोड़ा, प्रवक्ता एसटी, एससी, ओबीसी महासंघ जिला रायगढ़, प्रवक्ता इंडियन रह चुकी सुश्री लता खूंटे ने भी इस बार सारंगढ़ विधानसभा से टिकट की मांग करते हुए अपना आवेदन ब्लाक अध्यक्ष ताराचंद पटेल को सौंपा है।

बोलेरो वाहन की टक्कर से ग्रामीण की मौत

रायगढ़ 26 अगस्त (देशबन्धु)। तेज रफ्तार बोलेरो चालक ने तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए घर के सामने खड़े एक बुजुर्ग ग्रामीण को अपनी चपेट में ले लिया। इस दुर्घटना में मौके पर ही ग्रामीण की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मौके पर चक्काजाम शुरू कर दिया है। जिसके बाद तत्कालिक सहायता राशि एवं गाड़ी मालिक के द्वारा मुआवजा दिये जाने की घोषणा के बाद चक्काजाम समाप्त हुआ।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की शाम करीब 7 बजे पुसौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पड़िगांव निवासी फगनु चैहान उम्र करीब 60 साल अपने घर के पास सायकल से कहीं जाने के इरादे से निकला ही था कि रायगढ़ की तरफ से आ रहे एक बोलेरो चालक ने तेज एवं

लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बुजुर्ग को अपनी चपेट में ले लिया।

तेज रफ्तार बोलेरो की ठोकर से ग्रामीण की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जिसके बाद गुस्साये ग्रामीणों ने बोलेरो में सवार दो युवकों की जमकर पिटाई करते हुए उन्हें पुलिस के हवाले करते हुए घटना स्थल पर मृतक के परिजनों को मुआवजा दिलाने की मांग करते हुए चक्काजाम शुरू कर दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने के प्रयास में जुटी हुई है। जिसके बाद मौके पर उपस्थित तहसीलदार के द्वारा तत्कालिक सहायता राशि के रूप में 25 हजार रूपये एवं गाड़ी मालिक के द्वारा 5 लाख रूपये दिये जाने की घोषणा के बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त किया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने सभी प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्षों से की चर्चा

पद सम्हालते ही संगठन में बढ़ाई सक्रियता

मनेंदगढ़, 26 अगस्त (देशबन्धु)। नवगठित जिला मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के जिला कांग्रेस कमेटी के प्रथम अध्यक्ष के रूप में अशोक श्रीवास्तव को जिम्मेदारी मिलते ही एक्टिव मोड़ में नज़र आ रहे है। जिला अध्यक्ष बनते ही पहली बैठक जिला के युवा कांग्रेस, एन एस यू आई, महिला कांग्रेस, सेवा दल के साथ-साथ अन्य सभी प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्षों के साथ की गई, जिसमें जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने सभी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष को अपनी कार्यकारिणी की सूची जिला कार्यालय में उपलब्ध कराने साथ ही जिन प्रकोष्ठों के कार्यकारिणी का गठन नहीं हुआ है उनकी कार्यकारिणी का जल्द से जल्द गठन करने एवं आगामी विधानसभा चुनाव के मध्य नजर उनके द्वारा किए जा रहे तैयारियों के संबंध में चर्चा की। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने सभी अन्य प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्षों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा जहां भी जिला कांग्रेस कमेटी का कार्यालय होगा उस कार्यालय में किसी भी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अपने कार्यकारिणी से संबंधित या अन्य चुनावी तैयारी से संबंधित बैठक कर सकता है बस बैठक करने से पूर्व इसकी सूचना कार्यालय प्रभारी को देना अनिवार्य होगा ताकि किसी दिन एक से अधिक प्रकोष्ठों की बैठक का समय एक दिन ना हो जाए। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने आगे बताया कि कांग्रेस ने उन्हें मौका दिया है वह ग्रामीण परिवेश से निकलकर आए है वो जब तक अध्यक्ष की कुर्सी में रहेंगे तब तक कोशिस करेंगे की संगठन के किसी कार्यकर्ता का मान सम्मान कहीं पर भी कम ना हो उन्होंने सभी प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्षों से भी कहा कि अपने जिला कार्यकारिणी के सभी लोगों को एकजुट कर महत्त्व दीजिए। हम सब मिलकर आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी करेंगे और जिले की दोनों ही सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशियों को विजई बनाएंगे। बैठक में कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अमित पोद्दार, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष हाफिज मेमन, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष शहर नीता डे, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष ग्रामीण निर्मला चतुर्वेदी, कांग्रेस सेवादल जिला अध्यक्ष समीना खातून, कांग्रेस अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष इसरार मोहम्मद, एन एस यू आई जिला अध्यक्ष शहर कासिम अंसारी, एन एस यू आई जिला अध्यक्ष ग्रामीण दिव्यम पांडे, युवा कांग्रेस सोशल मीडिया जिला अध्यक्ष भावेश जैन, आदिवासी कांग्रेस जिला अध्यक्ष युधिस्ठिर कमरों, आई टी सेल और सोशल मीडिया प्रभारी जिला अध्यक्ष मेहुल यादव सहित जिला प्रवक्ता एवं कार्यालय प्रभारी सौरव मिश्रा मौजूद रहें।

सार-संक्षेप

खरसिया चौकी के नए प्रभारी गेंदलाल साहू ने संभाला पदभार

खरसिया, 26 अगस्त (देशबन्धु)। खरसिया चौकी प्रभारी के रूप में उप निरीक्षक गेंदलाल साहू ने कमान संभाल ली है। विगत दिवस पूर्व चौकी प्रभारी उप निरीक्षक अमिताभ खांडेकर ने जीएल साहू का पुष्पगुच्छ देकर चौकी में स्वागत किया और विधिवत उन्हें कार्यभार सौंप दिया। नए चौकी प्रभारी को स्टॉफ ने पुष्पगुच्छ भेंट किया और मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया। नवपदस्थ चौकी प्रभारी जीएल साहू के आने से जहां पुलिसकर्मियों में खुशी थी, वहीं पुराने चौकी प्रभारी अमिताभ खांडेकर के जाने से उनकी आंखें नाम दिखाई दी। खरसिया चौकी के प्रभारी जीएल साहू पदभार ग्रहण करते ही एक्शन मूड में नजर आए। उन्होंने चौकी में अधीनस्थ पुलिसकर्मियों के साथ अपराध समीक्षा की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने चौकी क्षेत्र के भौगोलिक स्थिति को समझा और अधीनस्थों से खरसिया के बारे में जरूरी जानकारी हासिल कर लंबित पड़े मामलों को जल्द से जल्द निपटान के निर्देश दिए। अपराधियों को कड़ा संदेश देते उन्होंने कहा कि 'क्षेत्र में शांति बहाल रखने के साथ-साथ अपराध नियंत्रण हमारी पहली प्राथमिकता होगी

विश्व हिंदू परिषद के विस्तार पर हुई चर्चा

खरसिया, 26 अगस्त (देशबन्धु)। श्री राम जानकी मंदिर में विश्व हिंदू परिषद खरसिया प्रखंड की आज हुई बैठक प्रीतिश बाजपेई विभाग मंत्री, विनय दुबे विभाग संयोजक,बजरंग लाल अग्रवाल जिला अध्यक्ष मुंजाल चावाड़ा जिला मंत्री सहित खरसिया आरएसएस के नगर कार्यवाह-राकेश अग्रवाल गायत्री एवँ सह नगर कार्यवाह विनय चंदवानी विशेष रूप से उपस्थित में हुई।

बैठक में प्रमुख रूप से विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल के आगामी शौर्य दिवस कार्यक्रम सहित संगठन के आगामी कार्यक्रमों में संगठन के विस्तार को लेकर चर्चा हुई। खरसिया प्रखंड में विहिप-बजरंगदल के कार्यो को विस्तार के लिए पूर्व छात्रनेता अधिवक्ता- सामाजिक कार्यकर्ता-भूपेन्द्र किशोर वैष्णव को खरसिया प्रखंड का अध्यक्ष, संजय अग्रवाल (सोनू पार्षद) को महामंत्री एवं अधिवक्ता सुमित शर्मा को सह मंत्री का दायित्व सर्वसम्मति से दिया गया। जल्द ही खरसिया प्रखंड के लिए संयोजक,संयोजिका दुर्गा वाहिनी एवँ संयोजिका मातृ शक्ति के नियुक्ति पर भी विचार किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से विष्णुशर्मा, अमित साहू, देवमणि भारद्वाज,जय प्रकाश श्रीवास,योगेश श्रीवास,टिमन जलतारे ,सोनू भारती सहित दर्जनों की संख्या कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा के नव मतदाता सम्मान में अनुज शर्मा ने की शिरकत

सारंगढ़, 26 अगस्त (देशबन्धु)। आज केडार मण्डल भाजपा द्वारा आयोजित नवमतदाता जागरूकता कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कलाकार अनुज शर्मा ने शिरकत किया और वे मतदाता जिनका नाम इस बार पहली बार मतदाता सूची में जुडा है और वे पहली बार मतदान करेगें उन्हें अनुज शर्मा ने मतदान को एक अधिकार ही नहीं वरन एक स्वतंत्र और मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी आवश्यक रूप से मतदान करने को कहा ।इसके बाद अनुज शर्मा ने केन्द्र सरकार की योजनाओं को यशस्वी बताते हुए इसका गुणगान करते हुए क्षेत्र के पूर्ण विकास के लिए भाजपा को वोट देकर छत्तीसगढ़ में भी भाजपा की सरकार बनाने का आव्हान किया ।इस दौरान रवि भगत जिलाध्यक्ष सुभाष जालान महामंत्री अजय गोपाल केडार भाजपा मण्डल अध्यक्ष चिंताराम साहू जीवन रात्रे अजय नायक मयूरेश केशरवानी,इत्यादि उपस्थित रहे।

चन्द्रयान-3 का चन्द्रमा पर लैडिंग का प्रारूप प्रस्तुत किया गया

जांजगीर, 26 अगस्त (देशबन्धु)। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल बनारी में संस्था के संचालक आलोक अग्रवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह के निर्देशन में 26 अगस्त को स्कूल प्रांगण में विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम संस्था के प्रार्थना प्रांगण में चन्द्रयान-3 का चन्द्रमा पर लैडिंग का प्रारूप प्रस्तुत किया गया। जिसमें समस्त विद्यार्थियों को यह बताया गया कि किस प्रकार चन्द्रयान-3 अपनी निश्चित दूरी तक करते हुए चन्द्रमा पर सफलतापूर्वक पहुँची, साथ ही बच्चों को विज्ञान के चमत्कार के विषय में सारगर्भित जानकारी प्रदान की गई। प्रारूप प्रस्तुतीकरण देखकर विद्यार्थी हर्षोल्लास से गद्गद हो उठे। इस गतिविधि के पश्चात् राखी मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा पहली से चौथी तक के विद्यार्थियों के लिए राखी बनाओं प्रतियोगिता, कक्षा पांचवीं से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए थाली सज्जा प्रतियोगिता, कक्षा नवमीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए ग्रीटिंग कार्ड प्रतियोगिता इत्यादि गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया तथा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस गतिविधि के पश्चात् महिला समानता दिवस मनाया गया जिसमें संस्था के विद्यार्थियों को महिलाओं के अधिकार के विषय में जानकारी प्रदान करते हुए बताया गया कि महिला समानता दिवस कब और क्यों मनाया जाता है। आगे उनको बताया गया कि सर्वप्रथम 26 अगस्त 1920 को इसकी शुरूआत हुई थी। महिला समानता दिवस अमेरिका में मनाया गया था। तब से लेकर आज तक इस दिवस को महिला समानता दिवस के रूप में सम्पूर्ण देश में मनाया जाने लगा। विविध गतिविधियों से संस्था प्रांगण गूंज उठा। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों कार्यालयीन कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

पामगढ़ विस क्षेत्र में बाहरी व स्थानीय को लेकर पोस्टर वॉर

प्रत्याशी चयन को लेकर हुई चूक का भुगतना पड़ सकता है खामियाजा

जांजगीर, 26 अगस्त (देशबन्धु)। जिले के एकमात्र अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित पामगढ़ विधानसभा सीट के लिए कांग्रेस पार्टी की ओर से करीब 53 दावेदारों ने टिकट के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। इधर आवेदन की प्रक्रिया पूरी भी नहीं हुई कि यहां स्थानीय एवं बाहरी को लेकर घमासान मच गया है, पोस्टर वार से लेकर संगठन के आला नेताओं तक इस बात का मैसेज दिया गया है। ऐसे में प्रत्याशी चयन को लेकर पार्टी को अत्यधिक सावधानी बरतनी पड़ेगी अन्यथा लंबे अंतराल के बाद पामगढ़ सीट पर कांग्रेस का विधायक चुने जाने का सपना अधूरा रह सकता है। पामगढ़ विधान सभा क्षेत्र में अभी से बाहरी व स्थानीय दावेदारों के बीच तलवार खिंच रही है। यहां सार्वजनिक रूप से बाहरी लोगों को उम्मीदवार नहीं बनाने के लिए पोस्टर वॉर भी चल पड़ा है। वहीं प्रभारी मंत्री के पहुंचने पर संगठन के पदाधिकारियों व दावेदारों ने भी स्थानीय व बाहरी प्रत्याशी का मुद्दा उठाया तो प्रभारी मंत्री ने मामले में स्थानीय दावेदारों से अलग से चर्चा की। अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित पामगढ़ विधान सभा कांग्रेस के राजनीतिक गलियारों में खासी चर्चा में है। यहां से चुनाव लड़ने के इच्छुक 53 लोगों ने आवेदन किया है। इसमें वे लोग तो हैं ही जिन्होंने पार्टी को सींचा या फिर पार्टी के लिए लगातार काम करते रहे हैं, दर्जन भर ऐसे लोग भी हैं जो विभिन्न विभागों में सरकारी अधिकारी कर्मचारी हैं पर कांग्रेस से टिकट चाह रहे हैं। पिछले चुनाव में भी स्थानीय व बाहरी का मामला चला था। इस बार फिर से यह मामला उठाया जा रहा है। कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार कुछ दावेदारों को वहां के लोग बाहरी मान कर उनका विरोध कर रहे हैं। प्रभारी मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने जांजगीर, अकलतरा के बाद पामगढ़ विधान सभा के दावेदारों की बैठक लेकर चर्चा की। इस विधानसभा से ऐसे लोग टिकट मांग रहे हैं, जो पार्टी के प्राथमिक सदस्य ही नहीं है। ऐसे लोगों ने भी ब्लॉक अध्यक्ष को आवेदन दिया है।

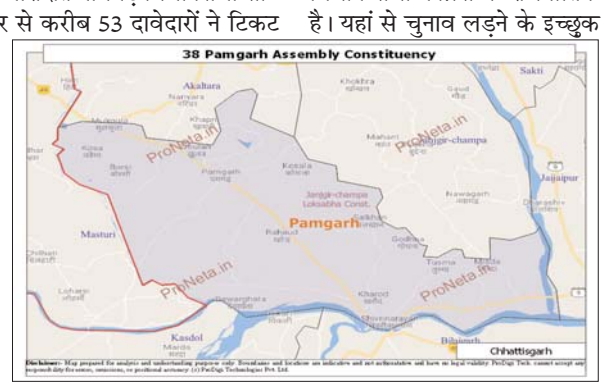

बसपा का रहा है गढ़

छत्तीसगढ़ बनने के बाद पामगढ़ विधानसभा सीट से 23 के चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी महंत रामसुंदर दास ने बहुजन समाज पार्टी का अभेद किला ध्वस्त करते हुए विधायक चुने गए। इससे पहले लगातार तीन बार यहां बसपा के दाऊराम रत्नाकर ने जीत हासिल की थी। जिसके बाद हुए परिसिमन में पामगढ़ को अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित किया गया। यहां 28 में बीजेपी और कांग्रेस को हराकर बसपा ने पुनः जीत हासिल की और दूजराम बौद्ध एमएलए बने। साल 213 में पहली बार पामगढ़ से बीजेपी के अम्बेश जॉगड़े ने जीत हासिल की। लेकिन 218 के चुनाव में पामगढ़ सीट फिर बसपा प्रत्याशी इंदु बंजारे ने बीजेपी के अम्बेश जांगड़े को हरा कर बहुजन समाज पार्टी का दबदबा कायम किया।

बोधीराम साहू साहित्य गौरव अलंकरण से अलंकृत

जांजगीर, 26 अगस्त (देशबन्धु)। महिमा प्रकाशन त्रिवेणी सदन न्यू कालोनी गया नगर दुर्ग द्वारा संपादक आचार्य डा. शिवनारायण देवांगन आस के संयोजकत्व में सांसद विजय बघेल के भिलाई स्थित निवास में आयोजित पुस्तक विमोचन व सम्मान कार्यक्रम में बोधीराम साहू को महिमा साहित्य गौरव अलंकरण सम्मान 2023 से विभूषित किया गया है। यह सम्मान इन्हें महिमा प्रकाशन द्वारा प्रकाशित साहित्यिक कृति साहित्य सेवा में विशिष्ट योगदान के फलस्वरूप उत्तम कार्यों के लिए प्रदान करते हुए जीवन पर्यन्त साहित्य सेवा हेतु प्रतिबद्ध रहने की अपेक्षा की गई है।इनके सम्मानित होने पर अरुण तिवारी, बसंत चतुर्वेदी, सत्येंद्र सिंह, विजय प्रधान, बालेश्वर साहू, जे.सी.साहू, रामरतन साहू, दुखुराम गोयल सहित प्रशंसकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

4 आरोपियों से 370 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद

40 क्विंटल महुआ लहान नष्ट

जांजगीर, 26 अगस्त (देशबन्धु)। अवैध शराब के विरूद्ध जिला पुलिस द्वारा विशेष अभियान के तहत की गई कार्यावाही में 04 आरोपियों को गिरफतार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 370 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद किया गया। रेड कार्यवाही के दौरान ग्राम लोहर्सी नाला में लवारिस हालात में 40 क्विंटल महुआ लहान मिलने पर टीम द्वारा नष्ट किया गया है। आरोपियों के विरूद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

मामले में पुलिसने बताया कि 26 अगस्त को मुखबीर सूचना मिला कि थाना शिवरीनारायण एवं मुलमुला क्षेत्र के ग्रामों में अवैध रूप से शराब बिक्री किया जाता है कि सूचना पर रेड कार्यवाही किया गया पाया गया कि थाना शिवरीनारायण क्षेत्र के ग्राम तनौद में आरोपी रामसिंह सूर्यवंशी के कब्जे से 50 लीटर, ग्राम कुकदा निवासी आरोपी संजय कुमार टंडन के कब्जे से 250 लीटर थाना मुलमुला क्षेत्र सबरिया डेरा के आरोपी राजेश कुमार के कब्जे से 60 लीटर, ग्राम तागा निवासी इंदल प्रसाद यादव के कब्जे से 10 लीटर इस प्रकार जुमला कच्ची महुआ शराब 370 लीटर बरामद किया गया है। आरोपियों के विरूद्ध अपराध धारा सदर का सबुत पायें जाने से आरोपी रामसिंह सूर्यवंशी उम्र 50 साल निवासी तनौद, संजय कुमार टंडन उम्र 30 साल निवासी कुकदा के विरूद्ध थाना शिवरीनारायण में तथा आरोपी , राजेश कुमार उम्र 34 साल निवासी सबरिया डेरा मुलमुला,इंदल प्रसाद यादव उम्र 40 साल निवासी तागा खमरिया पार के विरूद्ध थाना मुमुला में आबकारी एक्ट के तहत अलग-अलग अपराध पंजीबद्ध किया जाकर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। संपूर्ण कार्यवाही शैलेन्द्र पाण्डेय उप पुलिस अधीक्षक जाजंगीर, यदुमणी सिदार स्छह्रक्क चाम्पा, निरी0 गणेश सिंह राजपूत, उपनिरी नरेन्द्र मिश्रा, निरीक्षक रामकुमार जैन, उपनिरी लालन पटेल, राजेश कुमार शाह, महिला आरक्षक रचना शांतेय, पूर्णिमा राज का योगदान रहा।

जिले के 05 प्र.आरक्षक बने सहायक उप निरीक्षक

जांजगीर, 26 अगस्त (देशबन्धु)। जिले के 05 प्र.आरक्षक पदोन्नत होकर सहायक उप निरीक्षक बने। सभी प्रधान आरक्षकों को पुलिस अधीक्षक द्वारा स्टार लगाया गया। पदोन्नत हुए प्र.आरक्षकों में अश्वनी राठौर,शेख शफी उल्लाह,सरोज पाटले,भुवनेश्वर राठौर,प्रतिभा राठौर के नाम शामिल है। पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज बिलासपुर के स्थापना बोर्ड के आदेश द्वारा जिले के प्रधान आरक्षक अश्वनी राठौर, सरोज पाटले, शेख शफी उल्लाह, भुवनेश्वर राठौर, प्रतिभा राठौर को *सहायक उपनिरीक्षक के पद पर पदोन्नत किये जाने पर, पदोन्नत हुए सभी प्रधान आरक्षकों को पुलिस अधीक्षक द्वारा स्टार लगाया गया।

चोरी का फरार आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर, 26 अगस्त (देशबन्धु)। चोरी के मामले में फरार आरोपी एवं चोरी का सामान खरीदने वाला दुकानदार को शिवरीनारायण पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों से चोरी का सामान जिसमें 02 बोरी चावल, एक टीपा खाने का तेल एवं अन्य राशन समान की बिक्री रकम 3,400 रुपये बरामद किया। आरोपियों के विरूद्ध धारा 454, 380, 34, 411 भादवि के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

पुलिस ने बताया कि प्रार्थिया ईश्वरी बाई साहू उम्र 47 वर्ष साकिन सलखन द्वारा 23 अगस्त को थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि महिला स्व सहायता के भवन में रखे 06 बोरी चावल के टीपा तेल, 02 दर्जन हल्दी पैकीट 02 दर्जन गिर्वा पेकेट 02 दर्जन मशाला का पैकेट 10 कि.ग्रा आलू, 02 कि.ग्रा. शक्कर एवं अन्य राशन समान जुगला कीमती 20,000 रुपये को संदेही जनीराम यादव एवं सुनिल यादव के द्वारा चोरी कर लिये जाने की रिपोर्ट पर थाना शिवरीनारायण में धारा 454,380,34 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। सुनील यादव को दबिश देकर पकड़ा गया जिसके मेमोरंण्डम कथन पर चोरी किये चावल एवं अन्य राशन सामान को ग्राम सलखन के दुकानदार जयप्रकाश कश्यप के पास बेचना बताने पर दुकानदार जयप्रकाश कश्यप को तलब कर पूछताछ करने पर चोरी का माल खरीदना स्वीकार किया । जिससे मामले में धारा 411 भादवि जोड़ी गई है। इस प्रकार दोनो आरोपियों के कब्जे से चोरी के मशरूका 02 बोरी चावल एक टीपा खाने का तेल एवं अन्य राशन समान की बिकी रकम 3400 रुपये को गवाहों के समक्ष जप्त किया गया है। आरोपियों का कृत्य धारा सदर कर पाये जाने से आरोपी सुनील यादव उम्र 30 वर्ष,जयप्रकाश कश्यप 29 वर्ष साकिनान सलखन चण्डी पारा थाना शिवरीनारायण को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में रिमाड पेश कर जिला जेल जांजगीर भेजा गया है।

शराब दुकान हटाने आश्वासन के बाद अनशन समाप्त

जांजगीर, 26 अगस्त (देशबन्धु)। राहौद और पामगढ़ के मुख्य मार्ग में स्कूलों के पास संचालित शराब दुकानों को हटाने की मांग को लेकर बुधवार से एसडीएम कार्यालय पामगढ़ के सामने भाजपा नेत्री आमरण अनशन पर बैठी थी। गुरूवार को सात ग्राम पंचायत, जनता कांग्रेस, भीम रेजीमेंट और तहसील साहू संघ ने समर्थन दिया।

इसके बाद प्रशासन ने आंदोलन स्थल से उन्हें उठाकर जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया। वहां भी उन्होंने अनशन शुरू कर दिया। इस पर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर दोनों शराब दुकान को हटाने लिखित में आश्वासन देकर आंदोलन समाप्त कराया। पामगढ़ से जांजगीर मुख्य मार्ग पर शासकीय अंग्रेजी और देशी शराब दुकान संचालित है। ठीक इसी तरह राहौद में भी शासकीय शराब दुकान है। भाजपा नेत्री मंजू लता टंडन ने 7 अगस्त को कलेक्टर और एसपी को ज्ञापन सौंप कर पामगढ़ और राहौद में संचालित शराब दुकान को किसी दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की थी। 15 दिवस के भीतर मांग पूरी नहीं होने पर उन्होंने आंदोलन की चेतावनी दी थी। मगर प्रशासन द्वारा उनकी मांग पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिसके कारण बुधवार 23 अगस्त से एसडीएम कार्यालय पामगढ़ के सामने मंजूलता टंडन ने आमरण अनशन शुरू की थी।

इनडोर स्टेडियम की गुणवत्ता जांच के लिए विद्यार्थी परिषद ने सौंपा ज्ञापन

चांपा, 26 अगस्त (देशबन्धु)। लोकनिर्माण विभाग एमएमआर पीजी कॉलेज चांपा में इनडोर स्टेडियम निर्माण कराया जा रहा है। स्टेडियम निर्माण में विद्यार्थी परिषद ने ठेकेदार ने लापरवाही बतरने आरोप लगाया व गुणवत्ता की जांच करने पीडब्ल्यूडी के ईई को ज्ञापन सौंपा है।

विद्यार्थी परिषद चांपा का आरोप है कि शासकीय एमएमआर पीजी महाविद्यालय चांपा में निर्माणाधीन इनडोर स्टेडियम का काम काफी लंबे समय से चल रहा है, परंतु अभी तक वह पूर्ण नहीं हुआ है। काफी लंबे समय से स्टेडियम में शटर और ताला लगा कर छोड़ा गया काम भी बंद पड़ा है। साथ ही कॉलेज प्रबंधन ने इसकी जानकारी भी नहीं दी है। विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता विद्यार्थियों को साथ निर्माण कार्य में हो रही अनियमितताओं को लेकर लिखित शिकायत की है। विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक आशुतोष सोनी ने बताया कि जिस प्रकार स्टेडियम में ताला लगाकर छोड़ दिया है और काफी लंबे समय से काम बंद है। इससे साफ साफ विभाग की लापरवाही नजर आ रही है। निर्माण कार्य और निर्माण के गुणवत्ता पर संदेह की स्थिति निर्मित हो रही है। इसको देखते हुए मुख्य कार्यपालन अभियंता से उनकी अध्यक्षता में एक जांच टीम बनाकर निर्माण कार्य और निर्माण की गुणवत्ता जांच करने मांग की है।

प्राचार्यों और संकुल समन्वयकों की बीईओ ने ली बैठक

चांपा, 26 अगस्त (देशबन्धु)। विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश कलेक्टर के निर्देश पर बम्हनीडीह बीईओ एमडी दीवान ने स्वामी आत्मानंद स्कूल में संकुल प्राचार्यों और समन्वयकों की बैठक ली। बैठक में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सहजता से उपलब्ध कराने के साथ ही विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

बीईओ ने कहा कि शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार शाला संचालन कर शिक्षा के स्तर को सुधार करना है। परंपरागत शिक्षा से अलग कार्ययोजना बनाकर शिक्षिकीय कार्य पर विशेष फोकस करना है। पढ़ाई से सम्बंधित कार्ययोजना तैयार कर कमजोर बच्चों की दक्षता में सुधार करें। होम वर्क, मंथली टेस्ट नियमित लेकर सहजता से शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान दें, ताकि रिजल्ट बेहतर रहे। शिक्षण कार्य को लेकर कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी प्राचार्यो एवं समन्वयकों को नियमित निरीक्षण कर आगामी कार्ययोजना के साथ पालन प्रतिवेदन देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन स्कूलों में विषय शिक्षक की कमी है, वहाँ अन्य स्कूलों के शिक्षकों से अध्यापन कराने की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए सभी स्कूलों जानकारी ली जा रही है, ताकि सभी जगह पढ़ाई नियमित हो सके। विभागीय योजनाओं की समीक्षा में उन्होंने नियमित शाला संचालन का पालन प्रतिवेदन, शिक्षकों द्वारा दैनन्दिनी निर्माण, कक्षावार एवं जातिवार संकुल स्तर पर दर्ज संख्या, सरस्वती साइकिल योजना के तहत साइकिल वितरण, पाठ्यपुस्तक की पूरक मांग अतिशेष की जानकारी एवं पोर्टल पर एंट्री, गणवेश वितरण की ऑनलाइन एंट्री, छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत निर्माण कार्य, किचन शेड, शिक्षक उपस्थिति, सफाई कर्मचारी उपस्थिति एवं लंबे समय से अनुपस्थित शिक्षक की जानकारी, मध्यान्ह भोजन गुणवत्तापूर्ण देने, शाला त्यागी, अप्रवेशी, पलायन, बालवाड़ी संचालन, वृक्षारोपण, पालक जागरूकता, प्रत्येक स्कूल में मतदाता जागरूकता, प्राचार्यो एवं समन्वयकों की नियमित निरीक्षण एवं आगामी कार्यक्रम आदि विषयों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर आत्मानन्द स्कूल के प्राचार्य बजरंग श्रीवास, धन्यकुमार पांडेय, परमेश्वर राठौर, मोहन यादव आदि उपस्थित थे।

पुलिस व नपा की टीम ने जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन के साथ चलाया सफाई अभियान

सक्ती, 26 अगस्त (देशबन्धु)। नगर के वार्ड क्रमांक 3 राजापारा शराब दुकान के सामने आज प्रात: 7:00 बजे शासन प्रशासन शक्ति नगर निरीक्षक विवेक शर्मा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय सिंह तथा साथ में छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन के जिला अध्यक्ष रमेश अग्रवाल सचिव कन्हैया गोयल कोषाध्यक्ष तबरेज खान उपाध्यक्ष मोहन अग्रवाल पदाधिकारी सदस्य गण द्वारा संयुक्त रूप से सफाई अभियान चलाया गया नगर पालिका की पूरी टीम एवं पुलिस विभाग की टीम इस सफाई अभियान में लगी हुई थी यह अभियान सुबह 7:00 बजे से लेकर 10:00 बजे तक चली वहीं शराब भट्टी के सामने भेजा कब्जा कर शराब बिक्री कर रहे थे उनको हटाया गया वहीं वार्ड वासी इस सफाई अभियान को देखकर काफी खुश नजर आए वही वार्ड वासियों का कहना है कि शराब भट्टी को यहां से अन्यत्र किया जाए क्योंकि वही आगे सब्जी मार्केट लगती है और आने जाने में लोगों को काफी परेशानी होती है क्योंकि वहां शराब के नशे में लोग झूमते हुए नजर आते हैं और गंदी-गंदी गाली गलौज करते रहते हैं वहीं मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं शक्ति नगर निरीक्षक विवेक शर्मा एवं पत्रकारों के बीच आपस में बातें कर रहे थे कि हम ऊपर प्रशासन के पास जाएंगे और इस बारे में जानकारी देंगे कि वार्ड क्रमांक 3 में जो शराब भट्टी संचालित हो रही है उसे किसी दूसरे जगह स्थानांतरित किया जाए जिससे आम नागरिकों को जो परेशानी हो रही है वह परेशानी दूर हो सके इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय सिंह शक्ति नगर निरीक्षक विवेक शर्मा जी आबकारी विभाग से छबिलाल पटेल जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल कन्हैया अग्रवाल मोहन अग्रवाल इब्राहिम भाई तुलसी नगर पालिका सफाई कर्मचारी राम सिंह शंकर छोटे बाबा काफी संख्या में इस सफाईअभियान में अपना बहुमूल्य योगदान दिए।

देश विदेश

रूस ने लेजर गन का सफल परीक्षण किया

मॉस्को, 26 अगस्त (एजेंसियां)। रूस ने एक लेजर गन का सफल फील्ड परीक्षण किया और विभिन्न प्रकार के कई ड्रोन नष्ट कर दिए। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक मानव रहित हवाई वाहनों को नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किए गए लड़ाकू लेजर का रूस के सैन्य प्रशिक्षण मैदानों में से एक में सफल परीक्षण किया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि विमान और क्वाड्रो कॉप्टर दोनों प्रकार के ड्रोन को लेजर के जरिए नष्ट कर दिया गया है।

पाकिस्तान निर्वाचन आयोग के आश्वासन से फरवरी में चुनाव की फिर से जगी उम्मीदें

इस्लामाबाद, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने कहा है कि वह निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन और मतदाता सूची को साथ-साथ अद्यतन करने का काम करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चुनाव संबंधी कार्य कम से कम समय में पूरा किया जा सके और अगले साल फरवरी में चुनाव कराये जा सकें। ईसीपी के इस आश्वासन के बाद देश में चुनाव कराने की एक बार फिर उम्मीद जगी है।

ईसीपी ने यह आश्वासन पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के एक प्रतिनिधिमंडल को दिया गया, जिसने शुक्रवार को चुनाव के रोडमैप पर ईसीपी के साथ बैठक की थी।

यद्यपि संविधान का यह उल्लंघन होगा, जिसके लिए विधानसभाओं के विघटन के बाद 90 दिनों के भीतर चुनाव कराने की आवश्यकता होती है। यह इस आशंका को भी दूर करता है कि नये जनगणना ब्लॉकों के साथ मतदाता सूची के तुलनात्मक आकलन के

बहाने परिसीमन पूरा होने के बाद चुनाव में कई महीनों की देरी हो सकती है। यदि यह निर्णय लागू किया जाता है, तो यह सुनिश्चित हो जाएगा कि मार्च में सीनेट के आधे सदस्यों का कार्यकाल समाप्त होने से पहले इसके लिए निर्वाचक मंडल मौजूद है।

ईसीपी के प्रवक्ता ने कल एक बयान में कहा कि आयोग ने दोनों प्रक्रियाओं को एक साथ पूरा करने के इरादे से एक साथ परिसीमन और मतदाता सूची को अद्यतन करने का काम शुरू कर दिया है। उन्होंने उन अटकलबाजियों को खारिज कर दिया कि ईसीपी दिसंबर में परिसीमन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद ही मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। पीएमएल-एन ने ईसीपी से 14 दिसंबर से पहले परिसीमन और मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया पूरी करने का आग्रह किया। मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा ने पीएमएल-एन टीम को आश्वासन दिया कि दोनों कार्य एक साथ पूरे किए जाएंगे और जल्द से जल्द चुनाव कराए जाएंगे।

- पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के एक प्रतिनिधिमंडल को दिया आश्वासन
- 14 दिसंबर से पहले मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया पूरी करने का आग्रह

पीएमएल-एन नेता अहसान इकबाल, आजम नजीर तरार और जाहिद हामिद ने बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में संकेत दिया कि आम चुनाव फरवरी में हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि मतदान कार्यक्रम के तहत विभिन्न चरणों के चुनाव के जारी होने से लेकर मतदान के दिन तक 54 दिन लगते हैं। पीएमएल-एन के एक नेता ने कहा, 14 दिसंबर के बाद 54 दिन गिनें और आप चुनाव की तारीख का अनुमान लगा सकते हैं।

सीईसी ने निष्पक्ष चुनाव कराने का दिया आश्वासन

सीईसी ने उन्हें बताया कि ईसीपी इसे अंतिम रूप देने से पहले आचार संहिता पर कानून के अनुसार सभी राजनीतिक दलों से परामर्श करेगी। सीईसी ने पीएमएल-एन सदस्यों को यह भी आश्वासन दिया कि चुनाव पारदर्शी और निष्पक्ष होंगे और सभी दलों को समान अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि आचार संहिता का उल्लंघन करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

फिलीस्तीन ने की इजरायल के 'नस्लवादी बयानों' की निंदा

रामल्ला, 26 अगस्त (एजेंसियां)। फिलीस्तीन ने इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्विर के 'नस्लवादी बयानों' की कड़ी निंदा की है। फिलीस्तीन के विदेश मंत्रालय ने प्रेस बयान में यह जानकारी दी है। फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि वह 'बेन-ग्विर के नस्लवादी बयानों और रुख' की कड़े शब्दों में निंदा करता है। दरअसल, बुधवार को इज़राइल के एन12 न्यूज़ के साथ एक साक्षात्कार में श्री बेन-ग्विर ने कहा कि उनके और उनके परिवार के लिए जीवन और आंदोलन का अधिकार, कब्जे वाले वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनी के अरबों के लिए आंदोलन के अधिकार से कहीं अधिक है। मंत्रालय के बयान में कहा गया, इस तरह के बयानों को फिलिस्तीनी क्षेत्रों पर इजरायली कब्जे को कायम रखने, बस्तियां बसाने और फिलिस्तीनियों के खिलाफ अन्याय को और अधिक बढ़ाने के लिए उकसावे के रूप में माना जाता है। बयान में कहा गया, पूर्वी येरुशलम में इजरायली बस्तियां और वेस्ट बैंक ने फिलिस्तीनियों के दैनिक जीवन को कष्टदायी बना दिया है। फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास के फतह आंदोलन, इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन (हमास) और कई अन्य फिलिस्तीनी गुटों ने श्री बेन-ग्विर की बयानों की कड़े शब्दों में निंदा की है। फ़िलिस्तीनी गुटों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इसकी जवाबदेही ठहराने के लिए निंदा को व्यावहारिक उपायों में बदलने का आह्वान किया।

सुडोकू 6298

				9	8		3	
		7				2		
	8	3						4
	7		1	8	6			
		1		7		3		
			2	3	5		6	
8						6	9	
		6				7		
	2		6	1				

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6298

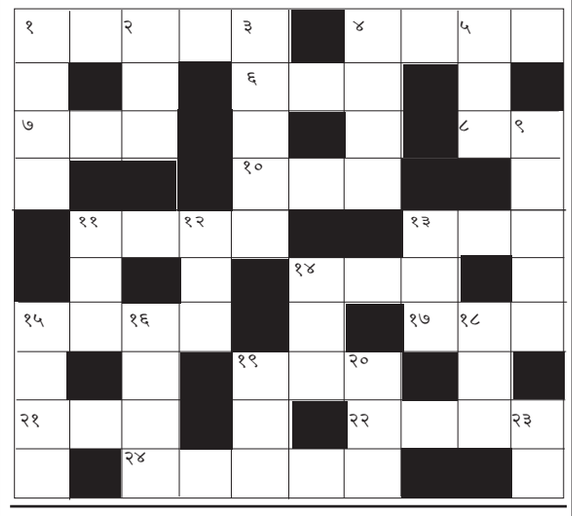

बायें से दायें:-

१. लोगों की मानसिकता
४. नक्शेकदम
६. सीमा, प्रतिष्ठा
७. धीमा
८. एक से अधिक
१०. पत्थर
११. एक छोटी चिड़िया
१३. असहमति (उर्दू)
१४. दुर्घटना
१५. सैनिकों का अभ्यास, कसरत
१७. वह धन जिसे तुरंत अदा किया जाए, सिक्कों के रूप में धन
१९. मातृभूमि (उर्दू)
२१. राक्षस, असुर
२२. जंगल में पैदा होने वाला
२४. कौशल्या

ऊपर से नीचे:-

१. करत-करत अभ्यास के...होत सुजान
२. मृत्यु-शोक (उर्दू)
३. 'टाईम कीपर'
४. पधारना
५. उत्तर भारत की एक नदी
९. कलाकार (उर्दू)
११. निमंत्रण
१२. ऊंचा
१३. मानव (उर्दू)
१४. आवश्यकता, चाह (उर्दू)
१५. ऋणी
१६. आजीवन अविवाहित रहने वाली स्त्री
१८. कछुआ
१९. व्यापारी
२०. मक्खन
२३. शीघ्र (उर्दू)

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : रविवार 27 अगस्त , 2023 श्रावण शुक्ल पक्ष 9

राशिफल

मेष -यदि आप अपना स्वभाव शांत नहीं रखेंगे, तो उस कारण किसी के साथ मनमुटाव होने की संभावना उत्पन्न हो सकती है। आप शारीरिक थकान महसूस करेंगे। मानसिक अस्वस्थता के कारण किसी काम में मन नहीं होगा।

वृषभ -आपकी तबीयत खराब होने के कारण काम में जल्दी सफलता नहीं मिल सकती है। मन में निराशा का अनुभव होगा। काम के बोझ से मानसिक तनाव और उचाट की स्थिति उत्पन्न होगी। प्रवास में अवरोध आ सकते हैं।

मिथुन -स्फूर्ति और उत्साह से आपके आज का दिन प्रारंभ होगा। मित्रों तथा परिजनों के साथ बाहर घूमने जाएंगे तथा पार्टी का आयोजन होगा। मनोरंजन कर सकते हैं।

कर्क -आज आपको सफलता और आनंद की प्राप्ति होगी। घरेलू वातावरण सुख-शांतिवाला होगा। नौकरी में लाभ हो सकता है। आप विरोधियों को परास्त कर सकेंगे। आपके काम की कद्र होगी।

सिंह -आपको साहित्य में कुछ नवीन सृजन करने की प्रेरणा मिलेगी। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल होने के कारण पढ़ाई में सफलता प्राप्त कर सकेंगे। प्रेम में सफलता मिलेगी। प्रिय व्यक्ति से मिलकर आपको खुशी का अनुभव होगा।

कन्या -आज का दिन किसी भी काम के लिए अनुकूल नहीं है। आपका स्वास्थ्य खराब होगा, मन में चिंता महसूस होगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ मतभेद होगा। सामाजिक कार्यक्रम में मानहानि हो सकती है।

तुला -आज मांगलिक प्रसंग तथा प्रवास की योजना बन सकती है। सहोदरों के साथ पारिवारिक प्रश्नों पर चर्चा हो सकती है। विदेश में बसने वाले स्वजनों की तरफ से आनंद का समाचार प्राप्त होगा। आज नए काम का आरंभ कर सकेंगे।

वृश्चिक -परिवार में संघर्ष या मनमुटाव होने की संभावना है, अत: ध्यान रखें। आपको नेगेटिविटी से दूर रहना चाहिए। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल नहीं है। गलत खर्च न हो इसका ध्यान रखें। तन-मन में बैचेनी रहा करेगी।

धनु -आज व्यापारियों को विशेष लाभ होगा। विदेश स्थित व्यापार से लाभ होगा। आपके हाथ से धार्मिक एवं मांगलिक काम होंगे। स्नेहीजनों और मित्रों का मिलन आनंदित करेगा। आर्थिक लाभ होगा।

मकर -स्वास्थ्य संबंधी शिकायत रहेगी। मन में उचाट अनुभव करेंगे। व्यवसाय में सरकार का हस्तक्षेप बढ़ेगा। धार्मिक कामों के पीछे धन खर्च होगा। आध्यात्मिक और धार्मिक व्यवहार में वृद्धि होगी। शत्रुओं से परेशानी होगी।

कुंभ -मांगलिक और नए काम का आयोजन करने के लिए अत्यंत शुभ दिन है। अविवाहितों का विवाह आयोजित होगा। पत्नी और संतान के समाचार मिलेंगे। गृहस्थजीवन और दांपत्यजीवन में सुख और संतोष की भावना का अनुभव होगा।

मीन -आज आपके सभी काम सफलतापूर्वक सफल होंगे। नौकरी और व्यवसाय में पदोन्नति होगी। व्यापारियों के रुके हुए पैसे मिलेंगे। पिता तथा बुजुर्गों से लाभ होगा। आर्थिक लाभ और परिवार में आनंद छाएगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

रूसी वायु सेना ने मॉस्को क्षेत्र में यूक्रेनी ड्रोन को किया नष्ट

मॉस्को, 26 अगस्त (एजेंसियां)। रूसी वायु रक्षा बलों ने राजधानी मॉस्को और उसके आसपास क्षेत्र में निशाना बनाने वाले एक यूक्रेनी ड्रोन को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया। रूसी रक्षा मंत्री ने शनिवार को संवाददताओं को यह जानकारी दी और कहा कि यूक्रेन के इस मानवरहित ड्रोन को इस्त्रा जिले में मार गिराया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, मॉस्को के समयानुसार आज (26 अगस्त) तड़के करीब तीन बजे मॉस्को और उसके क्षेत्र में मानवरहित यूक्रेनी ड्रोन के आतंकवादी हमले के प्रयास को रूसी वायु रक्षा बलों ने विफल कर दिया। वायु रक्षा बल के तैनात जवानों ने इस्त्रा जिले के ऊपर मंडरा रहे ड्रोन को नष्ट कर दिया। मॉस्को मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि रूसी राजधानी की दिशा में उड़ रहे यूक्रेनी मानवरहित ड्रोन को वायु सेना के जवानों ने आज तड़के हवा में ही मार गिराया। मेयर साबयानिन ने टेलिग्राम पर लिखा, वायु रक्षा बलों ने शनिवार तड़के इस्तरा जिले में एक ड्रोन को नष्ट कर दिया, जब वह मॉस्को की ओर आ रहा था। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार किसी के हताहत होने या क्षति की सूचना नहीं है।

मेडागास्कर में भगदड़ 12 लोगों की मौत

एंटानानारिवो, 26 अगस्त (एजेंसियां)। मेडागास्कर की राजधानी एंटानानारिवो के बारिया स्टेडियम में 11वें इंडियन ओशन आइलैंड गेम्स के उद्घाटन समारोह के दौरान प्रवेश द्वार पर भगदड़ मचने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और लगभग 80 अन्य घायल हो गए। मेडागास्कर के प्रधानमंत्री क्रिश्चियन नत्से ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार शाम को मीडिया को बताया कि भगदड में मरने वालों की संख्या 12 है और करीब 80 लोग घायल हैं, जिनमें से 11 को तत्काल सर्जरी की आवश्यकता है। श्री नत्से ने कहा, सरकार घायलों की चिकित्सा लागत वहन करेगी और सभी संस्थानों की ओर से मैं पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मेडागास्कर के राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना ने मृतकों के प्रति दुख व्यक्त किया है। राष्ट्रपति ने घटना को दुर्भाग्यपूर्व बताया है। उन्होंने बताया कि स्टेडिम के प्रवेश द्वार पर भगदड़ मच गई। कई लोग घायल है। राष्ट्रपति ने संवेदनाएं व्यक्त करते हुए मौन रखने का आह्वान किया है। इसके बाद उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति ने भगदड़ में मारे गए लोगों के प्रति एक मिनट का मौन रखा। उल्लेखनीय है कि 26 जून, 2019 को मेडागास्कर की स्वतंत्रता का जश्न मनाने के दौरान महामासिना स्टेडियम में मची भगदड़ में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई।

■ लगभग 80 लोग हुए घायल

सीरियाई सेना की कार्रवाई में सात विद्रोही ढेर

दमिश्क। सीरिया के उत्तरी प्रांत अलेप्पो में सेना की कार्रवाई में हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) विद्रोही गुट के सात सदस्य मारे गये। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के अनुसार सेना ने शुक्रवार को अलेप्पो के पश्चिमी ग्रामीण इलाके में एचटीएस के दो वाहनों पर हमला किया, जिसमें सात विद्रोही मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। ब्रिटेन स्थित निगरानी समूह ने कहा कि कुछ विद्रोहियों के गंभीर रुप से घायल होने से मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है। सीरियाई सेना और एचटीएस के बीच तनाव बढ़ने के साथ ही दोनों पक्षों के बीच उत्तरी सीरिया में गोलीबारी जारी है।

स्वीडन के प्रधानमंत्री ने धार्मिक ग्रंथों को जलाने पर प्रतिबंध से किया इनकार

स्टॉकहोम, 26 अगस्त (एजेंसियां)। स्वीडन के प्रधान मंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने कहा है कि डेनमार्क की तरह धार्मिक ग्रंथों को जलाने पर प्रतिबंध लगाने की स्वीडन की कोई योजना नहीं है, क्योंकि इसके लिए देश के संविधान में संशोधन की आवश्यकता होगी। डेनमार्क के न्याय मंत्री पीटर हम्मेलगार्ड ने शुक्रवार को कहा कि सरकार का इरादा देश में धार्मिक पुस्तकों को जलाने पर प्रतिबंध लगाने का है। इसके जवाब में डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने कहा कि यह कदम एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत है जिसे डेनमार्क दुनिया को भेजना चाहता था। श्री क्रिस्टरसन ने कहा, तीव्र खतरों के संपर्क में आने वाला हर देश उनसे निपटने का अपना तरीका चुनता है। डेनमार्क अभी जो कर रहा है (धार्मिक पुस्तक जलाने पर प्रतिबंध लगाने की पहल) उसके लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है। ठीक वैसा ही करने के लिए जैसा डेनमार्क में किया जाएगा। एक संवैधानिक संशोधन की आवश्यकता है, इसलिए स्वीडन के लिए इस पर आगे बढ़ना सही तरीका नहीं है। स्वीडन के

■ प्रतिबंध लगाने के लिए संविधान में संशोधन की जरूरत होगी

अधिकारियों ने 18 अगस्त को कहा कि वे सार्वजनिक व्यवस्था कानून की समीक्षा करेंगे जो देश में कुरान जलाने वाले विरोध प्रदर्शनों की अनुमति देता है। स्वीडिश न्याय मंत्री गुन्नार स्ट्रोमर ने कहा कि यदि सार्वजनिक व्यवस्था या सुरक्षा खतरे में पड़ती है तो सार्वजनिक सभा पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। हाल के महीनों में स्वीडन के साथ-साथ डेनमार्क में भी कई कुरान जलाने वाले प्रदर्शन हुए हैं। अधिकांश मुस्लिम देशों ने प्रदर्शनों की निंदा की है, और कुछ ने विरोध के नोट देने के लिए स्वीडिश और डेनिश राजदूतों को बुलाया है।

ब्रिक्स संसदीय फोरम के द. अफ्रीका में आयोजन की संभावना

जोहान्सबर्ग, 26 अगस्त (एजेंसियां) दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री नलेदी पंडोर ने शुक्रवार को कहा है कि ब्रिक्स संसदीय मंच का आयोजन संभवत: अक्टूबर में जोहान्सबर्ग में किया जाएगा। श्री पंडोर ने रेडियो उबंटू को बताया, इस साल के अंत के आसपास, हमारे पास ब्रिक्स संसदीय फोरम होगा, जो अक्टूबर में जोहान्सबर्ग में होगा। उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स - दुनिया की सबसे बड़ी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं, (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) को एकजुट करने वाला समूह है। जिसने मंगलवार से गुरुवार तक जोहान्सबर्ग में अपना वार्षिक शीर्ष स्तरीय शिखर सम्मेलन आयोजित किया। गुरुवार को समूह में अर्जेंटीना, मिस्त्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को आधिकारिक तौर पर समूह में शामिल किया गया था।

वर्ग पहेली-6297

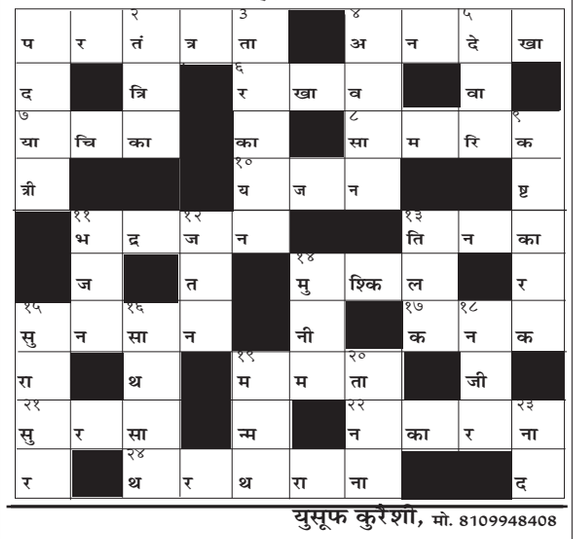

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

सुडोकू 6298 का हल

2	6	4	7	9	8	5	3	1
5	9	7	3	4	1	2	8	6
1	8	3	5	6	2	9	7	4
3	7	2	1	8	6	4	5	9
6	5	1	9	7	4	3	2	8
9	4	8	2	3	5	1	6	7
8	1	5	4	2	7	6	9	3
4	3	6	8	5	9	7	1	2
7	2	9	6	1	3	8	4	5

आज का इतिहास

1604-अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में आदि गुरु ग्रंथ साहिब की प्रतिस्थापना की गई।
1781-हैदर अली ने ब्रिटिश सेना के खिलाफ पल्लीलोर का युद्ध लड़ा।
1870- भारत के पहले मज़दूर संगठन के रूप में श्रमजीवी संघ की स्थापना की गई।
1939-जेट ईधन वाले विश्व के पहले विमान ने जर्मनी से पहली उड़ान भरी।
1976-भारतीय सशस्त्र सेना की प्रथम महिला जनरल मेजर जनरल जी अली राम मिलिट्री नर्सिंग सेवा की निदेशक नियुक्त हुई।
1976-भारतीय पार्श्वगायक मुकेश का निधन
1979-आयरलैंड के समीप एक नौका विस्फोट हुआ।
1985-नाइजीरिया में सैनिक क्रान्ति में मेजर जनरल मुहम्मद बुहारी की सरकार का तख्ता पलटा गया तथा जनरल इब्राहिम बाबनगिदा नये सैनिक शासक बने।
1990-वाशिंगटन स्थित इराकी दूतावास के 55 में से 36 कर्मचारियों को अमेरिका ने निष्कासित कर दिया।
1991-मालदोवा ने सोवियत संघ से आजाद होने की घोषणा की।
1993-भारतीय महिला तलवारबाज़ सी. ए. भवानी देवी का जन्म।
1999-सोनाली बनर्जी भारत की प्रथम महिला मैरिन इंजनियर बनीं।
2003-60 हजार वर्षों के अंतराल के बाद मंगल पृथ्वी के सबसे नजदीक पहुंचा।
2004-वित्तमंत्री शौकत अजीज पाकिस्तान के नये प्रधानमंत्री चुने गये।
2006-भारतीय फ़िल्मों के प्रसिद्ध निर्माता व निर्देशक ऋषिकेश मुखर्जी का निधन।

उम्मीदवारी सिंगापुर गैर-चीनी प्रधानमंत्री के लिए तैयार

भारतीय मूल के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने

सिंगापुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। सिंगापुर में 1 सितंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले भारतीय मूल के उम्मीदवार थर्मन शनमुगरत्नम ने कहा है कि शहर-राज्य अब एक गैर-चीनी प्रधानमंत्री के लिए तैयार है। द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, थरमन ने शुक्रवार को जनता के मेहमानों के साथ एक चुनावी बैठक में कहा, 4 या 5 साल पहले की तुलना में आज सिंगापुरवासी केवल नस्ल नहीं, बल्कि सभी कारकों को देखते हैं।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा का हवाला देते हुए, थर्मन ने अपने 20 मिनट के भाषण में कहा कि जाति हर जगह राजनीति में एक कारक है। वे लोगों को समग्रता से देखते हैं... सिंगापुर किसी भी समय तैयार है।

भारतीय मूल के 66 वर्षीय नेता ने कहा, अगर कोई ऐसा व्यक्ति आता है जो प्रधानमंत्री के लिए बेहतर उम्मीदवार है, तो उस व्यक्ति को प्रधानमंत्री बनाया जा सकता है। मेरा मानना है कि वे ऐसा कर सकते हैं। पसिर पंजंग पावर स्टेशन में आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि यह एक समाज के रूप में सिंगापुर की प्रगति का प्रतीक है।

जेन इटोगी ने अपने पति थरमन का जिक्र करते हुए लोगों से कहा, उस (सवाल) का जवाब आपकी आंखों के सामने है, जब सिंगापुरवासी एक गैर-चीनी

■ भारतीय मूल के थर्मन शनमुगरत्नम हैं तैयार
■ पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा का हवाला

राष्ट्रपति को वोट देते हैं। अपनी टिप्पणी में, पूर्व मंत्री ने कहा कि हर किसी को समाज में उनके योगदान के लिए पहचाना जाना चाहिए और किसी को भी यह महसूस नहीं करना चाहिए कि वे कुछ भी नहीं हैं। थरमन ने कहा कि भौतिक प्रगति महत्वपूर्ण है, लेकिन ये वे चीजें हैं जिन्हें हम माप नहीं सकते हैं जो हमारे भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने देश की संस्कृति को विकसित करने की प्रतिज्ञा के साथ पिछले महीने औपचारिक रूप से अपना राष्ट्रपति अभियान शुरू किया था।थर्मन के अलावा, वरिष्ठ निवेशक एनजी कोक सोंग और नेशनल ट्रेड्स यूनियन कांग्रेस के पूर्व आय प्रमुख, टैन किन लियान भी राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में हैं। शहर-राज्य के प्रमुख के रूप में, सिंगापुर के राष्ट्रपति को सरकारी बजट और प्रमुख सार्वजनिक नियुक्तियों पर वीटो करने, भ्रष्टाचार विरोधी जांच को अधिकृत करने और देश के राजकोषीय रिजर्व की सुरक्षा करने का अधिकार है।

दुनिया को जानें

नासा ने स्पेसएक्स क्रू-7 मिशन किया लॉन्च

वाशिंगटन, 26 अगस्त (एजेंसियां)। एंडेवर नामक ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर स्पेसएक्स क्रू -7 मिशन को शनिवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष

स्टेशन (आईएसएस) में प्रक्षेपित किया गया है। नासा के सीधा प्रसारण से यह जानकारी सामने आयी है। प्रक्षेपण आज सुबह स्थानीय समयानुसार तीन बजकर 27 मिनट (ग्रीनविच मिड टाइम 07:27 बजे) पर हुआ। जिसे पहले ही कई बार स्थगित किया जा चुका है। पहले इसे 15 अगस्त को लॉन्च करने की योजना थी। नासा के मुताबिक क्रू-7 मिशन में नासा के अंतरिक्ष यात्री जैस्मीन मोघबेली, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री एंड्रियास मोगेन्सन, जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री सातोशी फुरुकावा और रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री कोंस्टेंटिन बोरिसोव शामिल हैं।

खेल जगत

रोहित विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनेंगे : सहवाग

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कप्तान रोहित शर्मा को विश्व कप 2023 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में चुना। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय पिचें सलामी बल्लेबाज को बहुत अच्छी सतह प्रदान करती हैं और उनके पास सलामी बल्लेबाज के रूप में शानदार रिकॉर्ड है। आईसीसी के इंस्टाग्राम हैंडल द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में, सहवाग से विश्व कप 2023 में अग्रणी रन बनाने वाले खिलाड़ी की भविष्यवाणी करने के लिए कहा गया था, और उन्होंने भारत के रोहित शर्मा को चुना। वीरेंद्र सहवाग ने कहा, भारत को अच्छे विकेट मिले हैं, इसलिए मुझे लगता है कि सलामी बल्लेबाजों को अच्छे मौके मिलेंगे। अगर मैं किसी एक को चुनना चाहता हूं तो मुझे लगता है कि रोहित शर्मा। कुछ नाम हैं, लेकिन मैं भारतीय हूं और मुझे किसी भारतीय को चुनना चाहिए, इसलिए रोहित शर्मा।

नंबर चार के लिए बिल्कुल सही हैं विराट : डिविलियर्स

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का मानना है कि विराट कोहली को भारत की एकदिवसीय विश्व कप टीम में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिये। श्रेयस अय्यर और केएल राहुल हाल ही में चोट से उबरकर एशिया कप स्क्वाड में शामिल हुए हैं, जिसके कारण भारत का मध्यक्रम अस्थिर है। अगर इन दोनों में से कोई भी खिलाड़ी पूरी तरह फिट नहीं होता, या फॉर्म हासिल नहीं कर पाता तो बल्लेबाजी क्रम में चौथा पायदान भारत के लिये बड़ी चिंता बन सकता है।

डिविलियर्स का मानना है कि अगर भारत के सामने यह समस्या आती है तो वनडे क्रिकेट में नंबर तीन पर खेलने वाले कोहली को एक पायदान नीचे उतर जाना चाहिये। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) में कोहली की टीम के साथी रहे डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हम अब भी भारत के चौथे नंबर के बल्लेबाज की बात कर रहे हैं। मैंने कुछ बातें सुनी हैं कि विराट वह स्थान ले सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो मैं उसका समर्थन करूंगा।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि विराट नंबर चार के लिये बिल्कुल सही हैं। वह पारी को संवार सकते हैं, मध्यक्रम में किसी भी तरह की भूमिका निभा सकते हैं। मुझे नहीं पता कि वह ऐसा करना चाहेंगे या नहीं। हम जानते हैं कि उन्हें अपना नंबर तीन स्थान पसंद है। उन्होंने अपने ज्यादातर रन वहीं बनाए हैं, लेकिन अगर टीम को आपसे कुछ करने, एक निश्चित भूमिका निभाने की जरूरत है, तो आपको अपना हाथ आगे बढ़ाना होगा। गौरतलब है कि एशिया कप स्क्वाड की घोषणा करते हुए रोहित ने टीम में लचीलेपन की मांग की थी, हालांकि उन्होंने यह भी कहा था कि वरिष्ठ खिलाड़ी अपनी-अपनी जगह पर बने रहेंगे।

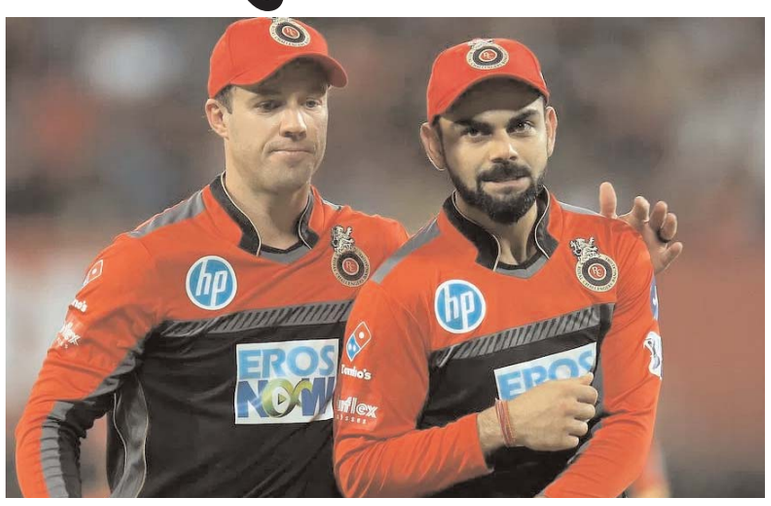

अपनी पीठ की सर्जरी करवाकर टीम में वापस आये अय्यर नंबर चार पर बल्लेबाजी करने के सबसे प्रबल दावेदार हैं, हालांकि कोहली को पहले भी इस भूमिका में बड़ी सफलता मिली है। नंबर चार पर खेलते हुए कोहली सात शतक बनाने में सफल रहे हैं, जबकि उनका औसत 55.21 और स्ट्राइक रेट 90.66 रहा है। वह आखिरी बार जनवरी 2024 में नंबर चार पर खेले थे। अलूर में भारत के एशिया कप प्रशिक्षण शिविर में अय्यर के अच्छे प्रदर्शन ने भारतीय मध्यक्रम में स्थिरता का अंदेशा दिया है, हालांकि केएल राहुल की फिटनेस अभी भी चिंता का विषय है और वह 30 अगस्त से शुरू होने वाले एशिया कप में कम से कम दो मैचों से बाहर रह सकते हैं।

बाबर में दिखती है कोहली की झलक : मूडी

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और कोच टॉम मूडी ने कहा है कि उन्हें पाकिस्तान के कप्तान बाबर आज़म में भारतीय दिग्गज विराट कोहली की झलक दिखती है। मूडी ने स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा, वह मुझे काफी हद तक विराट कोहली की याद दिलाते हैं। वह जिस तरह से पारंपरिक क्रिकेट शॉट खेलते हैं। ऐसा लगता है कि वह खेल को बहुत अच्छे से समझते हैं, पढ़ते हैं, जो कोहली ने एक दशक से अधिक समय से किया है। वह रनों की पीछा भी बहुत अच्छी तरह करते हैं, जैसा कि विराट कोहली कई वर्षों से करते आ रहे हैं।

उन्होंने कहा, दोनों के बीच बहुत समानताएं हैं। मैं यह नहीं कहूंगा कि विराट का एशिया कप बाबर आजम से बेहतर होगा, लेकिन उन दोनों पर समान दबाव हो सकता है और उन्हें देखने में मजा आयेगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भी बाबर की सराहना की, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि लंबे समय तक अपने प्रदर्शन को बरकरार रखना कोहली और सचिन तेंदुलकर जैसे खिलाड़ियों को महान बनाता है।

मांजरेकर ने कहा, तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों का करियर लगभग 10-15 साल तक चला है और जब भी कोई उभरता हुआ सितारा आता है, तो उसकी तुलना इन खिलाड़ियों से की जाती है, जो लंबे समय तक दौड़ में रहे हैं। कभी-कभी यह थोड़ा अनुचित हो सकता है लेकिन इन दोनों लोगों की महानता यह है कि वे एक उभरते हुए खिलाड़ी के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के स्तर को क्रिकेट लंबे समय तक खेलते हैं।

बाबर और कोहली दो सितंबर को भारत-पाकिस्तान एशिया कप मैच में आमने-सामने होंगे। अगर भारत और पाकिस्तान टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंचते हैं तो दोनों टीमें तीन बार एक-दूसरे से भिड़ सकती हैं। इस बीच, मूडी ने कहा कि बाबर कप्तानी के बढ़ते दबाव से भी जूझ रहे हैं और समय के साथ वह बेहतर होते जायेंगे। मूडी ने कहा, किसी भी एशियाई टीम की कप्तानी बहुत मुश्किल होती है। लोग छोटी-छोटी बातों पर नज़र रखते हैं। जब आप कोई ऐसा कदम उठाते हैं जो शायद उस समय सही न हो तो अचानक बहुत सारे विशेषज्ञ आप पर उंगली उठाने लग जाते हैं। मुझे लगता है कि वह अभी भी कप्तानी के बढ़ते दबाव से जूझ रहे हैं।

उन्होंने कहा, वह लगातार बेहतर होते जाएंगे। उनके आसपास कई अनुभवी खिलाड़ी भी हैं जो कप्तानी की भूमिका निभा चुके हैं, चाहे वह फ्रेंचाइजी क्रिकेट में हो या उनके घरेलू क्रिकेट में। मुझे यकीन है कि वह उनका लाभ उठाएंगे।

अपने परिवारजनों के सामने मलेशिया के खिलाफ अपना पहला गोल करना हमेशा याद रहेगा : कार्ति

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 26 अगस्त (देशबन्धु)। तमिलनाडु के 21 वर्षीय नौजवान स्ट्राइकर सेल्वम कार्ति ने इस महीने के शुरू में अपने घर चेन्नै में अपने माता पिता सहित अपने माता-पिता के सामने भारत के लिए पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी में गोल कर अपनी खास छोड़ी। यह पहला मौका था जब कार्ति के माता-पिता ने उन्हें पहली बार स्टेडियम में खेलते देखा था। भारत ने मलयेशिया को फाइनल में 4-3 से हराकर रिकॉर्ड चौथी बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीत नया इतिहास रच दिया था। कार्ति ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी भारत के लिए पहला मलयेशिया के खिलाफ टीम की लीग मैच में 5-0 से जीत में किया था। कार्ति ने पहले क्वार्टर में भारत के लिए जैसे ही यह गोल किया था तो पूरा स्टेडियम दर्शकों की करतल ध्वनि से गूंज उठा था। सेल्वम कार्ति मलयेशिया के खिलाफ मैच में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए दागे पहले को याद करते हुए कहते हैं, %मुझे एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में मलयेशिया के खिलाफ मैच में भारत के लिए पहला गोल करना हमेशा याद रहेगा। अपने परिवारजनों के सामने यह भारत के लिए खेलते हुए यह मेरा पहला गोल था। मेरे परिवारजन पहली बार मुझे पहली मैदान में भारत के लिए हॉकी खेलता देख रहे थे। मलयेशिया के खिलाफ लीग मैच में खेलते हुए भारत के लिए गोल करने के बाद मैंने अपने माता-पिता की ओर देखा सभी के चेहरे पर आई इस मुस्कुराहट ने मेरे लिए इस गोल को सार्थक बना दिया। मुझे अपना भारत के लिए अपने दर्शकों के सामने यह पहला गोल हमेशा याद रहेगा और मेरे दिल के भी बेहद करीब रहेगा। इससे मेरा मैदान पर बहाया पसीना,मेरे परिवार द्वारा मेरे भारत के लिए हॉकी खेलने के सपने को पूरा करने की कुर्बानी सभी सार्थक कुछ याद हो गया। मेरे लिए यह क्षण मेरे दिल के वाकई करीब रहेगा।

सेल्वम कार्ति बताते हैं, जब यह घोषणा हुई की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी मेरे चेन्नै के मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम के घरेलू मैदान पर होगी तो मैं बेहद खुश हुआ था,। उसी स्टेडियम में अपने घरेलू स्टेडियम में भारत के लिए खेलने का मौका मिलने की बात सुनकर ही मैं रात भर सो ही नहीं पाया था। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में चेन्नै में मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में भारत के लिए खेलने उतरने से पहले मैं इसी मैदान पर 2016 में स्कूली छात्र के रूप में खेला था। इसके बाद इस मैदान पर भारत के लिए इतने बड़ी तादाद में दर्शकों के सामने हॉकी खेलने उतरना खास था। मेरे लिए इस मैदान पर भारत के लिए पहली बार खेलने उतरना वाकई अविश्वसनीय था। मैं वाकई तमिलनाडु में राज्य भर से आए मेरा मैच देखने आए सभी प्रशंसकों का आभारी हूं। सेल्वम कार्ति ने सीनियर भारतीय हॉकी टीम के लिए अपने अंतराष्ट्रीय करियर का आगाज 2022 में जकार्ता में एशिया कप में किया और उसके बाद से अब वह सीनियर भारतीय हॉकी टीम में अपनी पक्की जगह बनाने में जुटे हैं। वह बताते हैं, %एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय हॉकी टीम की खिताबी जीत ने मेरा आत्मविश्वास बहुत बढ़ाया है और इसने मुझे और कड़ी मेहनत कर फिर मुझे भारत की जर्सी में खेलने का विश्वास भरा है।

ब्रूक के लिए बंद नहीं हुए वनडे विश्व कप के दरवाजे

चेस्टर ली स्ट्रीट, 26 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड के सीमित ओवर कप्तान जॉस बटलर ने अंदेशा जताया है कि युवा प्रतिभावान बल्लेबाज हैरी ब्रूक के लिये अभी टीम के दरवाजे बन्द नहीं हुए हैं और वह एकदिवसीय विश्व कप के लिये भारत आने वाली टीम का हिस्सा हो सकते हैं। गौरतलब है कि अनुभवी हरफनमौला बेन स्टोक्स के संन्यास वापस लेने के कारण ब्रूक न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिये चुनी गयी स्क्वाड में जगह नहीं बना सके। ब्रूक जनवरी 2022 में इंग्लैंड के लिये पदार्पण करने के बाद से तीनों प्रारूपों में प्रभावशाली प्रदर्शन कर चुके हैं, हालांकि स्टोक्स की वापसी ने समीकरण बदल दिये हैं।

बटलर ने कहा,बेन स्टोक्स का वापस आना और सिर्फ बल्लेबाज के तौर पर (विश्व कप के लिये) उपलब्ध रहना काफी हद तक समीकरण बदल देता है। बेन एक शानदार खिलाड़ी हैं, इसलिये चयन का यह फैसला थोड़ा कठिन था। उन्होंने कहा,अभी सबके प्लेन में चढ़ने में समय है, इसलिये हम इंतज़ार करेंगे और देखेंगे कि क्या होता है। विश्व कप से लगभग बाहर होने के बाद ब्रूक ने कहा था,यह साफ तौर पर निराशाजनक है लेकिन इस बारे में कुछ नहीं किया जा सकता। आपको आगे बढ़ना ही होगा। मैं उसके बारे में नहीं सोच रहा।

ब्रूक ने हाल ही में इंग्लैंड के अनूठे टूर्नामेंट 'द हंड्रेड' में 41 गेंद पर शतक जड़कर अपनी काबिलियत का प्रमाण दिया। उन्होंने नॉर्थर्न सुपरचार्जर्स की ओर से खेलते हुए 42 गेंद पर नाबाद 105 रन बनाये, जिसमें 11 चौके और सात छक्के शामिल रहे। बटलर ने कहा,हम सभी जानते हैं कि हैरी एक शानदार खिलाड़ी है और हमने देखा भी क्या वह क्या कर सकता है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है, हम जानते हैं कि वह कितना शानदार खिलाड़ी है। दुर्भाग्यशाली से वह इस समय टीम में नहीं है।

पीसीबी के मेहमान बनकर पाकिस्तान जाएंगे बिन्नी, शुक्ला

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रॉजर बिन्नी और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला एशिया कप की मेजबानी के उपलक्ष्य में पीसीबी के मेहमान बनकर पाकिस्तान जायेंगे। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की ओर से शनिवार को प्रकाशित एक खबर के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष ज़का अशरफ़ ने 15 अगस्त को बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों को निमंत्रण भेजा था। बीसीसीआई सहित भाग लेने वाली टीमों के सभी शीर्ष बोर्ड सदस्यों ने अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है। दो सितंबर को श्रीलंका के पाल्लेकेले स्टेडियम में भारत-पाकिस्तान मैच के एक या दो दिन बाद बिन्नी और राजीव शुक्ला वाघा बॉर्डर होते हुए लाहौर जायेंगे, जहां वे एक रात्रिभोज में शामिल होंगे।

गौरतलब है कि बीते कुछ महीनों में दोनों क्रिकेट बोर्ड कई विषयों पर एक-दूसरे से बरहम रहे हैं, हालांकि पीसीबी ने हाल ही में अपनी टीम को एकदिवसीय विश्व कप के लिये भारत आने की मंजूरी देकर तनाव कम करने की ओर कदम बढ़ाया था।

रिपोर्ट के अनुसार, इस यात्रा पर संबंधित बोर्ड प्रमुखों के बीच कोई आधिकारिक बैठक नहीं होने वाली है। बिन्नी और शुक्ला अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान तीन या पांच सितंबर को गद्दाफी स्टेडियम में एक मैच भी देख सकते हैं। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पाकिस्तान जाने से मना किया था, जिसके कारम पीसीबी को एशिया कप के 13 में से चार मैचों की मेजबानी ही दी गयी है। कई महीनों की तनातनी के बाद बीसीसीआई सचिव जय शाह की अध्यक्षता वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने हाइब्रिड मॉडल में टूर्नामेंट आयोजित करने पर सहमति जताई थी, जिसके तहत भारत अपने सभी एशिया कप मुकाबले श्रीलंका में खेलेगा। भारत अपने एशिया कप अभियान की शुरुआत दो सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ करेगा। अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं तो वे एक-दूसरे से इस टूर्नामेंट के दौरान तीन बार भिड़ सकती हैं।

सार संक्षेप

आईपीएल के बाद दूसरे स्थान पर हो सकता है इंग्लैंड का द हंड्रेड : सैम करेन

लंदन। इंग्लैंड के बाएं हाथ के तेज ऑलराउंडर सैम करेन को लगता है कि द हंड्रेड निश्चित रूप से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद फ्रेंचाइजी क्रिकेट सर्किट में दूसरा सबसे अच्छा टूर्नामेंट है। करेन रविवार को अपनी टीम ओवल इनविंसिबल्स के लिए द हंड्रेड के फाइनल में खेलेंगे। वह दक्षिण अफ्रीका में एसए20 के उद्घाटन संस्करण में एमआई केप टाउन का प्रतिनिधित्व करने के अलावा, आईपीएल में पंजाब किंग्स के साथ-साथ चेन्नई सुपर किंग्स के लिए भी खेल चुके हैं। मुझे लगता है कि खिलाड़ी इस प्रारूप के अधिक आदी हो गए हैं, और टीमें तीन वर्षों में काफी स्थिर रही हैं, इसलिए वे प्रशंसकों के लिए परिचित चेहरे हैं। अच्छी भीड़, अच्छी पिचें, बहुत सारे करीबी मुकाबले... हमें शानदार समर्थन मिला है। इंग्लैंड सभी बड़े मैदानों के साथ क्रिकेट खेलने के लिए एक शानदार जगह है और निश्चित रूप से यह आईपीएल के बाद दूसरे स्थान पर हो सकता है। द टेलीग्राफ ने करेन के हवाले से कहा, हमारे पास जो भी घरेलू प्रतिभा है, वह हमें वैसे भी हासिल करनी चाहिए। इंग्लैंड के पास सफेद गेंद के बहुत सारे शानदार खिलाड़ी हैं और इसने इसे एक महान प्रतियोगिता बना दिया है। उम्मीद है कि यह इसे बड़ा और बेहतर बना सकता है। करेन पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में पुरुष टी20 विश्व कप जीतने वाले इंग्लैंड में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट थे।

लायल्स ने बोल्ट की डबल उपलब्धि को दोहराया

बुडापेस्ट। युलिमार रोजस और हारुका कितागुची दोनों ने अपने अंतिम प्रयासों के साथ विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीत हासिल की, जबकि नोआ लायल्स ने यहां अपने 100 मीटर के ताज में 200 मीटर का खिताब जोड़ा। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पुरुषों के 200 मीटर फाइनल में, अमेरिकी लायल्स ने 19.52 सेकंड में इस दूरी में अपना लगातार तीसरा विश्व खिताब जीता और 2015 में जमैका के दिग्गज यूसेन बोल्ट के बाद विश्व चैंपियनशिप में 100 मीटर और 200 मीटर युगल जीतने वाले पहले धावक बन गए। लायल्स के टीम साथी एरीयोन नाइटन ने 19.75 सेकंड के साथ रजत पदक जीता, जबकि बोत्सवाना के लेट्सइल टेबू 19.81 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे। लायल्स ने कहा, यह जानकर बहुत अच्छा लग रहा है कि मैंने कुछ ऐसा किया है जो बहुत से लोगों ने नहीं किया है। लायल्स की नज़र अब 4×100 मीटर रिले स्पर्धा में तीसरा स्वर्ण जीतने पर भी है। महिलाओं की ट्रिपल जंप में विश्व रिकॉर्ड धारक और ओलंपिक चैंपियन युलिमार रोजस अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म से बहुत दूर थीं और केवल एक जंप के साथ 14.33 मीटर में आठवें स्थान पर थीं।

भारत ने 14 पदकों के साथ विश्व चैंपियनशिप को कहा अलविदा

बाकू, 26 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने निशानेबाज़ी विश्व चैंपियनशिप 2023 में छह स्वर्ण और आठ कांस्य सहित 14 पदक जीतकर अपने शानदार अभियान का अंत किया। ओलंपिक और गैर-ओलंपिक नियमित शूटिंग प्रतियोगिताएं शुक्रवार को संपन्न हुई। चैंपियनशिप में रैंकिंग स्पर्धाएं 31 अगस्त तक जारी रहेंगे लेकिन इनमें कोई भारतीय भाग नहीं लेगा। वर्तमान में भारतीय शूटिंग टीम कुल पदक तालिका में चीन (15 स्वर्ण, सात रजत, छह कांस्य) के बाद दूसरे स्थान पर है। पांच स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य सहित आठ पदक जीतकर अमेरिका तीसरे स्थान पर है।

चार भारतीय निशानेबाज़ों ने चैंपियनशिप के दौरान पेरिस ओलंपिक 2024 के लिये भी क्वालीफाई किया। राजेश्वरी कुमारी (महिला ट्रैप), सिफ्त कौर समरा (महिला 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन), अखिल श्योराण (पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन) और मेहुली घोष (महिला 10 मीटर एयर राइफल) ने अपनी-अपनी स्पर्धाओं में ओलंपिक कोटा हासिल किया। तियाना, साक्षी सूर्यवंशी और किरणदीप कौर की 50 मीटर पिस्टल महिला टीम ने शुक्रवार को स्वर्ण पदक के साथ भारत का अभियान समाप्त किया। अमनप्रीत सिंह ने पुरुषों की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता, जबकि शिव नरवाल और ईशा सिंह ने मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में स्वर्ण हासिल किया। रिदम सांगवान, ईशा सिंह और मनु भाकर की भारतीय महिला तिकड़ी ने महिलाओं की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, नीरज कुमार और अखिल श्योराण ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 टीम स्पर्धा में, जबकि मेहुली घोष तिलोत्तमा सेन और रमिता ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किये।

महिला हॉकी में मलेशिया पर भारत की बड़ी जीत

नई दिल्ली, 26 अगस्त (देशबन्धु)। कप्तान आक्रामक मिडफील्डर नवजोत कौर और मोनिका दीपि टोपो के दो-दो तथा अक्षता ढेकले, मरियाना कुजूर और महिमा चौधरी के एक-एक गोल की बदौलत भारत ने मलयेशिया को ओमान में महिला एशियन हॉकी 5 विश्व कप क्वॉलिफायर के इलीट ग्रुप मैच में 7-2 से करारी शिकस्त दी। पराजित मलयेशिया की ओर से वानवान और अजीत जाफरिया ने एक-एक गोल किया। भारत की महिला हॉकी टीम अब अपने अहम अगले मैच में जापान से भिड़ेगी।

■ भारत की जीत में कप्तान नवजोत और मोनिका टोपो के दो-दो गोल

नवजोत कौर और मरियाना कुजूर की अगुआई में भारत की महिला हॉकी टीम ने मलयेशिया के खिलाफ आक्रामक अंदाज में आगाज किया। नवजोत कौर ने तीसरे ही मिनट में गोल कर भारत की महिला हॉकी टीम का खाता खोला और अगले ही मिनट अक्षता ढेकले ने मैदानी गोल कर भारत की बढ़त 2-0 कर दी।वान वान ने सातवें और अजीत जाफरिया ने 11 वें मिनट में गोल कर मलयेशिया को दो -दो गोल की बराबरी दिला दी। मोनिका दीपि टोपो ने अगले ही मिनट में गोल कर भारत को हाफ टाइम तक 3-2 से आगे कर दिया।

मरियाना कुजूर ने दूसरे हाफ के दूसरे और तीन मिनट बाद मोनिका दीपि टोपो ने मैच का अपना दूसरा गोल कर भारत की बढ़त 5-2 कर दी। कप्तान नवजोत कौर ने खेल खत्महोने से दो मिनट पहले अपना दूसरा गोल कर तथा अगले ही क्षण महिमा चौधरी ने बेहतरीन गोल कर भारत को 7-2 से आगे कर उसकी जीत पक्की कर दी।

एक्सलसन को हराकर विश्व चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रणय

कोपनहेगन, 26 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के शीर्ष पुरुष एकल शटलर एचएस प्रणय ने शुक्रवार को बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में पिछड़कर वापसी करते हुए गत विश्व चैंपियन विक्टर एक्सलसन को 2-1 से मात दी। दुनिया के नौवें नंबर के शटलर प्रणय ने एक घंटे आठ मिनट तक चली कांटे की टक्कर में विश्व के नंबर एक एक्सलसन को 13-21, 21-15, 21-16 से हराकर न सिर्फ सेमीफाइनल में प्रवेश किया, बल्कि अपने लिये कम से कम कांस्य पदक भी पक्का कर लिया। यह विश्व चैंपियनशिप में प्रणय का पहला पदक होगा।

दूसरी ओर, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी डेनमार्क के किम एस्ट्रप और एंडर्स रासमुसेन से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गयी। साल 2022 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय जोड़ी इस बार क्वार्टरफाइनल की बाधा पार नहीं कर सकी। रासमुसेन-एस्ट्रप ने 48 मिनट चले मुकाबले में भारतीय युगल को 21-18, 21-19 से हराया। डेनमार्क के एक्सलसन ने घरेलू दर्शकों के सामने मुकाबले की दमदार शुरुआत की और अपनी लंबी कदकाठी का फायदा उठाते हुए पहले गेम में तेज़ी से 10-3 की बढ़त बना ली। प्रणय ने दो अंक अपने पक्ष में किये लेकिन ज़ोरदार स्मैश खेलकर एक्सलसन ने छह अंक की बढ़त के साथ ब्रेक में प्रवेश किया।

ब्रेक के बाद प्रणय ने लंबी रैलियां खेलकर अपने प्रतिद्वंदी की बढ़त 11-15 तक कम की, हालांकि दो बार के विश्व चैंपियन एक्सलसन ने जल्द ही अपनी लय हासिल की और लगातार पांच अंक स्कोर करते हुए 21-13 से पहला गेम जीत लिया।

मलेशिया मास्टर्स 2023 के चैंपियन प्रणय ने दूसरे गेम में भी लंबी रैलियां की योजना बरकरार रखी और उन्हें इसका फायदा भी मिला। इस गेम में एक्सलसन तेज़ स्मैश नहीं खेल सके जबकि भारतीय शटलर ने 11-9 की बढ़त के साथ ब्रेक में प्रवेश किया।

ब्रेक के बाद एक्सलसन की अप्रत्याशित गलतियों से प्रणय ने 17-10 की बढ़त बनायी और धैर्य के साथ 21-15 पर गेम को खत्म किया।

निर्णायक गेम में प्रणय अपनी योजना पर टिके रहे लेकिन एक्सलसन ने अपनी लंबी कदकाठी का प्रयोग कर उन्हें कोर्ट के दोनों छोरों पर चुनौती दी। प्रणय गेम के शुरुआती चरण में एक्सलन की आक्रामकता के आगे संघर्ष करते हुए नज़र आये, हालांकि स्कोर 5-5 पर बराबर रहा। प्रणय ने इसके बाद तेज़ वापसी की और पलक झपकते ही ब्रेक तक 11-6 की बढ़त बना ली। उन्होंने ब्रेक के बाद भी एक्सलसन को हाथ खोलने का मौका नहीं दिया और 20-15 पर मैच पॉइंट हासिल कर लिया। प्रणय का एक शॉट कोर्ट के बाहर जा गिरा, लेकिन अगले शॉट पर एक्सलसन की गलती से भारतीय खिलाड़ी ने सेमीफाइनल का टिकट कटा लिया।

इससे पूर्व, विश्व की नंबर दो जोड़ी सात्विक-चिराग ने इससे पहले रासमुसेन-एस्ट्रप को छह में से पांच बार हराया था, हालांकि घरेलू दर्शकों के सामने डेनमार्क की इस जोड़ी ने मज़बूत शुरुआत की। सात्विक-चिराग की अप्रत्याशित गलतियों की बदौलत रासमुसेन-एस्ट्रप ने ब्रेक तक 11-6 की मज़बूत बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भारतीय जोड़ी की कोशिशों के बावजूद रासमुसेन-एस्ट्रप पहला गेम 21-18 से जीतने में सफल रहे। मेज़बान जोड़ी का आक्रामक रवैया दूसरे गेम में भी बरकरार रहा और उन्होंने इस बार ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद सात्विक-चिराग के बीच अधिक समन्वय देखने को मिला। भारतीय जोड़ी जब 14-10 से पीछे थी तब उन्होंने अगले पांच में से चार पॉइंट अपने पक्ष में करते हुए स्कोर 15-15 पर बराबर कर लिया।

मेज़बान युगल ने एक पॉइंट की बढ़त ली लेकिन सात्विक ने नेट पर अपने विपक्षियों से गलती करवाते हुए स्कोर बराबर रखा। भारतीय जोड़ी ने इस समय तक अच्छी वापसी की थी लेकिन एस्ट्रप-रैसमुसेन ने अधिक अनुशासन दिखाकर 18-16 की बढ़त बनायी और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। पुरुष एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय अब विश्व चैंपियनशिप में एकमात्र भारतीय बचे हैं। वह आज गत विश्व चैंपियन विक्टर एक्सलसन के खिलाफ कोर्ट पर उतरेंगे।

साहित्य

कहानी

एक नन्ही मुस्कान

रीता दूसरे कमरे में बच्चों को सुलाने की तैयारी कर रही थी और बच्चे किसी बात पर आपस में बहस कर रहे थे। अचानक राजन को विचार आया कि आज उसे रति की मुस्कुराहट नहीं मिली। क्या इसी कारण वह उखड़ा हुआ था ? आज ऑफिस में काम करने में मन भी नहीं लग रहा था। ऐसा कैसे हो सकता है ? रति और मुझमें कोई सम्बन्ध नहीं है। हमने आपस में बात करने या पास आने का भी प्रयत्न नहीं किया।

■ गीतांजलि श्री

कपड़े बदलते हुए राजन ने रीता से कहा, जो रसोई घर में रात की खाने के तैयारी कर रही थी :

''लिफ्ट में आते समय डॉ. पमनानी को लिफ्ट से बाहर निकलते देखा, बिल्डिंग में शायद कोई बीमार है।''

रीता ने हाथ में पकड़ी हुई खाने की चीजें मेज पर रखीं और प्लेटें नेपकिन से पोंछते हुए कहा, ''रति बीमार है, आज ऑफिस भी नहीं गयी।''

खाने का पहला कौर मुँह में डालते हुए राजन के कहा : ''आज ऑफिस में मुझसे काम नहीं हो पा रहा था, ऐसा लग रहा था जैसे तबीयत ठीक नहीं है।''

रीता ने राजन की ओर जाँचती हुई दृष्टि से देखा, फिर खाना खाते हुए कहा, ''बुधवार की छुट्टी है, आप डॉक्टर से जाँच करवा लें।''

''बच्चे क्या कर रहे हैं ?

''पढ़ रहे हैं, टर्मिनल टेस्ट होने वाला है।''

दोनों चुपचाप खाना खा रहे थे। महानगर का कोलाहल धीरे-धीरे कम हो रहा था। रीता ने कहा, ''भगवान के पास न्याय नहीं है।''

राजन भीतर-ही-भीतर जैसे चौंक पड़ा। प्रश्नवाचक दृष्टि से पत्नी की ओर देखने लगा।

रीता ने कहा, ''रति कितनी अच्छी स्त्री है, पर पति कैसा किस्मत में लिखा हुआ था। अच्छे-भले, खाते-पीते घर की लड़की कहाँ आ पड़ी। कहते हैं, उसका पति अब रोज पीकर आता है। पता है, तरक्की के बाद रति की तनख्वाह बढ़ गयी है ?''

राजन कोई भी उत्तर नहीं सोच सका। वह चुपचाप खाना खाता रहा। दूसरे कमरे से बेटी की पुस्तक पढ़ने की आवाज आ रही थी।

बात को आगे बढ़ाते हुए रीता ने कहा, ''रति अब अफसर बन गयी है। उसकी तनख्वाह एक हजार बढ़ गयी है।''

राजन के चेहरे पर कुछ गम्भीरता आ गयी, जैसे कोई खास खबर सुनी हो।

''बेचारी रति, सुबह को जल्दी उठकर घर का कामकाज करके बच्चों को स्कूल के लिए तैयार करती है। सबको नाश्ता देकर, दोपहर का खाना बनाकर पति को देती है और खुद लेकर दफ्तर जाती है। सारा दिन दफ्तर में काम करने के बाद, घर लौटने पर फिर काम।'' रीता के स्वर में स्त्री की पीड़ा छुपी थी।

राजन ने कोई उत्तर नहीं दिया।

राजन का मन कुछ देर तक अपने भीतर कुछ टटोलता रहा। फिर एकाएक वह चौंक पड़ा। कई दृश्य उसकी आँखों के सामने चलचित्र की तरह घूमने लगे।

रोज सुबह उठने में देर हो जाने के कारण पहला विचार जो राजन के मन में आता है, वह यह कि उसकी रोज वाली बस कहीं छूट न जाए। वह हर काम जल्दी-जल्दी करता है। बार-बार घड़ी देखता है।

जल्बाजी में नाश्ता भी पूरा नहीं करता है। कई बार पेन मेज पर छूट जाता है। बेल्ट भी लिफ्ट में उतरते-उतरते बाँधता है। रास्ते पर उसके पैर चलते नहीं, दौड़ते हैं। उसे अपनी ही फुर्ती पर आश्चर्य होता है। बस स्टॉप पर पहुँचकर रति को वहाँ लगी लाइन में खड़े देखकर उसे राहत-सी होती है। रति का कतार में होना इस बात का संकेत है कि उसकी बस अभी नहीं आयी है। वह कुछ धीमे चलने लगता है। सोचता है चिन्ता करना, अपने आप को रौंदना, उसकी आदत बन गई है। फालतू बातें और भ्रम मन में पालना उसके स्वभाव का हिस्सा बन गये हैं। वह बस के बारे में ऐसे सोचता है, जैसे वह बस स्टैंड उसकी जिन्दगी की दौड़ की मंजिल हो।

रीता ने कहा, ''राजन, भगवान ने स्त्रियों का जीवन इतना दु:खमय क्यों बनाया है ? बदलते हुए इस समय में कहा जाता है कि सब कुछ बदला है, पर स्त्री का भाग्य कहाँ बदला है ?''

राजन कुल्ला करके आ गया था। तौलिए से हाथ पोंछते हुए पूछा, ''क्या मिस्टर साजनानी बहुत ज्यादा पीने लगे हैं ?''

रीता ने कहा, ''सुना है, अब तो धन्धे पर भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। सारा धन्धा चौपट हो गया है। अब तो पत्नी की तनख्वाह से ही घर चल रहा है।''

राजन ने सूखे स्वर में कहा, ''यह धन्धा भी तो रति के पिता ने ही शुरू करवा कर दिया था।''

रीता ने उसाँस भरते हुए कहा, ''माँ-बाप-बेटी के लिए सौ आशाएँ रखें, हजार कोशिशें करें, पर किस्मत भी साथ दे, तब न।''

राजन को दफ्तर में बिताया दिन याद आया। रीता से बोला, ''मैं आज स्वयं को थका-थका अनुभव कर रहा हूँ। ऑफिस में काम करने में मन नहीं लग रहा था।''

''सोफे पर आराम से बैठकर टी. वी. देखिए, पर आवाज कम रखिएगा। बच्चों की पढ़ाई में डिस्टर्ब होगा। मैं जरा रति को देख आऊँ।''

राजन सोफे पर बैठकर टी. वी. देखने लगा। चित्रहार चल रहा था। फिल्मी गीतों पर नायक-नायिका नाचते-कूदते चक्कर लगा रहे थे। पीछे के दृश्य बार-बार बदल रहे थे। नायिका कभी साड़ी में, कभी सरवार-कुर्ते में तो कभी जींस, टी-शर्ट में नाच रही थी। हमेशा की तरह आज भी यह कार्यक्रम राजन को बहला न सका। उसे लगा कि उसका मन उखड़ा-उखड़ा है। टी. वी. में नाचते लोग उसे मनुष्य न लगकर, बैटरी से चलने वाले प्लास्टिक के खिलौने लग रहे थे। उसने उठकर टी. वी. बन्द कर दिया।

वह सोचने लगा, 'इन्सान की जिन्दगी कितनी बेतुकी और थका देने वाली है। रोज-रोज वही काम करने पड़ते हैं, बिना किसी उद्देश्य के। जिन्दगी का जैसे कोई अर्थ नहीं रह गया है। जीना जैसे एक आदत बन गई है।' आज ऑफिस में काम करते समय, उसका शरीर और आत्मा दोनों थके हुए थे।

उसी समय रीता पास वाले घर से वापस आई, बोली, ''थोड़ी देर हो गई, टी वी. क्यों बन्द कर दिया ?''

''देखने में मजा नहीं आया।''

''आप आज कुछ थके-थके लग रहे हैं। मैं बच्चों को सुलाकर अपना बिस्तर ठीक कर आती हूँ। आप एस्प्रीन की गोली खाकर सोना, नींद आ जाएगी।'' दरवाजे के पास पहुँचकर रीता ने पति की ओर देखा और फिर बोली, ''रति को एक सौ दो बुखार था, पर बुखार में भी वह मुस्कुरा रही थी।''

उसे देखकर रति के चेहरे पर एक छोटी-सी, पर अपनत्व भरी, कुछ दु:ख-भरी, कुछ सुख-भरी दूज के पतले चाँद की तरह बारीक मुस्कुराहट दिखाई देती है। राजन जानता है, यह मुस्कान उसके लिए है और उसके अपने चेहरे पर उसकी जानकारी के बिना मुस्कुराहट तैर जाती है। वह सुबह की सारी तकलीफें, सारी परेशानियाँ भूल जाता है। जब वह बस में अपनी सीट पर बैठा रहता है और बस शहर की रणभूमि की सेनाओं के बीच रास्ता बनाती, बँधी आँखों वाले घोड़े की तरह दौड़ती रहती है तब वह नन्हीं मुस्कान, गुब्बारे की तरह फूलकर उसके हृदय को अनजानी प्रसन्नता से भर देती है। उसके हृदय से प्रवाहित होने वाला रक्त, उस मुस्कान को उसके सारे शरीर में फैला देता है। वह भूल जाता है कि रति भी इसी बस में कहीं बैठी है। सिर्फ वह मुस्कान उसके साथ होती है और उसके शरीर में टॉनिक की तरह ताकत और ताजगी का संचार करती रहती है।

उसने और रति ने आपस में कभी बात नहीं की है। उन्हें इतना पता है कि वे पड़ोसी हैं, एक-दूसरे के पास रहते हैं। उनकी आत्माएँ एक-दूसरे के इर्द-गिर्द फड़फड़ाती रहती हैं। राजन को लगता है, वह मृत नहीं है। बस में बैठे और मनुष्य भी निर्जीव नहीं हैं। रास्ते के दोनों ओर बनी इमारतें महज दीवारें नहीं हैं। उनके भीतर धड़कते हृदय है। शायद रति की यह नन्ही मुस्कान, उसके निरर्थक जीवन को थोड़ी देर के लिए अर्थवान बना देती है। बड़े शहरों में बस की यात्रा प्राय: लम्बी होती है। कभी-कभी लगता है कि यह .यात्रा पूरी नहीं होगी, पर हरेक बस किसी मुकाम पर आकर रुक जाती है। सारे यात्री वहाँ उतरते हैं। बस खाली खोका बन जाती है। राजन का दफ्तर आखिरी स्टॉप के पास में है और रति का कुछ और दूर। दोनों बस के आखिरी स्टॉप पर उतरते हैं और लोगों की भीड़ में खो जाते हैं। खो जाने के पहले राजन की निगाहें रति की आँखों को ढूँढ़ लेती हैं।

अनजाने में ही उसके चेहरे पर मुस्कुराहट आ जाती है। प्रत्युत्तर में रति के चेहरे पर भी एक नन्हीं से मुस्कुराहट तैर आती है। यह सब राजन की आदत-सी बन गई है। उसे लगता है कि जब उसका आँखें रति की आँखों को ढूँढ़ लेती हैं, तब रति भी शायद उसकी निगाहों की प्रतीक्षा में होती है। शायद उसकी मुस्कुराहट न पाकर वह कुछ खो जाने जैसा अनुभव करती है।

रीता दूसरे कमरे में बच्चों को सुलाने की तैयारी कर रही थी और बच्चे किसी बात पर आपस में बहस कर रहे थे। अचानक राजन को विचार आया कि आज उसे रति की मुस्कुराहट नहीं मिली। क्या इसी कारण वह उखड़ा हुआ था ? आज ऑफिस में काम करने में मन भी नहीं लग रहा था। ऐसा कैसे हो सकता है ? रति और मुझमें कोई सम्बन्ध नहीं है। हमने आपस में बात करने या पास आने का भी प्रयत्न नहीं किया। मौका मिलने पर भी हम दोनों बस में कभी पास नहीं बैठे हैं। हम दोनों एक-दूसरे के इतना पास या दूर हैं, जितने दो तारे। राजन ने स्वयं से पूछा, 'क्या यह सत्य हो सकता है कि वह मुस्कुराहट मुझे सारे दिन ताजगी देती है ? सारा दिन मेरे चारों ओर उसका असर बना रहता है ?'

उसी समय रीता कमरे में आयी। बोली, ''मैंने बिस्तर बिछा दिया है।'' दोनों सोने के कमरे में आये। राजन ने रोज की तरह पलंग पर बैठते ही टेबल-लैम्प नहीं जलाया।

रीता ने आश्चर्य से पूछा = ''क्या, आज किताब नहीं पढ़ेंगे ?'' राजन की आदत थी कि सोने से पहले वह कुछ देर तक कोई किताब या पत्रिका पढ़ता था।

'नहीं।' उसने कहा और तकिए पर सिर रख लेट गया।

बत्ती बुझाकर रीता, राजन के पास लेट गयी। बोली, ''रति को डॉक्टर कह गया है कि उसे हफ्ते भर तक आफिस नहीं जाना चाहिए।''

राजन अँधेरे में छत की ओर देखते हुए सोचने लगा कि इस सप्ताह रति की मुस्कुराट पाए बिना, उससे ऑफिस में काम कैसे होगा?

राखी

■ नज़ीर अकबराबादी

चली आती है अब तो हर
कहीं बाज़ार की राखी
सुनहरी सब्ज़ रेशम ज़र्द और गुलनार की राखी

बनी है गो कि नादिर खूब हर सरदार की राखी
सलोनों में अजब रंगीं है उस दिलदार की राखी

न पहुँचे एक गुल को यार जिस गुलज़ार की राखी
अयाँ है अब तो राखी भी चमन भी गुल भी शबनम भी

उठाना हाथ प्यारे वाह-वा टुक देख लें हम भी
तुम्हारी मोतियों की और ज़री के तार की राखी

कहाँ नाज़ुक ये पहुँचे और कहाँ ये रंग मिलते हैं
चमन में शाख़ पर कब इस तरह के फूल खिलते हैं

जो कुछ खूबी में है उस शोख़-ए-गुल-रुख़सार की राखी
फिरें हैं राखियाँ बाँधे जो हर दम हुस्न के तारे

तो उन की राखियों को देख ऐ जाँ चाव के मारे
पहन ज़ुन्नार और क़श्क़ा लगा माथे उपर बारे

'नज़ीर' आया है बाम्हन बन के राखी बाँधने प्यारे
बँधा लो उस से तुम हँस कर अब इस त्यौहार की राखी

लघुकथा ■ प्रभा दीक्षित

वर्तमान काल-कथा

वह गांव से भाग कर शहर आया है ताकि कुछ मेहनत मजदूरी कर के अपने आपको एवं परिवार को जीवित रख सके। एक सप्ताह भटकने के बाद भी उसे काम नहीं मिला। भूख के कारण उसे दिन में तारे दिखाई दे रहे हैं। वह भीख मांगने की सोच रहा है, मगर भीख मांगने की आदत नहीं है। तभी उसने देखा शहर की चालू सड़क पर एक मंदिर बना है जहां भिखारियों की भीड़ है। उसने सोचा यहां अवश्य कुछ खाने को मिलता होगा। वह भीड़ से कुछ अलग भीड़ में शामिल हो गया है। तभी एक भक्त पाव भर मिठाई के साथ मंदिर के बाहर आते हैं। भिखारियों की भीड़ उन्हें घेरे हैं। वह एक छोटा पेड़ा सबको देते हुए आगे बढ़ते हैं और उस गंवई युवक से कहते हैं 'लो भाई प्रसाद लो।' वह अंजुरी बांधकर दोनों हाथ फैला देता है। एक दस ग्राम का पेड़ा उसके हाथ में है, वह खाने जा रहा था तभी बगल में एक भिखारी बालक गिड़गिड़ा कर कहता है- ''मुझे भूख लगी है।'' युवक के सामने गांव में छोड़ा हुआ उसका बच्चा साकार हो उठता है। वह उसे पेड़ा देकर आगे बढ़ जाता है और एक पार्क में जाकर ढ़ह जाता है।

सुबह के अखबाार में एक छोटी सी खबर है पार्क में लावारिस युवक की लाश पाई गई। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के अनुसार-भूख, प्यास के कारण उसकी मृत्यु हो गई।

बाजारवाद में 'घिस रहा है धान का कटोरा'

समीक्षक : अरविन्द श्रीवास्तव

नागार्जुन अपनी कविता 'सिके हुए दो भुट्टे' में लिखते हैं- 'सिके हुए दो भुट्टे सामने आए तबीयत खिल गई, दाँतों की मौजूदगी का सुफल मिला तबीयत खिल गई' .. नागार्जुन की इस कविता का नायक- अखिलेश ने अपनी मेहनत से जिन पौधों को उगाया था, वार्ड नंबर दस के पीछे जेल की क्यारियों में। ढाई महीने पहले की अखिलेश की खेती इन दिनों अब जाने किस-किस को पहुँचा रही है सुख। बीसियों जने आज अखिलेश को दुआ दे रहे हैं। सिके हुए भुट्टों का स्वाद ले रहे हैं डिस्ट्रिक्ट जेल की चाहरदीवारियों के अंदर नागार्जुन की इन पंक्तियों में जो वेदना छिपी है, वह वर्तमान व्यवस्था को बड़ी मुलायमियत से बेनकाब करती है। यह महज संयोग है कि किसानी संस्कृति पर अपनी बेबाक लेखन के लिए चर्चा में आये कवि लक्ष्मीकांत मुकुल द्वारा नव सृजित संग्रह 'घिस रहा है धान का कटोरा' वर्तमान हालात से दो-दो हाथ करने को उतारू हैं । संग्रह में समाहित कुल पचहत्तर कविताएं समय की कुव्यवस्था को न केवल आईना दिखलाती हैं, बल्कि बहुत कुछ सोचने को विवश भी करती हैं। ठेठ देशज व आंचलिक अंदाज की ये कविताएं बगैर किसी लाग-लपेट के पाठकों के जेहन को एक नए अहसास का आस्वादन कराती हैं। संग्रह में कृषि कर्म, ग्रामीण संस्कृति, हमारी परंपरा और पर्यावरण की चिंता इनकी कविताओं के केंद्र बिंदु रहे हैं, बहरहाल इनकी लेखनी की जद में अनेक ऐसे अछूते विषय भी हैं, जहां एक सधा हुए कवि ही पहुंच सकता है । विकासवाद के अंधी दौड़ में भागती दुनिया में जो पीछे छूट रहा है, उसकी नोटिस कवि बेहद मार्मिकता से करता हैं, जैसे- भलुआहीं मोड़ की फुलेसरी देवी के मन में/ बसी है छोटी लाइन/ वह बालविवाहिता दहेज दानवों से उत्पीड़ित/ खूंटा तोड़कर भागी थी घर से/ इसी रेलगाड़ी पर किसी ने दी थी उसे पनाह।

कवि का मुख्य फोकस कृषि कर्म से जुड़े धरती पुत्र श्रमिकों पर रहा है, उनकी दशा का चित्रण बड़े ही सटीक ढंग से करते हुए वह कहता है - कौन है वह शातिर चेहरा/ जो छीन रहा है जनता से/ कृषि योग्य भूमि का अधिकार/ सेज, हाइवे, बांधों रेलखंडों के नाम/ कौन बुला रहा है विदेशी कम्पनियों को/ कारपोरेट खेती करने, एग्रो प्रोसेसिंग इकाइयां बनाने के लिए/ हमारी छाती पर मूंग दलते हुए/ हाईब्रिड बीजों, केमिकल खादों, जहरीली दवाओं/ महँगे यंत्रों से कौन चीरहरण करना चाहता है, हमारी उर्वरता का ?

कवि का मानना है कि बाजार व्यवस्था की पीठ पर पलथी मारे बैठे हैं जल्लाद, नए अवतार में नई चालबाजियां चलते हुए, हमारा ध्यान भटकते हुए नित्य नई युक्तियों से ! कवि लक्ष्मीकांत मुकुल शांत सहज प्रकृति के कवि हैं, उनकी चिंतन का दायरा समस्त ब्रह्मांड है, स्वभाविक है, पर्यावरण के प्रति उनका नजरिया भी संवेदनशील होगा, 'यह कैसा समय है' शीर्षक कविता में वे कहते हैं- यह कैसा समय है, जब कजरारी घटाएं भूल जाती हैं बरसने की जिम्मेदारी, वनस्पतियां भूल जाती है समयानुसार फूलना-फलना, मौसम बदल रहा है, ऋतु-चक्र का प्रत्यावर्तन, मौसमी हवाएं पल बदलकर, पश्चिमी विक्षोभ में हो रही है शामिल !

कवि ने अभी बीते कोरोना काल के दंश को देखा और भोगा है, जिसके ताण्डव से पूरी दुनिया कांप गयी थी, कवि मानता है कि - गहरी साजिशों के तहत/ वे शैतान उत्पन्न कर रहे हैं मनुष्यता के विरुद्ध जैविक औजार/ जिनके पास गुण नहीं होते, बांझ पपीते में लाने को फल/ जिनके जनमाये रोबोट नहीं बना सकते, मधुमक्खियों जैसे शहद बूंद/ उनके बनाए हाइड्रोजन बमों से बंजर हो चुकी मरुभूमियों पर, नहीं बरसाई जा सकती झमाझम बारिश, जिससे गदाराकर उभर आती, गर्भवती स्त्री सदृश्य इस धरती की काया ! सच में कोरोना काल की भयावहता के लिए शब्द तामिर नहीं हो सकते, कवि अपनी सौभाविक मुलायमियत का परिचय देते हुए कहता है कि कोरोना जैसे दानव-दूतों के आगमन से रोकी जा रही है मिलने-जुलने की संभावनाएं, स्वजनों को छूने-चूमने पर लग गया है कर्फ्यू !

समकालीन कविता में प्रेम और युद्ध की चर्चा वैश्विक स्तर पर होते रही है, जैसे इसके बगैर कोई संग्रह मुकम्मल नहीं हो सकता ।'घिस रहा है धान का कटोरा' में कवि ने इन विषयों पर गंभीरता से विमर्श किया है 'युद्ध' कविता की बानगी दीगर है- युद्ध की भाषा उन्मादी होती है, जिसमें शामिल होते हैं विध्वंसक तत्व, इमारतों को नष्ट करने, खड़ी फसलों को ख़ाक में मिलाने के लिए, दूधमुहें बच्चों को माँ की आँचल से दूर करने की साज़िश, चरवाहों को उनके पशुओं, किसानों को उनके खेतों से, बेदखल करने की सनक.. तानाशाह का दर्प अट्टहास करता है, युद्ध की भाषा की शैली में, दूसरों से छीन लेने की आजादी.., युद्ध थोपने वाला चाहता है, कि वह छीन ले मासूम बच्चों की हंसी, कामगारों के हाथों से कुदाल, नौजवानों के पास से सपनें, बूढ़ों के सहारे की छड़ी..!

इस संग्रह में कवि ने प्रेम के लिए पर्याप्त स्पेस बचाए रखा है, कवि जानता है कि प्रेम से ही इस धरा पर सुख, शांति और संपन्नता का बीजारोपण हो सकता है और नकारात्मकता को खदेड़ा जा सकता है। प्रेम के अपने अहसास को कवि शब्दों में व्यक्त करते हुए लिखता है कि- मदार के उजले फूलों की तरह, तुम आयी हो कूड़ेदान भरे मेरे इस जीवन में, तितलियों, भौरों जैसा उमड़ता, सूंघता रहता हूँ तुम्हारी त्वचा से उठती गंध, तुम्हारे स्पर्श से उभरती चाहतों की कोमलता, तुम्हारी पनीली आंखों में छाया पोखरे का फैलाव..!

कवि ने अपने कविता कर्म में तनिक भी कोताही नहीं की है। कवि की सक्रियता देश की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में उनके लेखन से भी की जा सकती है, अनेक भाषाओं में अनुदित इनकी कविताएं बिहार के बक्सर जनपद से उठकर विश्व पटल पर अपनी खुशबू बिखेर रही है ! कवि के लिए साधुवाद व स्वस्थ जीवन की मंगलकामनाएं करता हूँ ।

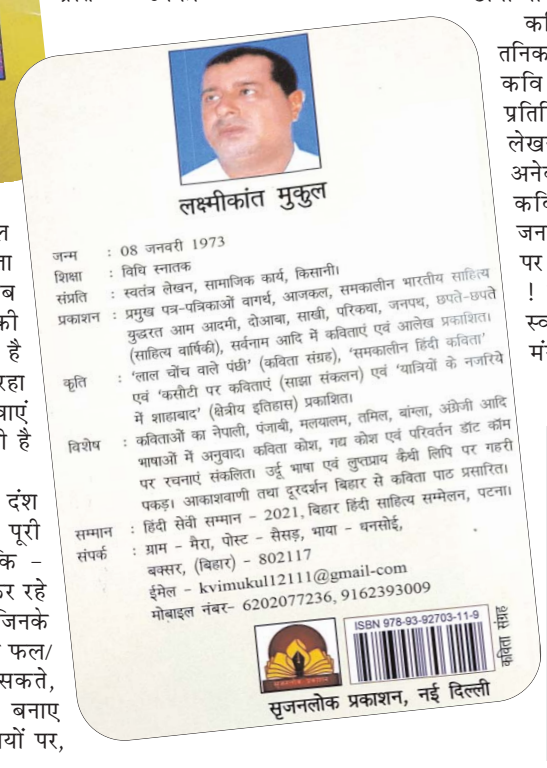

पुस्तक : घिस रहा है धान का कटोरा (कविता संग्रह)
लेखक : लक्ष्मीकांत मुकुल
प्रकाशन : सृजनलोक प्रकाशन, बी-1,दुग्गल कॉलनी, खानपुर, नई दिल्ली- 110062.
मूल्य: 299 ?

लोकतंत्र की मजबूती के लिए सबको करना चाहिए मतदान

बिहान दीदियों ने कलेक्टर संजीव झा को बांधे संकल्प सूत्र

दिया शत प्रतिशत मतदान का संदेश

बिलासपुर का अभिमान नारे से गूंज उठा शहर

बिलासपुर, 26 अगस्त (देशबन्धु)। घर, परिवार और समाज की बुनियाद महिलाओं के कंधों पर होती है। परिवार संभालने का पूरा दारोमदार उन्हीं पर होता है। घर की जिम्मेदारी बखूबी निभाने वाली बिहान की दीदियों ने इस बार शत प्रतिशत मतदान बिलासपुर का अभिमान सूत्र को हकीकत में बदलने की जिम्मेदारी भी ले ली है। इन दीदियों ने आज रक्षाबंधन त्यौहार के पहले चुनई राखी तिहार मनाया और स्वयं मतदान करने के अलावा अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का बीड़ा उठाया है। प्रार्थना भवन में आयोजित चुनई राखी त्यौहार में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव कुमार झा, सीईओं जिला पंचायत एवं स्वीप के नोडल अधिकारी अजय अग्रवाल सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में बिहान की दीदियां, कॉलेज के विद्यार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम में नगर की समाज सेवी संस्था पायल फाउंडेशन एक नया सवेरा एवं मार्मिक चेतना संस्थाओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। बेहद रोचक कार्यक्रम में शत प्रतिशत मतदान बिलासपुर का अभिमान नारे से पूरा हॉल गूंज उठा।

कलेक्टर संजीव कुमार झा के निर्देश पर साल के अंत में होने वाले विधानसभा निर्वाचन में मतदाताओं की शत प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर स्वीप की गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में आज चुनई राखी त्यौहार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बिहान की दीदियों ने स्वयं के द्वारा तैयार की गयी राखी संकल्प सूत्र बांधकर सभी से मतदान में आनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। कलेक्टर ने इस अवसर पर कहा कि मतदान लोकतंत्र का आधार है। एक-एक वोट से लोकतंत्र मजबूत होता है। वोट देने का अधिकार ऐसा अधिकार है जो हमें 18 साल इंतजार करने के बाद मिलता है। हमारे पास बहुत सारी जिम्मेदारियां हैं जिनका हम बखूबी निर्वहन करते हैं।

ठीक उसी प्रकार मतदान करना भी हमारी जिम्मेदारी है जो हमें संविधान ने दी है इसलिए हम सभी को अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करना चाहिए। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि पात्र सभी लोग अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य जुड़ाएं और अपने मताधिकार का इस्तेमाल करें। सीईओ श्री अग्रवाल ने कहा कि बिलासपुर में मतदान का प्रतिशत कम है। इसे बढ़ाना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से मतदान करने और अपने आस-पास के लोगों को प्रेरित करने की अपली की ताकि बिलासपुर जिला प्रदेश और देश के मानचित्र पर शत प्रतिशत मतदान से अपनी सशक्त भूमिका दर्ज कराएं।

मतदान की ली गई शपथ

आगामी विधानसभा निर्वाचन एवं सभी निर्वाचनों में निष्पक्ष रूप से शत प्रतिशत अपने मताधिकार का उपयोग करने की मतदाता शपथ सभी ने ली।

भाइयों को बंधेगी स्वीप राखियां

इस रक्षाबंधन पर भाईयों की कलाईयों में बिहान दीदियों के द्वारा बनाई गई स्वीप राखियां बंधेगी। बिल्हा ब्लॉक की महिला प्रगति समूह और जलधारा समूह की महिलाओं ने धान की बालियों सहित अन्य सामग्रियों से आकर्षक राखियां बनाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दे रही हैं।

प्रश्नोत्तरी सहित अन्य रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन

कार्यक्रम में बिहान दीदियों से मतदान से जुड़े प्रश्नोत्तरी और उंगली का दम जैसी अन्य रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विजयी प्रतिभागियों को कलेक्टर संजीव कुमार झा ने पुरस्कार भी दिया। कार्यक्रम में समूह की दीदियों ने अपने आसपास मतदाता जागरूकता के लिए की जा रही गतिविधियों की जानकारी दी।

इस दौरान उन्होंने अपने विचार भी साझा किए। कार्यक्रम का सफल संचालन आरजे सुश्री संस्कृति और फीजा ने किया। इस अवसर पर अतिरिक्त तहसीलदार शशिभूषण सोनी, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के एनएसएस प्रभारी मनोज सिन्हा, जिला पंचायत के पीओ ओम पाण्डेय, एनआरएलएम के जिला समन्वयक रामेन्द्र सिंह गुर्जर, आशीष शर्मा सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

ट्रेन के टायलेट में पानी नहीं, रेल मंत्री को ट्वीट

अंबिकापुर- दुर्ग एक्सप्रेस बिना पानी के चल रही

बिलासपुर, 26 अगस्त (देशबन्धु)। अंबिकापुर- दुर्ग एक्सप्रेस बिना पानी के चल रही है। शनिवार को तो इस ट्रेन की स्थिति यह थी कि यात्रियों को ब्रश करने तो दूर शौच तक के लिए पानी नहीं मिला। इससे परेशान होकर एक यात्री ने सीधे रेलमंत्री को ही ट्वीट कर दिया।

अंबिकापुर से दुर्ग तक जाने वाली इस एक्सप्रेस ट्रेन में पिछले कई महीनों से यही स्थिति है। अंबिकापुर से रात में 10.30 बजे रवाना होने वाली ट्रेन में सुबह होते तक पानी खत्म हो जाता है। लिहाजा सुबह उठते ही साथ इस ट्रेन में यात्रा करने वाले सैकड़ो यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को भी स्थिति कुछ इसी तरह थी। सुबह उठने के बाद कोच में पानी खत्म हो गया है। ऐसे में जिन यात्रियों को शौच के लिए जाना था, उन्हें सबसे ज्यादा दिक्कत हुई। जब दीर्घशंका करने के लिए पहुंचे तो नल से पानी ही नहीं निकला।

जिसकी वजह से यात्रियों को मल त्याग की शारीरिक प्रकिया रोकनी पड़ी है और गंतव्य स्टेशन तक पहुंचाने का इंतजार करना पड़ा। ट्रेन पर सवार हुए शिक्षक संस्कार श्रीवास्तव से यात्रियों ने यह समस्या शेयर की। यात्रियों की परेशानी को देखते हुए शिक्षक ने दीर्घशंका से जुड़ी इस समस्या को ट्विटर हैंडल पर रेलमंत्री को शेयर करते हुए इस ट्रेन के अंतिम स्टेशन दुर्ग तक पहुंचने तक इस ट्रेन में पानी की पर्याप्त व्यवस्था करने के लिए गुहार लगाई है। मालूम हो कि अंबिकापुर से दुर्ग तक लगभग 300 किमी से अधिक की यात्रा के दौरान ही ट्रेन में पानी खत्म हो जाना और बीच के स्टेशन में यात्रियों की इस समस्या को ध्यान में रखते हुए पानी नहीं भरा जाना रेल प्रशासन की लापरवाही को उजागर करता है। इस ट्रेन के यात्रियों को सुबह फ्रेश होने संबंधी समस्या से रेल प्रशासन कब तक निजात दिला पता है। यहां

यह बताना भी लाजिमी है कि उसलापुर को रेल प्रशासन सेकंड टर्मिनल के रूप में विकसित कर रहा है। इसके तहत ट्रेनों में पानी भरने के लिए हाइड्रेन पाइप भी बिछाया गया है। लेकिन, तीन साल पहले यह काम पूरा हो चुका है। लेकिन, आज तक इस पाइप से ट्रेनों में पानी नहीं भरा जा रहा है। इसके चलते शनिवार को भी यात्रियों को दिक्कत हुई।

सार-संक्षेप

आर्थिक उन्नति उन लोगों से ही संभव जो उद्यमी है - झा

बिलासपुर,26 अगस्त (देशबन्धु)। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर में आज एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विषय ''आत्मनिर्भर भारत के लिए उद्यमिता'' था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य ए.डी.एन. वाजपेयी, कुलसचिव शैलेन्द्र दुबे, श्रीमती अरूणा दीक्षित, उचित सूद, प्रवीण झा, कमल छाबड़ा, सुशील श्रीवास्तव उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य ए.डी.एन. वाजपेयी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोन में कहा कि आज राष्ट्र तेजी से आत्मनिर्भरता के जिस लक्ष्य की ओर अग्रसर है उसके स्टार्टअप, उद्यमिता और कौशल विकस की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रवीण झा ने कहा कि आर्थिक उन्नति उन लोगों के द्वारा संभव व विकसित हो पायी है जो उद्यमि है।श्रीमती अरूणा दीक्षित ने कहानी के माध्यम से छात्रों को आत्मनिर्भरता के संदर्भ में अभिप्रेरित किया। कमल छाबड़ा ने भी उद्यमिता विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। उचित सूद ने बिलासपुर में रोजगार सृजन केन्द्र की जानकारी दी।कार्यक्रम में स्वागत भाषण- कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुमोना भट्टाचार्य द्वारा दिया गया। गौरव साहू, कार्यक्रम समन्वयक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. श्रीमती महेन्द्र मेहता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. एच.एस. होता, डॉ. पूजा पाण्डेय, जीतेन्द्र गुप्ता, डॉ. रश्मि गुप्ता, डॉ. सीमा बेलोरकर, डॉ. हामिद अब्दुल्ला सहित विभिन्न विभागों के प्राध्यापकगण, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

57 किलो गांजे के साथ आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर, 26 अगस्त (देशबन्धु)। अवैध गांजा खपाने की फिराक में जा रहे आरोपी को रेलवे पुलिस ने बिलासपुर प्लेटफार्म से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी उड़ीसा से अवैध रूप से गांजा लेकर हीराकुंड एक्सप्रेस से यूपी के लिए निकला था। जीआरपी बिलासपुर को मुखबीर से सूचना मिली की सोनू गड़ा हीराकुंड एक्सप्रेस से अवैध गांजा लेकर यूपी में खपाने की फिराक से निकला है। जीआरपी बिलासपुर द्वारा बिलासपुर के प्लेटफार्म नं 4 व 5 में चेकिंग कर मुखबीर के बताए अनुसार हुलिये वाले से पुछताछ किया गया। प्लेटफार्म में सीढ़ी के पास खड़े व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसने अपने नाम सोनू गंडा पिता संतोष गंडा 37 वर्ष मुंगापाड़ा झारसुगुड़ा उड़ीसा का रहने वाला बताया। आरोपी के पास रखे बैग से 57 हजार रुपये के लगभग 1 किलो गांजा जप्त किया गया। आरोपी सोनू गंडा के पास अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा रखने एवं परिवहन करने के खिलाफ धारा 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया गया।

बैंक में बंधक जमीन का सौदा कर 39 लाख की धोखाधड़ी

5 सालों से सराफा व्यवसायी लगा रहा चक्कर

बिलासपुर, 26 अगस्त (देशबन्धु)। सराफा व्यापारी के साथ 39 लाख 43 हजार की ठगी का मामला प्रकाश में आया है। एक व्यक्ति ने बैंक में बंधक हुए प्रॉपर्टी को बेचने का झांसा देकर सराफा व्यापारी को ठग दिया। मामले में रामा लाईफ सिटी निवासी प्रार्थी विकास कुमार सराफ ने सकरी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। जहा उन्होने जानकारी देते हुए बताया कि राम लाईफ सिटी सकरी के जमीन जिसका खसरा नंबर 282/14 रकबा 2035 वर्गफुट जमीन में अद्धनिर्मित मकान जो राजस्व रिकार्ड में मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं उसकी पत्नी दर्शनादेवी श्रीवास्तव के नाम पर दर्ज है।

जिसका सौदा प्रार्थी ने 20.10.2018 को 43,60,000/- (तिरालीस लाख साठ हजार रूपये) में मनोज कुमार श्रीवास्तव से हुआ था। जिसके लिए प्रार्थी ने अलग अलग किश्तों में 39 लाख 43 हजार रूपए आरोपी मनोज कुमार श्रीवास्तव को दे दिया था। वही विगत कई वर्षों से मनोज कुमार प्रार्थी को रजिस्ट्री को लेकर घूमा रहा था। इसी बीच आरोपी मनोज कुमार श्रीवास्तव के बाम्बे में होने की जानकारी मिलने पर प्रार्थी वहा भी पहुंचा। लेकिन मनोज कुमार श्रीवास्तव का कुछ पता नहीं चला। इधर मामले में प्रार्थी ने खोजबीन शुरू कि तो उसे पता चला की उक्त प्रॉपर्टी पहले से ही बैंक में बंधक के रूप में है और उसे बैंक द्वारा नीलाम कर दिया गया है तब जाकर प्रार्थी को अपने साथ हुई ठगी के एहसास हुआ जिसकी लिखित शिकायत उन्होंने सकरी थाने में दर्ज कराई है इधर मामले में स्थानीय पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ऑनलाइन सट्टा के मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

2 करोड़ का बैंक अकाउंट सीज, 50 पासबुक, 40 एटीएम कार्ड, 4 नग मोबाइल

बिलासपुर,26 अगस्त (देशबन्धु)। कोटा पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा खेलने-खेलवाने वाले 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से 50 पासबुक, 40 एटीएम कार्ड, 04 नग मोबाइल और 25 हजार रुपए नगद जब्त किया है। इसके अलाव बैंक अकाउंट को सीज कर दिया है जिसमे दो करोड़ रुपए जमा है।

पीपरखूंटी निवासी नरोत्तम विश्वकर्मा ने 25.08. 2023 को थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराया की ग्राम खैरझिटी का सुरेश नवरंग 04-05 माह पूर्व हमारे गांव में आया और एचडीएफसी बैंक में खाता खुलवाने पर ?10000 रकम मिलेगा कहकर बता रहा था। मेरे घर की आर्थिक स्थिति ठीक ना होने से मैं सुरेश नवरंग के झांसे में आकर अपना आधार कार्ड, पैनकार्ड खाता खुलवाने के लिए दिया था। सुरेश नवरंग, राहुल वाधवानी व उसके साथियों ने मुझे धोखे में डालकर मेरे नाम से खाता खोलकर खाते का ऑनलाइन सट्टा में उपयोग किया। लिखित आवेदन पेश करने पर 420, 34 भा.द.वि. का पाए जाने से अपराध पंजीबद तथा विवेचना लिया गया। विवेचना दौरान संदेहियों से पूछताछ किया गया। जिन्होंने महादेव-अन्ना रेड्डी के माध्यम से ऑनलाइन जुआ खिलाना स्वीकार किया। मेमोरेंडम कथन के अनुसार आरोपीयों का ऑनलाइन लेनदेन होने से करीबन 2 करोड रुपए बैंक अकाउंट में सीज कराया गया है तथा आरोपीगणों से 50 नग बैंक खाता, 40 नग एटीएम कार्ड तथा 04 नग मोबाइल एवं नगदी 25000 जप्त किए गए हैं। आरोपीगण बैंक के अधिकारी/कर्मचारियों के साथ साथ साठगांठ कर लोगों को ट्रेडिंग का बहाना करने के नाम पर फर्जी बैंक खाता खुलवाते थे। इन खातों का उपयोग

ऑनलाइन सट्टा में करते थे ऐसे 50 अकाउंट की पहचान की गई है। इन फर्जी अकाउंट में यूपीआई चालू करने के लिए कुछ मोबाइल वालों से मिलकर फर्जी सिम अकाउंट से लिंक करते थे। मामले में विवेचना के दौरान धारा 7 जुआ प्रतिषेध अधिनियम जोड़ी गई। वजह सबूत के आधार पर मामले के 04 आरोपियों को आरोपी राहुल वाधवानी पिता स्व. रामचंद्र उम्र 33 साल साकिन सिंधी कॉलोनी जरहाभाठा थाना सिविल लाइन पारथ साहू पिता फत्तेराम उम्र 45 साल साकिन बरद्वार थाना कोटा वासुदेव खुसरो पिता होरीलाल खुसरो उम्र 30 साल साकिन पिपरखूंटी थाना कोटा सुरेश नवरंग पिता श्याम लाल उम्र 35 साल साकिन घर जीटी थाना कोटा जिला बिलासपुर गिरफ्तार कर विधिवत? कार्यवाही की जा रही है।

आपराधिक मामला एवं विभागीय जांच नहीं चल सकते एक साथ

बिलासपुर, 26 अगस्त (देशबन्धु)। ग्राम आमाकोनी, तहसील जैजैपुर, जिला सक्ती निवासी ईश्वर प्रसाद लहरे जिला जांजगीर चाम्पा में आरक्षक के पद पर पदस्थ हैं। उनके विरूद्ध पुलिस थाना जांजगीर में एक अपराध पंजीबद्ध हुआ एवं न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जिला जांजगीर चांपा में ट्रायल विचाराधीन है। इसी दौरान पुलिस अधीक्षक, जांजगीर चांपा द्वारा ईश्वर प्रसाद लहरे को निलंबित कर समान आरोपों पर उनके विरूद्ध विभागीय जांच प्रारंभ कर दी गई।

उक्त विभागीय जांच कार्यवाही से क्षुब्ध होकर ईश्वर प्रसाद लहरे द्वारा हाईकोर्ट अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं घनश्याम शर्मा के माध्यम से हाईकोर्ट बिलासपुर के समक्ष रिट याचिका दायर की गई। अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं घनश्याम शर्मा द्वारा हाईकोर्ट के समक्ष सह तर्क प्रस्तुत किया गया कि पूर्व में सुपीम कोर्ट द्वारा स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया एवं अन्य विरूद्ध नीलम नाग एवं अन्य इसके साथ ही अविनाश सदाशिव भोसले विरूद्ध यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य के वाद में यह निर्णय दिया गया है कि यदि किसी शासकीय कर्मचारी के विरूद्ध आपराधिक मामला चल रहा है तो समान आरोपों पर उसके विरूद्ध विभागीय जांच कार्यवाही नहीं चल सकती। दोनों मामलों में अभियोजन साक्षी समान है तो समस्त अभियोजन साक्षियों का पहले सक्षम न्यायालय में आपराधिक मामले में परीक्षण किया जाना चाहिए, उक्त नियम का पालन ना किये जाने से सम्पूर्ण ट्रायल पूर्वाग्रह से ग्रसित हो जाएगा एवं यह प्राकृतिक न्याय सिद्धांत का घोर उल्लंघन है। याचिकाकर्ता के मामले में पुलिस अधीक्षक, जांजगीर चाम्पा द्वारा विभागीय जांच कार्रवाही संचालित कर उक्त न्याय दृष्टांत का उल्लंघन किया जा रहा है। उच्च न्यायालय, द्वारा उक्त रिट याचिका को स्वीकार कर याचिकाकर्ता पुलिस कान्सटेबल ईश्वर प्रसाद लहरे के विरूद्ध संचालित की जा रही है विभागीय जांच कार्रवाही पर रोक लगा दी गई।

तलवार से राहगीरों को धमका रहा युवक पकड़ाया

बिलासपुर,26 अगस्त (देशब?धु)। बढ़ते अपराधों एवं चाकूबाजी की घटनाओ पर अंकुश लगाने के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर राजेन्द्र जायसवाल तथा नगर पुलिस अधीक्षक कोतवली पूजा कुमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उत्तम साहू के नेतृत्व में थानां सिटी कोतवली पुलिस द्वारा आज आरोपी विजय राजपूत उर्फ छोटू पिता स्व शिव कुमार राजपूत उम्र 19 वर्ष निवासी अशोक नगर अटल आवास सरकंडा जिला बिलासपुर को बिलासा चौक के पास लोहे का तलवार लेकर लोगो को डराते धमकाते पकड़ा गया जिसे धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

राखी के त्योहार की बाजार में धूम

डिजाइनर राखियों की डिमांड

बिलासपुर, 26 अगस्त (देशबन्धु)। राखी का पर्व रक्षाबंधन 30 अगस्त को धूमधाम से मनाया जाएगा। इसके लिए बाजार की रौनक देखते ही बन रही है। पर्व को खास बनाने बहनें भाइयों की लिए राखियों की खरीदारी करने में व्यस्त हैं। डिजाइनर राखियों के साथ ही पारंपरिक राखियों की मांग बनी हुई है। पर्व को लेकर अब सिर्फ पांच दिन शेष है। बाजार में भीड़ देखते ही बन रही है। कंपनी गार्डन के पास, गोल बाजार, मुंगेलीनाका, शनिचरी समेत शहर के सभी प्रमुख बाजार और चौक-चौराहों पर सजे राखी बाजार में खासी चहल-पहल होने लगी है। राखियां बाजार में पांच रुपए से लेकर एक हजार रुपए तक में उपलब्ध हैं। शाम होते ही आकर्षक लाइट से राखियां और भी चमकने लगती है। धार्मिक मान्यता रखने वालों के लिए बाजार में चंदन और रुद्राक्ष की राखियां भी उपलब्ध हैं। इसके साथ ही रेशम की डोरी, मोती, जरी, कुंदन, खिलौने वाली राखियों से बाजार की रौनक देखते ही बन रही है।

श्री कृष्ण,गणेश वाली राखियां

बच्चों में कुछ साल पहले तक कार्टून कैरेक्टर का जादू छाया हुआ था। इस वजह से वे अपनी पसंद के कार्टून कैरेटर वाली राखियां पसंद करते थे। इसमें छोटा भीम, मोटू-पतलू, डोरेमान समेत कई कैरेटर शामिल थे। लेकिन अब बच्चे श्री कृष्ण, गणपति सहित देवी-देवताओं वाली राखियां पसंद करने लगे हैं। साथ ही म्यूजिकल राखी और लाइट वाली राखियां भी आकर्षण

का केंद्र बनी हुई हैं। बाजार में मेटल की गोल्डन और सिल्वर आभा ली हुई आर्टिफिशल राखी की मांग ज्यादा है।

मोती, स्टोन व कुंदन की राखी

भाई की राखी के साथ ही भाभियों के लिए लुंबा राखी और फूलों वाली राखी उपलब्ध हैं। कंगन के साथ और बिना कंगन की लुबा राखी खास हैं। इसमें जरदोजी, मोती, स्टोन और कुंदन के साथ ही फूलों की सजावट देखते ही बन रही है। राखी के लिए विशेष रूप से घेवर और सेवई की मांग बनी हुई है। बाजार में घेवर के साथ ही सेवई की भी मांग बनी हुई है। साथ ही मिठाई के रूप में गिफ्ट देने के लिए चाकलेट पैक भी आ चुका है।

स्वदेशी राखियों की मांग अधिक

इस बार व्यापारियों ने बेहतर कारोबार होने की उम्मीद है। राखियों से बाजार गुलजार हो चुका है। स्वदेशी राखियों की अधिक मांग है। स्वदेशी राखियों की कीमत भी बजट में है। जिसके चलते लोगों की पहली पसंद बनी हुई है। समूह की महिलाओं ने बताया कि बड़ी मेहनत से राखियां तैयार की है। गेंहू, धान, गोबर से भी राखियां तैयार की गई है। जिसमें काफी समय लगा है। इसके अलावा गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार की गई राखियां भी बाजार से लेकर माल में बिक रहे हैं।

महिला मोर्चा का अनूठा अभियान

भाजपा महिला मोर्चा का अनूठा अभियान, रिक्शा, आटो चालकों, डिलीवरी ब्वाय व स्ट्रीट वेंडरों की कलाइयों पर बांधेंगी राखीरक्षाबंधन के अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा ने अनूठा अभियान चलाने की योजना बनाई है। अभियान का नाम दिया है स्नेह यात्रा। नाम के अनुरूप इस दौरान मोर्चा की पदाधिकारी व कार्यकर्ता रिक्शा चालकों से लेकर आटो चालक, स्ट्रीट वेंडर, डिलीवरी ब्वाय, होटलों में काम करने वाले श्रमिकों के अलावा औद्योगिक व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में काम करने वाले कामगारों की कलाइयों में रक्षा सूत्र बांधेंगी। यह पहला अवसर होगा जब महिला मोर्चा ने इस तरह का अभियान चलाने का निर्णय लिया है। बीते दिनों महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रवास पर आई थी। नवंबर में छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित है।

NECC
27.08.2023 अंडा मुर्गी काकरेल
फार्म 4.35 80 165
चिल्हर 5.50 95 190
डिलीवरी 4.50 सैकड़ा
दर्जन अंडा 65 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रू.
CSPFA

प्रकाशक मुद्रक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। सम्पादक- अशोक शर्मा, प्रेस पंजीयन- 52158/91 डाक पंजीयन 112-002/2002 सी जी फोन- 07752 422771, 428159 फैक्स नं. 415188